हाईकोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट पेश : अब तक 15 की मौत, रिपोर्ट में 4 मौतें ही बताई गईं

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

इंदौर प्रशासन और नगर निगम को हाई कोर्ट की फटकार

लोग दूषित पानी पीकर मर रहे हैं...ये बहुत बड़ी लापरवाही है

अदालत ने कहा- इंदौर एक बेहद सुंदर शहर है, पूरे देश में इसकी साफ-सफाई की तारीफ होती है। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि इस सुंदरता और प्रतिष्ठा को बनाए रखा जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से हुई मौतों और लोगों के बीमार पड़ने के गंभीर मामले पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने कड़ा रुख अपनाया है। जस्टिस द्वारकाधीश बंसल और जस्टिस राजेंद्र कुमार वाणी की खंडपीठ ने साफ शब्दों में कहा कि यह एक बड़ी लापरवाही है और लोग दूषित पानी की वजह से मर रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है। हाई कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए और दूषित पानी से बीमार हुए सभी लोगों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा दी जाए।

अदालत ने कहा, 'इंदौर एक बेहद सुंदर शहर है, पूरे देश में इसकी साफ-सफाई की तारीफ होती है। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि इस सुंदरता और प्रतिष्ठा को बनाए रखा जाए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि स्थानीय लोग अब भी साफ पानी से वंचित हैं।

10 मिनट में अतिरिक्त टैंकर भिजवाने के निर्देश निगम ने पालन किया

सीएम डॉ. यादव ने लिया एक्शन- निगम के अपर आयुक्त को हटाया, तीन नए अपर आयुक्त भेजे

हाई कोर्ट ने इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव को नोटिस जारी किए

निगम आयुक्त और अपर आयुक्त को नोटिस, प्रभारी अधीक्षण यंत्री से प्रभार छीना

भोपाल। शुक्रवार को इस मामले में सीएम डॉ. मोहन यादव ने बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने नगर निगम आयुक्त और अपर आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। मोहन सरकार ने नगर निगम कमिश्नर दिलीप यादव और एडिशनल कमिश्नर रोहित सिसोनिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एडिशनल कमिश्नर सिसोनिया का ट्रांसफर कर दिया है। वहीं, इंचार्ज सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर संजीव श्रीवास्तव से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस ले लिया है। डॉ. मोहन यादव ने एक्स पर लिखा कि सुबह मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों के साथ इंदौर के दूषित पेयजल प्रकरण में राज्य शासन द्वारा की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

16 नगर निगमों के साथ बैठक की

एक्स पर एक और पोस्ट कर सीएम ने लिखा कि इंदौर में दूषित पेयजल प्रदाय से हुई दुखद घटना के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उपरांत प्रदेश के अन्य स्थानों के लिए भी हम सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिए हैं। इस दृष्टि से सभी 16 नगर निगमों के महापौर, अध्यक्ष तथा आयुक्त एवं जिला कलेक्टर, स्वास्थ्य विभाग, नगरीय विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग व अन्य संबंधित मुख्यालय स्तर के अधिकारियों की वर्चुअल बैठक बुलाई है, जिसमें पूरे प्रदेश की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

इंदौर मामले में बोलीं उमा भारती

जिंदगी की कीमत दो लाख नहीं होती, नेता-अफसर बिसलरी क्यों पीते रहे?

पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता उमा भारती ने कहा कि इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा,

पीड़ितों से माफी मांगनी होगी और जो दोषी हैं उनको सजा देनी होगी। उमा ने कहा कि साल 2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुई मौतें हमारे प्रदेश, हमारी सरकार और हमारी पूरी व्यवस्था को शर्मिंदा और कलंकित कर गईं। जिंदगी की कीमत दो लाख रुपए नहीं होती क्योंकि उनके परिजन जीवन भर दुःख में डूबे रहते हैं। इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा, पीड़ितजनों से माफी मांगनी होगी और नीचे से लेकर ऊपर तक जो भी अपराधी हैं उन्हें अधिकतम दंड देना होगा। उन्होंने पूछा कि नेता-अफसर बिसलरी क्यों पीते रहे?

राहुल बोले-इंदौर में पानी नहीं जहर बंटा'

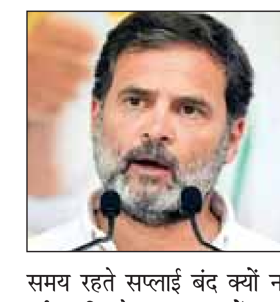

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इंदौर में जहर बांटा जा रहा है और प्रशासन कुंभकर्ण की तरह सो रहा है। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान।

जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, सरकार ने घमंड परोस दिया। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की, फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? ये 'फोकट' सवाल नहीं- ये जवाबदेही की मांग है।

सीएम की सख्ती के बाद आदेश जारी

इंदौर नगर निगम को मिले 3 नए आईएएस अफसर

सीएम की सख्ती के बाद नगर निगम एडिशनल कमिश्नर रोहित सिसोनिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्हें इंदौर से हटा भी दिया है। उन्हें किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग में उप सचिव के पद पर भेजा है। इसके बाद इंदौर नगर निगम में 3 नए अधिकारी आकाश सिंह, प्रखर सिंह और आशीष पाठक की नियुक्ति की गई है। नए पदस्थ तीन अधिकारियों में दो डायरेक्ट है तो वहीं पाठक प्रमोटी आईएएस हैं। सीईओ खरगोन 2019 बैच के आईएएस आकाश सिंह को अपर आयुक्त इंदौर नगर निगम किया है। सीईओ अलीराजपुर 2020 बैच के अधिकारी प्रखर सिंह को अपर आयुक्त इंदौर निगम पदस्थ किया है। उप परिवहन आयुक्त इंदौर 2020 बैच के आशीष पाठक को भी अपर आयुक्त इंदौर निगम किया है। खास बात यह है कि शासन ने इंचार्ज सुपरिटेंडिंग इंजीनियर संजीव श्रीवास्तव से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस ले लिया है। अब सीएम ने सीधे अपने हाथ में कमान ले ली है। वे मामले की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

नए साल में लगेंगे 2 सूर्य ग्रहण और 2 चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली। साल 2026 शुरू हो चुका है और इस साल कुल चार ग्रहण होंगे, दो सूर्य ग्रहण और दो

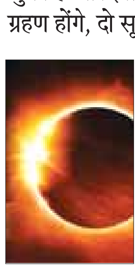

चंद्र ग्रहण, लेकिन ये चारों ग्रहण भारत में समान रूप से दिखाई नहीं देंगे। भारत में सिर्फ एक चंद्र ग्रहण दिखाई देगा। बाकी के तीन ग्रहण या तो हमारे देश से दिखाई नहीं देंगे या फिर इनका असर कम होगा।

लंगूर की आवाज निकालने वालों के लिए नौकरी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा परिसर में लगातार घुसने वाले बंदरों की समस्या से निपटने के

लिए लंगूर की आवाज की नकल करने वाले लोगों को नियुक्त करने की योजना बना रही है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि विधानसभा परिसर के आसपास दर्जनों बंदर मौजूद हैं जो परेशानी पैदा करते हैं।

'युवा संवाद' कार्यक्रम में मध्यभारत प्रांत के 16 शासकीय जिलों के युवाओं को संघ प्रमुख ने किया संबोधित

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने युवाओं से कहा-आइए और संघ का अनुभव लीजिए, यहां कोई बंधन नहीं

विश्व शक्ति की सुनता है, संघ धर्म की रक्षा करते हुए देश को 'नया रास्ता' दिखाता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के प्रसंग पर संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत का देशभर में प्रवास हो रहा है। इसी श्रृंखला में उनका दो दिवसीय प्रवास भोपाल में हुआ। प्रवास के पहले दिन कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में उन्होंने युवाओं से संवाद किया। युवा संवाद में डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ की भूमिका पर उन्होंने कहा कि विश्व शक्ति की सुनता है और संघ संपूर्ण समाज को साथ लेकर धर्म की रक्षा करते हुए देश को नया रास्ता दिखाता है।

उन्होंने कहा कि संघ अपने जन्म से ही लक्ष्य लेकर चल रहा है कि अपने धर्म-संस्कृति का संरक्षण कर, अपने भारत को परम वैभव पर लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश संपूर्ण समाज के योगदान से ही बड़ा होता है। नेता, नीति और व्यवस्था, ये सब तब सहायक होते हैं जब समाज गुणसम्पन्न होता है। भारत का युवा जाग गया है, वह अपने देश को समर्थ बनाना चाहता है। संघ युवाओं से आह्वान करता है कि वे संघ की शाखा में आएं या फिर संघ की योजना से चल रहे अपने रुचि के कार्य में जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

डॉ. भागवत ने कहा कि देश संपूर्ण समाज के योगदान से ही बड़ा होता है। नेता, नीति और व्यवस्था, ये सब तब सहायक

भारत का युवा जाग गया है वह अपने देश को समर्थ बनाना चाहता है

डॉ. भागवत ने युवाओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए

देश के लिए कुछ करना है तो अहंकार व स्वार्थ को छोड़ना होगा

हमें एआई को कंट्रोल करना है, न कि कंट्रोल होना है

युवा संवाद में डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ की भूमिका पर उन्होंने कहा कि विश्व शक्ति की सुनता है और संघ संपूर्ण समाज को साथ लेकर धर्म की रक्षा करते हुए देश को नया रास्ता दिखाता है। महाशक्ति एकत्रित कर रहा है। उन्होंने कुली फिल्म का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय युवा लाल कुर्ता या शर्ट पहनते थे। यानी फैशन फॉलो करते हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे युवाओं का निर्माण कर रहे हैं, जो समाज में सार्थक फैशन को बढ़ाएं। सुरक्षा और करियर को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा कि सुरक्षा की गारंटी कोई नहीं दे सकता।

संघ युवाओं को सामर्थ्यवान बना रहा:शांडिल्य

भोपाल करुणाधाम आश्रम के प्रमुख सुदेश शांडिल्य ने युवाओं से कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समर्थ बनेगा तभी भारत विश्वगुरु बनेगा। इसलिए संघ का समर्थ होना जरूरी है। परोपकार, सद्चरित्र, जनकल्याण की भावना और यश के पीछे नहीं भागने की भावना कहीं दिखाई दे रही है, तो वह केवल संघ है।

हम स्वामी विवेकानंद की 3 बातों का अनुसरण करते हैं: विस्पुते

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते ने कहा कि संघ को 100 वर्ष में खूब प्रसिद्ध मिली। लेकिन, संघ का प्रचार किया विरोधियों ने और नकारात्मक भाव में किया। इन्होंने कभी संघ को समझने का प्रयास नहीं किया। विस्पुते ने बताया कि संघ स्वामी विवेकानंद की तीन बातों का अनुसरण करते हुए काम करता है। पहली बात भारत के समाज को ऑर्गेनाइजेशन सीखना पड़ेगा। दूसरा भारत में मेन मेकिंग यानी व्यक्ति के निर्माण की प्रक्रिया जरूरी है और तीसरी बात कि आने वाले 50 साल के लिए देश को प्राथमिकता पर रखकर भारत माता की आराधना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ 100 वर्ष पूरे होने पर उत्सव नहीं मना रहा है, बल्कि डोर टू डोर मेन टू मेन और हार्ट टू हार्ट पहुंचने की कोशिश कर रहा है। मेरा भी क्या योगदान देश और संघ के लिए हो सकता है, इसके लिए प्रयास करें।

उज्जैन स्टेशन पर बेहोश होकर गिरा भक्त

जीआरपी जवान ने सीपीआर देकर बचाई श्रद्धालु की जान

एसपी करेंगे आरक्षक का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

महाकाल मंदिर दर्शन करने उज्जैन आए एक श्रद्धालु की रेलवे स्टेशन पर अचानक तबीयत बिगड़ गई। उज्जैन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर तैनात जीआरपी के आरक्षक ने गोल्डन टाइम में सीपीआर देकर यात्री की जान बचाई। इसका वीडियो अब सामने आया है।

घटना 1 जनवरी की है। स्टेशन पर महाकाल दर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ थी। इसी दौरान जीआरपी के प्रधान आरक्षक पवन धुर्वे प्लेटफॉर्म नंबर 5 और 6 के बीच ड्यूटी पर तैनात थे। तभी प्लेटफॉर्म पर खड़ी उज्जैयनी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 14309) के आगमन के दौरान यात्री देवी सिंह (30) निवासी ब्यावरा की अचानक तबीयत बिगड़ गई।

कलेक्टर ने किया सस्पेंड

नायब तहसीलदार के रीडर का घूस लेते वीडियो हुआ वायरल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायसेन

जिले की सांची तहसील के नायब तहसीलदार के रीडर का रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल होने से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। रिश्वतखोरी का यह पूरा मामला लाइव वीडियो में कैद हो गया। वायरल वीडियो में नायब तहसीलदार का रीडर राजेश गीते सरकारी दफ्तर में खुलेआम रुपए गिनते हुए नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि वह एक मामले में जमानत कराने के बदले रिश्वत ले रहा था। वीडियो में रुपए के लेन-देन की पूरी तस्वीर साफ तौर पर दिखाई दे रही है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

मामले में आगे जांच भी शुरू

सिवनी में भीषण सड़क हादसा...पूरा परिवार खत्म

खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी बाइक पति-पत्नी सहित दो बच्चों की मौत

पत्नी-बच्चों को लेकर ससुराल जा रहा था युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

नववर्ष के पहले दिन सिवनी जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। गुरुवार शाम जबलपुर-नागपुर फोरलेन पर कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत रिड्डीटेक के पास खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई बाइक में सवार एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र सीमा से लगे खवासाटोला निवासी परमानंद बरकड़े अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ बाइक

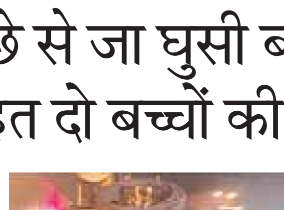

से दरगढ़ा गांव जा रहे थे। शाम करीब 7 बजे तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि परिवार के सभी सदस्यों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया गया है कि ट्रक में इंजन खराबी आने के कारण उसे फोरलेन पर खड़ा कर मरम्मत कार्य किया जा रहा था। वाहन चालकों को सतर्क करने के लिए संकेतक भी लगाए गए थे, बावजूद इसके हादसा हो गया। बरघाट एसडीओपी ललित गठरे ने बताया कि मृतकों की पहचान परमानंद बरकड़े (45), उनकी पत्नी गीता बरकड़े (38), बेटी माही (8) और बेटा दीपांशु (4) के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के बाद मुस्तफिजुर का विरोध

आईपीएल 2026: मुस्तफिजुर रहमान को केकेआर की टीम में शामिल किए जाने का विरोध तेज

बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खेलने को लेकर अटकलों के बीच बीसीसीआई का सीधा जवाब- केंद्र से नहीं मिला कोई निर्देश

मुस्तफिजुर रहमान

शाहरुख की केकेआर ने मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ की बड़ी राशि में खरीदा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए केकेआर की टीम में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान शामिल हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के बाद मुस्तफिजुर रहमान को केकेआर की टीम में शामिल किए जाने का विरोध हो रहा है। देश के कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने रहमान को टीम से बाहर करने और किसी भी बांग्लादेशी खिलाड़ी को आईपीएल में मौका न देने की मांग की है।

फैसला कई संगठनों को समझ नहीं आया

हाल के महीनों में बांग्लादेश से जुड़ी भारत विरोधी खबरों और वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं से जुड़े मुद्दों के कारण यह फैसला कई संगठनों को समझ नहीं आया। सोशल मीडिया पर केकेआर और शाहरुख खान की आलोचना शुरू हो गई। भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम ने इस मुद्दे पर बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि वे किसी भी कीमत पर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने नहीं देंगे।

बांग्लादेशी क्रिकेटर हिंदुओं के हक में आवाज उठाएं

इस पूरे विवाद पर कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर, धीरेंद्र शास्त्री और जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने भी तीखी प्रतिक्रियाएं दीं। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ गलत व्यवहार की खबरें सामने आ रही हैं और ऐसे माहौल में वहां के खिलाड़ी को आईपीएल में शामिल करना गलत संदेश देता है। उन्होंने यह भी कहा कि शाहरुख खान को यह याद रखना चाहिए कि उन्हें यह पहचान भारतीय जनता ने दी है। वहीं, धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि मुस्तफिजुर रहमान के खेलने या न खेलने का फैसला बीसीसीआई करेगी।

राहुल के 'वोट चोरी' नैरेटिव की धज्जियां उड़ीं, 83.61% जनता ने ईवीएम पर जताया भरोसा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली /बेंगलुरु

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद ईवीएम को लेकर चल रही सियासी बहस के बीच कर्नाटक की एक रिपोर्ट ने चर्चा का रुख ही बदल दिया है। खास बात यह है कि यह रिपोर्ट किसी विपक्षी सरकार या निजी संस्था की नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार के आदेश पर कराए गए सर्वे की है। इसमें राज्य के बड़े हिस्से में लोग इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ईवीएम पर भरोसा करते हैं। सर्वे में 83.61 फीसदी जनता ने साफ-साफ कहा है कि उन्हें 'ईवीएम पर पूरा भरोसा है'। इस सर्वे ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वोट चोरी के नैरेटिव को फेल कर दिया है। उसकी धज्जियां उड़ा दी है। अब भाजपा ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' वाले आरोपों पर तीखा हमला बोला है।

102 विधानसभा क्षेत्रों में कराया गया था सर्वे

5,100 लोगों से बात की गई

69.39 प्रतिशत लोगों सही नतीजा बताया

14.22 प्रतिशत ने सहमति जताई

यह रिपोर्ट किसी विपक्षी सरकार या निजी संस्था की नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार के आदेश पर कराया गया था

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कराया था सर्वे

कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार ने कराया है सर्वे

इस सर्वे का नाम है- लोकसभा चुनाव 2024: नागरिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी) का एंडलाइन मूल्यांकन)। इसे कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. अंबुकुमार के जरिए कराया गया था। सर्वे में राज्य के 102 विधानसभा क्षेत्रों में 5,100 लोगों से बात की गई। 83.61 प्रतिशत लोगों ने माना कि ईवीएम भरोसेमंद हैं। 69.39 प्रतिशत लोगों ने कहा कि ईवीएम सटीक नतीजे देती हैं, जबकि 14.22 प्रतिशत ने इस बात से पूरी तरह सहमति जताई।

भाजपा ने राहुल को घेरा

कांग्रेस के मुंह पर ये करारा तमाचा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई बार भाजपा और केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर ईवीएम में हेराफेरी और 'वोट चोरी' का आरोप लगाया है। इस सर्वे पर कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने एक्स पर लिखा, वर्षों से राहुल गांधी पूरे देश में यही कहानी सुनाते रहे हैं कि भारत का लोकतंत्र 'खतरे' में है। ईवीएम 'अविश्वसनीय' हैं और हमारे संस्थानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। भाजपा ने कहा कि लोग चुनाव, ईवीएम और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं।

अब ईवीएम पर सवाल क्यों?

इससे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और चुनाव आयोग पर सभी संदेह खत्म हो जाते हैं। मुझे लगता है कि अब राहुल और कांग्रेस के लिए देश से माफी मांगने का समय आ गया है, क्योंकि उन्होंने उन्होंने केवल झूठ फैलाए हैं और यहां आपने देखा है कि इससे इन दावों का हमेशा के लिए अंत हो जाता है।

लोगों ने चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष बताया: शाइना

शिवसेना नेता शाइना एनसी ने भी कर्नाटक सरकार की ओर से चुनाव प्रक्रिया पर किए गए ताजा सर्वे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी ने कभी भी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा नहीं किया। कर्नाटक निगरानी एवं मूल्यांकन प्राधिकरण यानी केएमईए ने 2024 के लोकसभा चुनावों पर यह सर्वे किया, जिसमें 5,100 लोग शामिल हुए। सर्वे 102 विधानसभा क्षेत्रों में किया गया था।

खबर संक्षेप

उपराष्ट्रपति 2 दिवसीय यात्रा पर पहुंचे चेन्नई

चेन्नई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 2 दिनी यात्रा पर शुक्रवार से तमिलनाडु के दौरे पर हैं। हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति का तमिलनाडु सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने पुष्पगुच्छ और एक पुस्तक भेंट कर स्वागत किया। एक निजी विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

छात्रा ने यौन उत्पीड़न के बाद तोड़ा दम, 4 पर केस

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के एक कॉलेज में सेकंड ईयर की छात्रा ने यौन उत्पीड़न के बाद तड़पकर दम तोड़ दिया। मृतका के पिता की शिकायत पर पुलिस ने एक प्रोफेसर समेत तीन अन्य के खिलाफ रैगिंग और यौन उत्पीड़न के आरोपों में एफआईआर दर्ज की है।3 छात्राओं ने उसके साथ मारपीट की और धमकियां दी थीं।

दिल्ली में गरीबों के इलाज की सीमा बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्लीवालों को एक बड़ी राहत दी है। सरकार ने प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की आमदनी सीमा को दोगुने से अधिक कर दिया है। अब 5 लाख की सालाना आमदनी वालों को इस कैटिगरी में रखा जाएगा। दिल्ली की सरकार ने आदेश जारी कर दिया है।

धोखाधड़ी में अर्पित अरेस्ट, 14 लाख जब्त

कानपुर। ईडी की जालंधर जोनल टीम ने डिजिटल अरेस्ट ठगी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अर्पित राठौर के ठिकानों पर छापेमारी की और सर्च के दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया। ईडी को साथ ही कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और करीब 14 लाख की बेहिसाब नकदी बरामद हुई।

बंगाल में एसआईआर पर नहीं थम रहा बवाल, भाजपा ने फिर उठाए सवाल

ममता तुष्टीकरण के लिए घुसपैठियों को दे रहीं 'शह', ये राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बंगाल में हो रही एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर कई सवाल खड़े किए हैं। इस दौरान उन्होंने राज्? सरकार पर कई आरोप लगाए हैं और कहा कि ममता आपने फायदे के लिए राज्य और देश से खिलवाड़ कर रही हैं। भाटिया ने आरोप लगाया कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता की तुष्टीकरण की राजनीति के कारण उनका घुसपैठियों के प्रति नरम रवैया है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर कानूनी प्रक्रिया है लेकिन ममता बेनर्जी इसका विरोध कर रही हैं। भाजपा नेता भाटिया का कहना है कि ये घुसपैठिए राष्ट्रीय सुरक्षा का एक बड़ा मुद्दा हैं, जिस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में निर्णायक कदम उठाए हैं। टीएमसी और कांग्रेस पार्टी तो इसका समर्थन करने से भी कतरा रही है।

पार्टी मुख्यालय में भाजपा के प्रवक्ता भाटिया ने कहा

एसआईआर कानूनी प्रक्रिया... फिर सीएम ममता क्यों कर रहीं विरोध?

बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई

चौधरी ने तो कहा था यहां वोट डकैती हो रही

भाजपा नेता गौरव भाटिया कहते हैं कि अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बंगाल में टीएमसी न सिर्फ वोटों की चोरी करती है, बल्कि वोट डकैती भी करती है। अगर ममता वोटों की चोरी कर रही हैं और हम जंगल राज की बात कर रहे हैं, तो यह भारत गठबंधन एक साथ चुनाव क्यों लड़ रहा था। अधीर रंजन चौधरी तो यहां तक कह रहे हैं कि ममता बंगाल में एसआईआर (चुनाव प्रचार प्रक्रिया) को लागू नहीं होने देंगी। एसआईआर एक कानूनी प्रक्रिया है। पश्चिम बंगाल में वोटों की चोरी, या यूं कहें कि वोट डकैती हो रही है और ममता ही इसे अंजाम दे रही हैं। गृह मंत्री और नागरिकों को जिस तरह से धमकियां दी जा रही हैं, उससे साफ पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

मैं जमीन पर लड़ाई लड़ूंगा

बंगाल की जनता के अधिकारों को छीन रही भाजपा

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा एसआईआर के माध्यम से बंगाल की जनता के अधिकारों को छीनना चाहती है। शुक्रवार को मैं आगामी चुनाव के लिए अपना यह बड़ा अभियान बरुईपुर से शुरू कर रहा हूं। कल में अलीपुरद्वार जाऊंगा और लगातार कई जिलों का दौरा करूंगा। मैं ममता बेनर्जी के सिपाही के रूप में आपके साथ जमीनी स्तर पर लड़ूंगा।

'सर' में वैध पहचान पत्र नहीं माना जाएगा 2010 के बाद जारी ओबीसी कॉर्ड

चुनाव आयोग ने किया साफ

निर्वाचन आयोग ने निर्देश जारी किया है कि बंगाल सरकार द्वारा 2010 के बाद जारी अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण-पत्रों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी मसौदा मतदाता सूची में दावों और आपत्तियों के निपटान के दौरान वैध पहचान दस्तावेज नहीं माना जाएगा। यह कदम पिछले वर्ष 24 दिसंबर को कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश के बाद आया है जिसमें 2010 से 2024 के बीच जारी 113 समुदायों के अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण-पत्र कानूनी वैधता पूरी न होने के कारण रद्द कर दिए थे। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के लोग पात्र मतदाता है, लेकिन 2010 के बाद के प्रमाण-पत्रों को वैध नहीं माना जाएगा।

बीएलए शामिल करने की मांग खारिज की

तृणमूल कांग्रेस की बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) को शामिल करने की मांग को खारिज करने पर ईसीआई ने अपना पक्ष स्पष्ट किया है। यह सुनवाई सत्र राज्य में तीन चरणों वाले एसआईआर के दूसरे चरण का मुख्य हिस्सा है।अगर सुनवाई सत्र में बीएलए को अनुमति देने की की मांग मान ली जाती है, तो अन्य पार्टियां भी यह मांग करेंगी।

चुनाव कर्मियों पर शिकायतों को भी नकारा

पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ एसआईआर प्रक्रिया संबंध में दर्ज की गई दो पुलिस शिकायतों पर चुनाव आयोग ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय ने एक बयान में आरोपों को पूर्वनियोजित और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

चौमूं में बवाल के बाद कार्रवाई

पथराव वाली जगहों पर चले बुलडोजर, अतिक्रमण धराशायी

पत्थरबाजी पर प्रशासन की सख्ती

नोटिस के बाद शुरू की कार्रवाई

- पत्थरबाजी की घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने उपद्रवियों के खिलाफ 'ऑपरेशन क्लीन' शुरू किया है। चौमूं में प्रशासन ने अवैध कब्जों को हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी है।
- प्रशासन की ओर से पहले ही मस्जिद के पास अतिक्रमण की जद में आने वाली दुकानों और मकानों पर नोटिस चस्पा किए जा चुके थे।

एजेंसी ▶▶ चौमूं

जयपुर के पास चौमूं में भड़की हिंसा के बाद अब पुलिस और प्रशासन ने सख्ती की है। मस्जिद की रेलिंग लगाने को लेकर शुरू हुए विवाद में हिंसा भड़क गई थी। अतिक्रमण हटाने आई पुलिस पर उपद्रवियों ने जमकर हंगामा किया था। पुलिस ने 75 उपद्रवियों को अरेस्ट किया था। अब पथराव वाली जगहों पर जेसीबी मशीनों से अतिक्रमण हटाया गया है। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। 25 दिसंबर की रात चौमूं के बस स्टैंड इलाके में उस समय तनाव फैल गया था, जब मस्जिद के पास लगी रेलिंग हटाने को लेकर विरोध हुआ था। पहले दोनों पक्षों की सहमति थी, लेकिन जब पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंची तो जमकर बवाल शुरू हो गया था। पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसरा रहा और अधिकांश दुकानों के शटर बंद रहे।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

पहले हुई पथराव की घटना को देखते हुए पुलिस ने अतिरिक्त सतर्कता बरती है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई थानों की पुलिस को मौके पर तैनात किया गया था। डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा और एडिशनल डीसीपी राजेश गुप्ता खुद भी मौके पर मौजूद थे। दोनों सीनियर अधिकारी खुद सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे थे। पुलिसकर्मी हेलमेट, लाठी और सुरक्षा जैकेट के साथ इलाके में लगातार गश्त कर रहे हैं।

सरकार करेगी सख्त कार्रवाई: भाजपा

प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर भाजपा के प्रवक्ता और चौमूं से तीन बार विधायक रह चुके रामलाल शर्मा ने कहा कि हर गलत के खिलाफ सरकार कार्रवाई करेगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, राम लक्ष्मण जानकी, जय बोलो हनुमान की। हकदार को सम्मान मिले, गुनाहगार को सजा।

आईपीएल में बांग्लादेशी क्रिकेटर को खरीदकर बुरा फंसे शाहरुख

राजनीतिक और संत- महात्माओं ने इस फैसले को वापस लेने को कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

खान देशवासियों की भावनाओं और राष्ट्रहित का करें सम्मान

देश में इंडियन प्रीमियर लीग 2026 को लेकर केकेआर द्वारा बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को खरीदा जाना विवाद का केंद्र बन गया है। केकेआर के मालिक और अभिनेता शाहरुख खान का विरोध हो रहा है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि खान को जो भी सम्मान और पहचान मिली है, वह भारत और यहां के लोगों की वजह से है। ऐसे में उन्हें देशवासियों की भावनाओं और राष्ट्रहित का पूरा सम्मान करना चाहिए। महंत ने कहा, कि देश विरोधी सोच या ऐसे निर्णय, जो देश की भावनाओं के खिलाफ हों, किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

किसी बांग्लादेशी को लाना उचित नहीं

महंत रविंद्र पुरी के बयान से पहले ही कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। देवकीनंदन ठाकुर ने केकेआर और शाहरुख खान पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को यहां लाना सही नहीं था।

शाहरुख उसे हटा दें

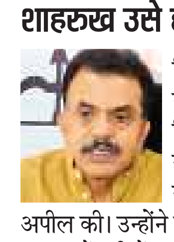

शिवसेना (शिंदे गुट) नेता संजय निरुपम ने रहमान को टीम से हटाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में इसी में शाहरुख की भलाई है और देश के हित में बेहतर होगा।

परमीशन नहीं देंगे

शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता आनंद दुबे ने कहा बांग्लादेशी को भारतीय जमीन पर आईपीएल खेलने की परमिशन नहीं दी जानी चाहिए। इस पर रोक लगनी चाहिए।

दहेज उत्पीड़न मामले में सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

मुकदमेबाजी निजी बदला लेने या हिसाब चुकता करने का जरिया नहीं हो सकता

हाईकोर्ट का आदेश किया रद्द और एफआईआर खारिज की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैवाहिक विवादों से जुड़े मामलों में एक अहम टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पति का पत्नी पर आर्थिक या वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता। आपराधिक मुकदमेबाजी को निजी बदले या हिसाब चुकता करने का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता। यह टिप्पणी पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया गया था।न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पति के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया।

क्रूरता की परिभाषा पर अदालत की टिप्पणी

पीठ ने कहा कि पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों में पति का आर्थिक प्रभुत्व जरूर बताया गया है, लेकिन इससे किसी ठोस मानसिक या शारीरिक नुकसान का प्रमाण नहीं मिलता। अदालत ने कहा कि भारतीय समाज में अक्सर घरों में पुरुष वित्तीय मामलों में नियंत्रण रखते हैं, लेकिन केवल इसी आधार पर आपराधिक क्रूरता का मामला नहीं बनता।

'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन' रखा शीर्षक

भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का आज उद्घाटन करेंगे पीएम

दिल्ली के राय पिथौरा कल्चरल कॉम्प्लेक्स में होगा आयोजन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली के राय पिथौरा कल्चरल कॉम्प्लेक्स में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की ग्रैंड इंटरनेशनल प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इसका शीर्षक द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन है।प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध के नेक विचारों को और अधिक लोकप्रिय बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह हमारे युवाओं और हमारी समृद्ध संस्कृति के बीच के बंधन को और गहरा करने का भी प्रयास है।

विभिन्न खंडों में होगा आयोजन

प्रधानमंत्री ने लिखा कि 3 जनवरी इतिहास, संस्कृति और भगवान बुद्ध के आदर्शों में रुचि रखने वालों के लिए एक बेहद खास दिन है। यह प्रदर्शनी विभिन्न विषयों पर आधारित खंडों में विभाजित है। इसके केंद्र में सांची स्तूप से प्रेरित एक पुनर्निर्मित मॉडल रखा गया है, जिसमें राष्ट्रीय संग्रहों के प्रामाणिक अवशेषों के साथ स्वदेश लौटाए गए रत्नों को एक साथ प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी के अन्य खंडों में पिपरहवा रिविजिटेड, बुद्ध के जीवन की झलकियां भी दिखाई देंगी।

भूमि संसाधन विभाग ने जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल किया

19 राज्यों में अब घर बैठे देख सकेंगे जमीन के कागजात

अब खरीद-बिक्री और लोन मिलने में होगी आसानी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अब देश के 19 राज्यों के नागरिक अपने जमीन के कागजात (लैंड रिकॉर्ड) घर बैठे डिजिटल रूप में डाउनलोड कर सकेंगे। ये कागज कानूनी रूप से मान्य होंगे। इसके अलावा 406 जिलों में बैंक अब ऑनलाइन ही जमीन गिरवी रखने (मॉर्गेज) की जानकारी जांच सकते हैं, जिससे लोगों को लोन जल्दी मिलने में मदद मिलेगी। सरकार के अनुसार भूमि संसाधन विभाग ने जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने का काम लगभग पूरा कर लिया है। इससे जमीन से जुड़े काम अब ऑनलाइन होने लगे हैं।

97% से ज्यादा गांवों में रिकॉर्ड कंप्यूटर पर दर्ज

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दी जानकारी

ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार देश के 97 प्रतिशत से ज्यादा गांवों में जमीन के अधिकार से जुड़े रिकॉर्ड कंप्यूटर पर दर्ज किए जा चुके हैं। नक्शे भी डिजिटल बना दिए गए हैं। करीब 85 प्रतिशत गांवों में जमीन के लिखित रिकॉर्ड को नक्शों से जोड़ दिया गया है।

जमीनों की खरीद-बिक्री होगी सरल

मंत्रालय के अनुसार सरकार ने राष्ट्रीय दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली शुरू की है, जिससे जमीन की खरीद-बिक्री आसान हो गई है। यह सिस्टम पंजाब, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश सहित 17 राज्यों में लागू हो चुका है। करीब 88 प्रतिशत सब रजिस्ट्रार ऑफिस (एसआरओ) अब राजस्व कार्यालयों के साथ जुड़ चुके हैं।

1,050 करोड़ की सहायता मंजूर

केंद्र ने 2025-26 की योजना के तहत 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 1,050 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की है। सरकार ने जमीन के लिए एक खास पहचान संख्या भी शुरू की है, जिसे यूएलपीआईएन कहा जाता है। यह 14 अंकों का नंबर होता है और इसे जमीन का आधार कार्ड कहा जा रहा है। नवंबर 2025 तक देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 36 करोड़ से ज्यादा लैंड पार्सल को यह नंबर दिया जा चुका है।

जबलपुर
शनिवार, 3 जनवरी 2026
पौष मास शुक्ल पक्ष पूर्णिमा-15
वर्ष : 20, अंक : 245
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 24
न्यून. 11

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

13 न्यूज़ीलैंड के खिलाफ वनडे स्क्वाड....

विचार पेज
8 स्वच्छता की चादर से ढंकी गंदगी

खबर संक्षेप

शोर्ड मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम में वापसी

नई दिल्ली। शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। टोक्यो ओलंपिक में शोर्ड मारिन की कोचिंग में ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के खेल प्रेमियों का दिल जीता था और चौथे स्थान पर रही थी। शोर्ड मारिन ने बतौर कोच नियुक्ति के बाद कहा कि वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है।

गाय चराने से रोका तो दबंगों ने गोली चलाई

मुरैना। जौरा विकासखंड के राजाराम का पुरा गांव में दलित परिवार के साथ दबंगों ने मारपीट करते हुए फायरिंग की। पीड़ित परिवार ने खेत में गाय चराने और बाजरे की करब उठाने से मना किया था। आरोप है कि इससे गुस्साए गांव के दबंगों ने दलित परिवार के घर पहुंचकर फायरिंग की, फिर लाठी-डंडों से मारपीट की। घटना में परिवार के पांच लोग घायल हैं, जिन्हें जौरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा विधायक की हार्टअटैक से मौत

बरेली। यूपी के बरेली में भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल की शुक्रवार को अचानक मौत हो गई। विधायक श्याम बिहारी सर्किट हाउस में थे। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह मीटिंग ले रहे थे। दोपहर करीब सवा 2 बजे अचानक विधायक की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सीने में तेज दर्द उठा। वे सीना पकड़कर बैठ गए। पसीना छूटने लगा। विधायक को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। हॉस्पिटल सर्किट हाउस से करीब 7 किमी और विधायक के घर शक्तिनगर से महज 100 मीटर की दूरी पर है।

जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए सीएम ने कहा

भगवान श्रीराम-श्रीकृष्ण के जीवन में मिलते हैं जटिल प्रश्नों के उत्तर

स्वामी रामभद्राचार्य ने सुझाव दिया कि वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस की सफलता इसी में है कि रामायण को राष्ट्र ग्रंथ घोषित कर दिया जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन को देखें तो अनेक जटिल प्रश्नों के उत्तर आसानी से मिल जाते हैं। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के माध्यम से दुनिया में भारत का नाम है। जहां अंधेरा है, वहां प्रकाश फैलाना ही सनातन संस्कृति है। इसी भाव से हमारे आदर्श भगवान श्रीराम ने लाखों वर्ष पहले अन्याय और अत्याचार की समाप्ति के लिए कार्य किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैसे तो भारतीय सनातन संस्कृति में 33 कोटि देवी-देवताओं का उल्लेख है, लेकिन भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण से पूरे विश्व में भारत की पहचान बनी। ऐसे ऐतिहासिक आधार के कारण भारत विश्व गुरु की संज्ञा प्राप्त करता रहा है। उन्होंने कहा कि रामायण काल में महर्षि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ ले गए और संतों के यज्ञ में बाधा डालने वाले असुरों का अंत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपनी बुद्धि, पराक्रम के बल पर राजा जनक के दरबार में स्वयंवर जीता। भगवान श्रीराम ने निषादराज और शबरी माता के प्रसंगों से मित्रता एवं प्रेम का संदेश दिया है।

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस में देश-दुनिया के आए 120 विद्वानों के व्याख्यान आयोजित होंगे

यहां के श्रीराम भक्तों ने 28 हजार से अधिक सुंदरकांड के पाठ किए

युवा श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारें और रामायण के ब्रांड एंबेसडर बनें

प्रदेश में सुशासन और राम राज्य स्थापित करने की ओर बढ़ रहे

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ऋषि जाबाली की पावन भूमि-जबलपुर में वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस का यह आयोजन अद्भुत है। मुख्यमंत्री डबल इंजन की सरकार में प्रदेश में सुशासन और राम राज्य स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं। वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस में देश-दुनिया के आए 120 विद्वानों के व्याख्यान आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि यहां के श्रीराम भक्तों ने 28 हजार से अधिक सुंदरकांड के पाठ किए। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि तुलसीदास ने सरल भाषा में रामायण के माध्यम से भगवान श्रीराम के चरित्र से दुनिया को परिचित किया।

अब हमारा नारा ओम शांति, शांति नहीं ओम क्रांति-क्रांति होना चाहिए

स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि राम शब्द में रा का अर्थ है राष्ट्र और म का अर्थ है मंगल अर्थात जिनसे राष्ट्र का मंगल होता है, उसका नाम राम है। स्वामी रामभद्राचार्य ने सुझाव दिया कि वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस की सफलता इसी में है कि रामायण को राष्ट्र ग्रंथ घोषित कर दिया जाए।

विश्नोई ने रामायण सम्मेलन के संबंध में जानकारी दी

विधायक अजय विश्नोई ने रामायण सम्मेलन के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा 2004 से शुरू हुई, जो बहुआयामी है। इसमें 25 सेशन होंगे, जिसमें देश-विदेश के 60 वक्ता अपने विचार रखेंगे। इस अवसर पर डॉ. अखिलेश गुमाश्ता की जापानी भाषा हायकू में लिखी कृति का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भावसिंह लोधी, सांसद आशीष दुबे, विधायक अभिलाष पांडे, विधायक अशोक रोहाणी, सहित अनेक विद्वान और रामभक्त गणमान्यजन उपस्थित थे।

अफवाह : मार्च 2026 तक बंद होने वाले हैं 500 के नोट

हकीकत : सरकार ने कहा 500 के नोट नहीं होंगे बंद

100 और 200 रुपए के नोट भी चलते रहेंगे

फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर 500 रुपए के नोट बंद होने की अफवाहों को सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है। पीआईबी ने स्पष्ट किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मार्च 2026 तक 500 रुपए के नोटों का चलन बंद करने जैसा कोई ऐलान नहीं किया है। ऐसे में इस तरह की अफवाहों पर यकीन करने की जरूरत नहीं है। 500 रुपए के नोट अभी भी पूरी तरह से वैध हैं। किसी भी लेनदेन में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। पीआईबी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस खबर पर कहा कि कुछ सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया जा रहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मार्च 2026 तक 500 रुपए के नोटों का चलन बंद कर देगा। एजेंसी ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी खबर पर विश्वास करने या उसे साझा करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि जरूर करें। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई समय-समय पर मॉनेटरी पॉलिसी में बदलाव कर सकता है। लेकिन, ऐसी कोई भी बड़ी घोषणा हमेशा आधिकारिक तौर पर की जाती है।

पहली बार नहीं फैली है यह अफवाह

यह पहली बार नहीं है जब 500 के नोटों को बंद करने की अफवाहें फैली हों। इससे पहले भी कई बार ऐसी खबरें सामने आ चुकी हैं। जून में भी पीआईबी की फैक्ट-चेकिंग यूनिट ने ऐसी ही अफवाहों का खंडन किया था। तब एक यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें दावा किया गया था कि भारत मार्च 2026 से 500 रुपए के नोटों का चलन बंद करने जा रहा है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने भी अगस्त में संसद को सूचित किया था कि 500 रुपए के नोटों की सप्लाई बंद करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह भी साफ किया था कि एटीएम से 500 के नोटों के साथ 100 और 200 रुपए के नोट भी निकलते रहेंगे। यह बयान उन अफवाहों को खारिज करता है जिनमें 500 रुपए के नोटों को वापस लेने की बात कही जा रही थी।

वंदे भारत स्लीपर का 'किराया' तय

किराया मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर तय किया गया

थर्ड एसी और फर्स्ट एसी के बीच किराए में बहुत ज्यादा अंतर नहीं

नई दिल्ली। देश की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन के चलने का ऐलान हो गया है। यह ट्रेन इसी महीने असम से पश्चिम बंगाल के बीच चलाई जाएगी। गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलने वाली पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में थर्ड एसी और फर्स्ट एसी के बीच किराए में बहुत ज्यादा अंतर नहीं होगा। अभी कई ट्रेनों में दोनों कोच में किराए में लगभग ढाई गुना का अंतर होता है, जबकि स्लीपर वंदे भारत ट्रेन में यह अंतर तकरीबन डेढ़ गुना के आसपास ही होने वाला है। ऐसे में यात्रियों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

देश की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के आखिर में करेंगे। रेल मंत्री वैष्णव ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि वंदे भारत स्लीपर में 3-एसी का किराया लगभग 2,300, 2-एसी का लगभग 3,000 और 1-एसी का लगभग 3,600 रुपए होगा, जिसमें खाना भी शामिल होगा। किराया मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर तय किया गया है। किराया फ्लाइट की तुलना में भी काफी कम होगा।

फूड पॉइजनिंग बनी मौत की वजह

खरगोन में 150 तोतों की मौत अब विसरा रिपोर्ट का इंतजार

खरगोन। जिला मुख्यालय से करीब 80 किमी दूर बड़वाह में नर्मदा नदी पर बने एक्वाडक्ट पुल के पास पिछले तीन दिनों में करीब 150 तोतों की मौत हो गई। तोतों की मौत के बाद शवों के पोस्टमार्टम के बाद पशु चिकित्सकों ने स्पष्ट किया है कि इनकी मौत बर्ड फ्लू से नहीं, बल्कि 'फूड पॉइजनिंग' (विषाक्त भोजन) और गलत खान-पान के कारण हुई है। प्रशासनिक अमला जांच के लिए पहुंचा है। पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने विसरा जांच के लिए भोपाल और जबलपुर लैब भेजा है। पिछले 72 घंटों में पुल के पास करीब 150 तोते मृत मिले हैं, जो बेहद चिंताजनक है। रेस्क्यू के दौरान कुछ तोते जिंदा भी मिले थे, लेकिन फूड पॉइजनिंग का असर इतना गहरा था कि कुछ ही देर में उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

बजरंग दल ने किया प्रदर्शन

बकरा-मटन खाने का लालच देकर धर्मांतरण की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बुरहानपुर

यहां धर्मांतरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां नए साल पर गांव वालों को बकरा-मटन का लालच देकर निमंत्रण दिया गया। फिर जब वह पहुंचे तो उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित कराने की कोशिश की गई। मामला शाहपुर के खामनी ग्राम के बडाला का है। जहां गांव के भोले भाले लोगों को निमंत्रण में खाने का लालच देकर धर्मांतरण की कोशिश की गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बजरंग दल ने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद ईसाई मिशनरी मौके से भाग गए। स्थानीय ग्रामीण सुभाष ने बताया कि पूरे गांव वालों को कहा गया था कि बकरा काटेंगे।

नए लेबर कोड से गिग वर्कर्स को बड़ी राहत, न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित

गिग कर्मचारी का किसी एक प्लेटफॉर्म से कम से कम 90 दिनों तक जुड़ा होना जरूरी होगा

गिग वर्कर्स से भी केंद्र सरकार ने मांगा... फीडबैक, चारों लेबर कोड को 1 अप्रैल से पूरे देश में लागू किया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नए लेबर कोड के लागू होने से गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को बड़ा लाभ मिलने वाला है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने चारों लेबर कोड से जुड़े ड्राफ्ट नियम जारी कर दिए हैं, जिनके तहत गिग वर्कर्स को न्यूनतम वेतन, स्वास्थ्य, व्यावसायिक सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसे अधिकार मिलेंगे।

सरकार ने इन ड्राफ्ट नियमों पर सभी हितधारकों से फीडबैक मांगा है। उद्देश्य है कि चारों लेबर कोड को एक अप्रैल से पूरे देश में लागू किया जाए। यह जानकारी गिग वर्कर्स की प्रस्तावित हड़ताल से एक दिन पहले 30 दिसंबर, 2025 को जारी नोटिफिकेशन में दी गई। ड्राफ्ट नियमों के अनुसार सामाजिक सुरक्षा का लाभ पाने के लिए किसी गिग कर्मचारी का किसी एक प्लेटफॉर्म से कम से कम 90 दिनों तक जुड़ा होना जरूरी होगा।

फाइल फोटो

न्यूनतम मजदूरी की ऐसे होगी गणना

न्यूनतम मजदूरी को लेकर ड्राफ्ट में कहा गया है कि जब एक दिन की मजदूरी तय की जाएगी, तो उसे आठ से विभाजित कर प्रति घंटे की मजदूरी और 26 से गुणा कर मासिक मजदूरी तय की जाएगी। न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करते समय केंद्र सरकार भौगोलिक क्षेत्र, अनुभव और कौशल स्तर- अकुशल, अर्धकुशल, कुशल और उच्च कुशल- जैसे कारकों को ध्यान में रखेगी।

अन्य राज्यों की अच्छी योजनाओं का अध्ययन कर मप्र में लागू करें

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने विभाग प्रमुखों से कहा- मंत्रियों, केंद्रीय अधिकारी संगठनों के पदाधिकारियों के पत्रों और सवालों का समय से दिया जाए जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा है कि विभाग प्रमुखों की जिम्मेदारी है कि मंत्रियों, केंद्रीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठनों के पदाधिकारियों के पत्रों और सवालों का समय से जवाब दिया जाए। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में चल रही अच्छी योजनाओं और कार्यक्रमों का अध्ययन करें और उन्हें मध्यप्रदेश में भी लागू करने का प्रयास करें।

भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद रखें और आवश्यक होने पर उनके संज्ञान में लाने वाले विषय भी सूचित करें। नए साल की कार्ययोजना पर सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्ष अफसरों के साथ बैठक की।

भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद रखने के निर्देश

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते मुख्य सचिव जैन।

आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मिशन मोड में कार्य योजना तैयार करें

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के आगामी तीन माह के निर्धारित लक्ष्यों को समय अवधि में पूरा करें। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मिशन मोड में कार्य योजना तैयार करें। मुख्य सचिव जैन ने अधिकारियों को इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मुख्य सचिव कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश अग्रणी श्रेष्ठ पांच राज्यों की श्रेणी में शामिल हुआ है। उन्होंने पिछली सप्ताह हुई कॉन्फ्रेंस की प्रमुख बातों की जानकारी देते हुए मानव संसाधन का विकसित भारत से सरोकार के नेशनल एजेंडा पर मध्यप्रदेश राज्य को भी कार्य करने के निर्देश दिए।

बड़े प्रोजेक्ट की नियमित समीक्षा हो

मुख्य सचिव जैन ने मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए चल रहे बड़े प्रोजेक्ट और आगामी परियोजनाओं के लिए समय अवधि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट समय अवधि में पूरे होने के लिए प्रोजेक्ट टाइम मैनेजमेंट प्लान पर अमल किया जाए।

इंदौर घटना की पुनरावृत्ति न हो

मुख्य सचिव जैन ने इंदौर में हुई घटना पर दुख व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जानकारी मिलते ही संबंधित विभाग राहत और बचाव कार्य अभिलंब शुरू करें। वे एमपी ई-सेवा एप को और जनहितकारी बनाने के लिए समन्वय करें। बैठक में बताया गया कि जनवरी तक नागरिकों से जुड़ी 1200 और मार्च अंत तक 1800 सेवाएं इस एप के माध्यम से आमजनों को दिए जाने का प्लान है।

डीजीपी ने नक्सल मुक्ति पर अफसरों को दिया धन्यवाद

बैठक में बताया गया कि 10 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में अतिरिक्त सिंचाई किए जाने की योजनाओं पर कार्य किया जाना है। राज्य स्तरीय विभागीय भवनों के अलावा जिले के शासकीय भवनों पर सोलर पैनल लगाने के कार्य को अभियान के रूप में लिया गया है। बैठक में डीजीपी मकवाणा ने मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

पूर्व के नियम-कानूनों का रिव्यू किया जाए और उन्हें आम आदमी की सुगमता के दृष्टिगत रि-डिजाइन किया जाए

सीएस जैन ने कहा कि अगले तीन साल यानि 2028 तक के लिए अब रोलिंग बजट होगा और सभी विभागों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अगले तीन वर्षों के लिए राज्य सरकार के गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी सशक्तिकरण के विजन को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार करेंगे। उस पर अमल करेंगे। अधिकारी जो प्लान और वर्क करें, उसमें आम आदमी के जीवन तथा रोजगार, व्यवसाय को आसान, सुगम और सरल बनाने के लिए नियम कानून में आवश्यक सुधार और बदलाव किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि आम आदमी का जीवन और रोजगार व्यवसाय को सुगम बनाने के लिए 1947 और 1950 के पूर्व के नियम कानूनों का रिव्यू किया जाए और उन्हें आम आदमी की सुगमता के दृष्टिगत रि-डिजाइन किया जाए।

राजकोट के उपलेटा में श्री वैदिक मिशन ट्रस्ट के कार्यक्रम में की सहभागिता

सीएम डॉ. मोहन ने राष्ट्र कथा शिविर में विभिन्न प्रांतों से आए युवाओं को किया संबोधित

किताबी नॉलेज से ज्यादा जरूरी व्यवहारिक और वास्तविक ज्ञान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किताबी ज्ञान से व्यवहारिक और वास्तविक ज्ञान बेहतर है। डॉ. यादव गुरुवार को गुजरात के राजकोट के प्रांसला के समीप उपलेटा में श्री वैदिक मिशन ट्रस्ट के 26वें 'राष्ट्रकथा शिविर' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने शिविर में सहभागिता कर ट्रस्ट के गुजरात के प्रमुख व महान विचारक स्वामी धर्मबंधु महाराज का आशीर्वाद लिया।

डॉ. यादव को राष्ट्रकथा शिविर में पुस्तक भी भेंट की गई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शिविर में तटरक्षक बल की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में स्वामी द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत-अभिनंदन किया गया।

डॉ. यादव को राष्ट्रकथा शिविर में पुस्तक भेंट की

कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन।

डॉ. यादव 18 से 23 जनवरी तक स्विट्जरलैंड के दावोस में करेंगे वैश्विक निवेश संवाद

■ विश्व आर्थिक फोरम की बैठक में होंगे शामिल, मप्र में निवेश के लिए करेंगे आमंत्रित

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 18 से 23 जनवरी 2026 तक स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित की जा रही है। इस प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों की जानकारी देंगे। विश्व आर्थिक मंच 2026 का विषय 'ए स्पिरिट ऑफ डायलॉग' और 'अनलॉकिंग न्यू सोर्सेस ऑफ ग्रोथ' रखा गया है, जिसके अंतर्गत वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। डॉ. यादव की दावोस यात्रा का उद्देश्य मध्यप्रदेश को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना, वैश्विक उद्योग जगत के शीर्ष नेतृत्व के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना और राज्य के प्राथमिक क्षेत्रों में निवेश के नए अवसरों को आगे बढ़ाना है। इस दौरान बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ निवेश के आशय प्रस्तावों पर चर्चा, वैश्विक नीति निर्माताओं के साथ संस्थागत संबंधों को मजबूत करने तथा राज्य की ब्रांड छवि को फ्यूचर रेडी स्टेट के रूप में सुदृढ़ करने पर विशेष फोकस रहेगा।

500 कंपनियों के उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकों में लेंगे हिस्सा

मुख्यमंत्री डॉ यादव दावोस प्रवास के दौरान फॉर्च्यून 500 कंपनियों के सीईओ और वैश्विक उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकों में भाग लेंगे। साथ ही ऑटोमोटिव एवं न्यू मोबिलिटी, एनर्जी तथा आईटी, हेल्थकेयर और फूड प्रोसेसिंग पर केंद्रित सेक्टोरल राउंडटेबल मीटिंग में राज्य के मौजूदा निवेशक अपने अनुभव साझा करेंगे। डॉ. यादव की सहभागिता विश्व आर्थिक मंच के विभिन्न सत्रों में भी रहेगी, जिनमें श्रम, ऊर्जा सुरक्षा, नवकरणीय ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसे विषय शामिल रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने सपरिवार खंडवा में राजराजेश्वरी मंदिर में की आराधना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कृषि विकास की दर लगातार बढ़ रही है। प्रदेश सरकार इस वर्ष को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी मध्यप्रदेश की जीवन रेखा है। मां नर्मदा की कृपा से प्रदेश लगातार समृद्ध हो रहा है और यहां का कृषि उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है। डॉ. यादव ने गुरुवार को खंडवा जिले के मोरटक्का में नर्मदा नदी के तट पर स्थित राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में नव वर्ष के अवसर पर सपरिवार दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

समाज सेवा के क्षेत्र की गतिविधियों की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोरटक्का में स्थित राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में की जा रही गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास द्वारा प्रारंभ 'कुपोषण मुक्त भारत अभियान' के तहत संचालित मातृ एवं शिशु आरोग्य केंद्र का निरीक्षण किया और वहां गर्भवती व धात्री महिलाओं को पोषण आहार सामग्री वितरित की। मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन कर बालिकाओं को उपहार प्रदान किए।

मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना करते सीएम डॉ. यादव।

खराब सीआर के कारण नहीं हो सकी थी पदोन्नति

नौ साल बाद वायंगणकर बने आईजी, बैचमेट हो चुके एडीजी

पांच जिलों के पुलिस अधीक्षक सहित 6 आईपीएस अफसरों को कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड सशर्त दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में पदस्थ आईपीएस अधिकारियों को 31 दिसंबर की शाम प्रमोशन का न्यू ईयर गिफ्ट मिला है। कल जारी हुई सूची में निरंजन वायंगणकर भी डीआईजी से प्रमोट हो कर आईजी बन गए हैं। महाराष्ट्र डेप्युटेशन के बाद उनकी सीआर खराब हुई, जिसके चलते वे अपने साथी आईजी अधिकारियों से 9 साल पीछे हो गए। उनके बैचमेट एडीजी बन चुके हैं।

निरंजन बी वायंगणकर आखिर डीआईजी से पदोन्नत होकर आईजी बन गए। उन्हें आईजी के पद पर 9 साल बाद पदोन्नति मिली है। वे वर्ष 1999 बैच के आईपीएस अफसर हैं। जबकि उनके बैच की दीपिका सूरी और राकेश गुप्ता अब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद तक पहुंच गए हैं। वायंगणकर पिछले कई सालों से अपनी खराब सीआर के कारण पदोन्नति नहीं पा सके थे। इधर पांच जिलों के पुलिस अधीक्षक सहित 6 आईपीएस अफसरों को कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड सशर्त दी गई है।

वहीं एसपी गुना अंकित सोनी, नीमच एसपी अंकित जायसवाल, विदिशा एसपी रोहित काशवानी, देवास एसपी पुनीत गेहलोद, खरगौन एसपी रविंद्र वर्मा और 15वीं वाहिनी की कमांडेंट हितिका वासल को कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड वेतन इस शर्त के साथ के स्वीकृत किया गया है कि वे अगले सत्र में बिना किसी छूट के मिड कैरियर ट्रेनिंग फेस तीन में अनिवार्य रूप से शामिल हों।

स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव को सीआईडी के स्पेशल डीजी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सीआईडी में पदस्थ स्पेशल डीजी पवन कुमार श्रीवास्तव 31 दिसंबर को रिटायर हो गए। उनकी जगह पर पंकज श्रीवास्तव को पदस्थ किया गया है। पंकज श्रीवास्तव एंटी नक्सल अभियान के विशेष पुलिस महानिदेशक है। उनके पास एसटीएफ का भी अतिरिक्त प्रभार है।

महाराष्ट्र डेप्युटेशन के बाद से नहीं मिला था प्रमोशन

वायंगणकर जब महाराष्ट्र में प्रतिनियुक्ति पर गए थे। उस दौरान उनकी सीआर वहां पर खराब कर दी गई। वे मध्य प्रदेश वापस आए तो उनकी सीआर में ऐसा कुछ लिखा कर आया कि उन्हें प्रतिनियुक्ति वापस आने के बाद से पदोन्नति नहीं मिल सकी। हालात यह बने की उनके बैच के अफसर वर्ष 2017 पहले 9 साल पहले आईजी बने और अब तीन साल पहले एडीजी बन चुके हैं। नौ साल के लंबे इंतजार के बाद अब उन्हें डीआईजी से पदोन्नत कर आईजी बनाया गया है। वे राज्य सायबर सेल में डीआईजी थे, यहीं पर उन्हें आईजी बनाया गया है। खास बात यह है कि 2008 बैच के अफसर भी आईजी बने।

---

9 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

धान तस्करी के अंतरराज्यीय संगठित गिरोह को धरदबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

तीन राज्यों की सीमा से लगे बलरामपुर जिले में धान तस्करी के एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का राजस्व एवं पुलिस बल ने राजफाश किया है। प्रकरण में कुल नौ लोगों के विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

इनमें से चार लोगों को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। इसके पहले भी किसानों के नाम पर समर्थन मूल्य पर धान बिक्री करने वाले पिता-पुत्र को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया था। उनके पास के किसानों से जुड़े दस्तावेज तथा हस्ताक्षरित चेक जब्त किए गए थे।

पिकअप की जब्ती से मिला क्लू

अंतरराज्यीय धान तस्करी गिरोह को राजफाश करने का सुराग एक पिकअप की जब्ती से मिला। पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 0199 को पकड़ा गया, जिसमें अवैध रूप से धान का परिवहन किया जा रहा था। पकड़े गए वाहन और उससे जुड़े व्यक्तियों से पूछताछ में उत्तर प्रदेश व छत्तीसगढ़ के कुल नौ लोगों की संलिप्तता सामने आई है। इनमें उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के थाना बभनी क्षेत्र अंतर्गत सागोबांध निवासी श्रवण कुमार (25), कृष्ण मोहन कुमार (19), विनय कुमार गुप्ता (20), राजदेव गुप्ता (34), राधेश्याम गुप्ता (30), सत्यदेव गुप्ता (50) और मनोज कुमार (21) शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के थाना सनावल क्षेत्र के त्रिशुली निवासी विकाश (21) तथा जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के पचावल निवासी विंध्याचल गुप्ता (42) की भी भूमिका पाई गई है।

बिलासपुर-उरगा फोरलेन को मिली गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

भारतमाला परियोजना के तहत निर्माणाधीन बिलासपुर-उरगा फोरलेन एक्सप्रेस-वे के कार्य में अब तेजी आ गई है। ढेका क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे जमीन मुआवजा विवाद के सुलझने के बाद एनएचएआई ने दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, भारतमाला प्रोजेक्ट को हर हाल में जून तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है।

बिलासपुर से कोरबा को जोड़ने वाली 1,520 करोड़ रुपए की लागत की यह फोरलेन सड़क लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन ढेका के पास करीब 400 मीटर का हिस्सा पूरी परियोजना में बाधा बना हुआ था। आउटर ढेका क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण और फर्जी बटांकन के कारण मामला संभागायुक्त न्यायालय तक पहुंच गया था। एनएचएआई की आपत्ति के बाद जब मामले की जांच हुई तो सामने आया कि भ्रष्ट अधिकारियों और बिचौलियों ने मिलकर शासन को 22.96 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने की साजिश रची थी। पहले 40 किसानों को 23.12 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की तैयारी की गई थी। मामला आर्बिट्रेशन में पहुंचने पर यह भी सामने आया कि बैकडेटेड बटांकन कर जमीन को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटा गया था, ताकि मुआवजे की राशि बढ़ाई जा सके। जांच के बाद सच्चाई सामने आने पर मशीनों ने दोबारा काम शुरू कर दिया है और परियोजना की रफ्तार बढ़ गई है।

'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' और 'किसान कल्याण वर्ष' रही थीम

डायरी और नोटबुक का हुआ विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 के शासकीय कैलेंडर का किया विमोचन

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार एक जनवरी को मध्यप्रदेश शासन के वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन किया। किसान कल्याण वर्ष 2026 का यह कैलेंडर 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' की थीम पर प्रकाशित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहुरंगी और आकर्षक रूप से आकल्पित कैलेंडर और उसकी विषय वस्तु की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शासकीय डायरी का मुद्रित स्वरूप, अधिकारी-कर्मचारियों और प्रदेशवासियों के लिए उपयोगी होगा।

वर्ष 2026, विक्रम संवत 2082-83 और शक संवत 1947-48 के राज्य शासन के कैलेंडर में 12 महीनों के पृष्ठों में प्रदेश के प्रमुख आयोजनों, उपलब्धियों और आगामी लक्ष्यों को छाया चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 की शासकीय डायरी, शीट कैलेंडर और नोटबुक का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री निवास में हुए कैलेंडर विमोचन के अवसर पर आयुक्त जनसम्पर्क दीपक कुमार तथा नियंत्रक शासकीय मुद्रणालय चंद्रशेखर वालिंबे उपस्थित थे।

कैलेंडर का विमोचन करते सीएम डॉ. यादव।

कई ट्रेनें 12-12 घंटे लेट चल रही

मुंबई, अहमदाबाद की ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देश के सबसे पुराने रेल रूटों में से एक हावड़ा और मुंबई के बीच रेलगाड़ियां रेंग रही हैं। हालत ऐसी हो गई है कि इस रूट पर चलने वाली सभी आठ गाड़ियां औसतन पांच से आठ घंटे की देरी से चल रही हैं। कभी-कभी तो यह देरी 12-12 घंटे की हो जा रही है।

गुरुवार को भी छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-हावड़ा के बीच चलने वाली दुरंतो एक्सप्रेस 13 घंटे देरी से चली। यही हाल इस रूट की अन्य ट्रेनों का भी है। ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण राजधानी से मुंबई, हावड़ा, पुणे, अहमदाबाद जैसे शहरों के लिए जाने वाले यात्री परेशान हो रहे हैं। रेलवे के अनुसार रायगढ़ से आगे ईब और झारसुगुड़ा के बीच चौथी रेल लाइन के निर्माण और शुरू होने में देरी के कारण ट्रेनों की समय सारिणी प्रभावित हुई हैं। ईब से लेकर झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन शुरू हो तो बने काम रेलवे सूत्रों के अनुसार बिलासपुर से झारसुगड़ा के बीच 206 किलोमीटर के रेलखंड पर अगस्त तक 150 किलोमीटर चौथी लाइन का काम पूरा हो गया था।

पुलिस मुख्यालय से प्रतिनियुक्ति पर अफसरों को बुलाकर की जाएगी तैनाती

बिजली चोरी रोकने संभागों में खुलेंगे विद्युत थाने समाधान योजना के पहले चरण की बढ़ेगी अवधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यालयों में विद्युत थाने खोलने जा रही है। यहां पुलिस मुख्यालय से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अफसरों को बुलाकर उनकी तैनाती की जाएगी। हर राजस्व संभाग स्तर पर एक-एक डीएसपी और उसके अधीनस्थ पुलिस अमला तैनात किया जाएगा। हर संभाग के थाने को दो-दो विद्युत सर्किल की जिम्मेदारी सौपी जाएगी। बाद में विद्युत थानों के लिए नया सैटअप तैयार किया जाएगा। नवीन पदों की मंजूरी दिलाई जाएगी। इन थानों की स्थापना और अधोसंरचना व्यय का भार बिजली कंपनियों को वहन करना होगा। मध्यप्रदेश में उर्जा विभाग हर साल घरेलु और कृषि उपभोक्ताओं को 26 हजार करोड़ की सब्सिडी दे रहा है। इसके अलावा उद्योगों को भी हर साल दो हजार करोड़ की छूट हर साल दी जा रही है। इसके बाद भी उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिलों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसके कारण बिजली कंपनियों को बकाया बिजली बिलों 11 हजार करोड़ से अधिक की राशि नहीं मिल पाई है। पुराने बकायादारों से राशि की वसूली के लिए उर्जा विभाग ने समाधान योजना शुरू की थी। जिसका पहला चरण जिसमें सौ प्रतिशत सरचार्ज में छूट दी जाना है, वह 31 दिसंबर को समाप्त हो गया है, उसे एक माह और बढ़ाने की तैयारी है। वहीं बिजली चोरी रोकने के लिए इस साल उर्जा विभाग प्रदेशभर में संभागीय मुख्यालय स्तर पर विद्युत थाने शुरू करेगा। मध्यप्रदेश में वर्तमान में कुल बिजली में से 27 प्रतिशत के लगभग बिजली चोरी हो रही है।

प्रद्युम्न सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री

समाधान योजना: 31 तक मिलेगी 100% तक सरचार्ज में छूट

मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण की अवधि एक माह और बढ़ा दी गई है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए योजना के प्रथम चरण की अवधि अब 31 जनवरी कर दी गई है। पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने सौ फीसदी तक छूट का लाभ लिया। तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 100 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ ले सकते हैं।

बिजली चोरी रोकने अंडरग्राउंड वायरिंग का काम हुआ तेज

बिजली चोरों पर नकेल कसने के लिए बिजली कंपनी कई जगह भूमिगत लाइनें डालने और खंभों पर सीधे खुले तार हटाकर कव्हर्ड तार डालने की शुरूआत कर चुका है। झुग्गियों, उद्योगों और अन्य स्थानों पर बिजली चोरी नहीं रुक पा रही है, इसके लिए अब उर्जा विभाग सभी बिजली कंपनियों के क्षेत्रों को कव्हर करते हुए पहले चरण में सभी संभागीय तलाश जा रहा है।

कछपुरा ब्रिज अब कहलाएगा 'सरदार वल्लभ भाई पटेल सेतु'

जबलपुर को मिली नई पहचान : मुख्यमंत्री ने किया 'लौह पुरुष' की प्रतिमा का अनावरण

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर के विकास और सम्मान में आज एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजय नगर सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क परिसर में एक गरिमामयी समारोह के दौरान भारत के 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभ भाई पटेल की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने न केवल सरदार पटेल के योगदान को नमन किया, बल्कि शहर को एक बड़ी सौगात देते हुए महत्वपूर्ण घोषणा भी की।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने का जो महान कार्य किया, वह सदियों तक हमें प्रेरणा देता रहेगा। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जबलपुर का कछपुरा ब्रिज अब 'सरदार वल्लभ भाई पटेल सेतु' के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, "यह सेतु केवल दो रास्तों को ही नहीं जोड़ेगा, बल्कि सरदार पटेल के विचारों और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति की याद भी दिलाता रहेगा।"

महापौर ने जताया आभार

इस ऐतिहासिक निर्णय और प्रतिमा अनावरण के लिए नगर पालिक निगम जबलपुर के महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। महापौर ने कहा कि यह निर्णय शहर की जनता की भावनाओं का सम्मान है। सरदार पटेल सेतु के नामकरण से नई पीढ़ी को उनके महान व्यक्तित्व के बारे में जानने की प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जबलपुर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

2 किमी जर्जर नहर, प्यासे खेत और अफसरों की चुप्पी, जवाबदेही पर सवाल

कसही की कराहती नहर : 'जीवनरेखा' बनी किसानों की बेड़ी

पनागर। बरगी हिल्स से निकलकर खेतों की प्यास बुझाने वाली कसही नहर आज खुद बदहाली का शिकार है। ग्राम पंचायत कसही, पनागर में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना के अंतर्गत बनी यह नहर करीब 2 किलोमीटर तक जर्जर हालत में है। जगह-जगह दरारें, उखड़ी लाइनिंग और भारी रिसाव के कारण पानी खेतों तक पहुंचने से पहले ही जमीन में समा जा रहा है। किसानों का कहना है कि वर्षों से न तो नहर की समुचित मरम्मत हुई और न ही ईमानदार निरीक्षण। परिणामस्वरूप फसल की रोपाई प्रभावित हो रही है, खेत सूखे पड़े हैं और किसान महंगे डीजल व बिजली से ट्यूबवेल चलाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने नहर निर्माण और रखरखाव में घटिया गुणवत्ता, ठेकेदार-अधिकारी मिलीभगत और कागजी निरीक्षण के आरोप लगाए हैं। शिकायतें जनप्रतिनिधियों तक पहुंचीं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पनागर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सम्मति सैनी ने आरोप लगाया कि नहर की बदहाली के पीछे अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत है, जिससे शासन का पैसा बर्बाद हो रहा है। वहीं किसानों का कहना है कि संबंधित इंजीनियर पत्रकारों और ग्रामीणों के सवालों से बचते नजर आ रहे हैं, जिससे संदेह और गहरा गया है। किसानों ने मांग की है कि नहर का उच्चस्तरीय तकनीकी निरीक्षण, सभी रिसाव बिंदुओं की पहचान, आपात मरम्मत के साथ पूरी री-लाइनिंग, दोषियों पर कार्रवाई और खर्च की सामाजिक ऑडिट कराई जाए। साथ ही फसल सीजन में वैकल्पिक जल व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। किसानों का कहना है कि वीरांगना रानी अवंती बाई के नाम पर बनी यह परियोजना उनके लिए वरदान होनी चाहिए थी, लेकिन आज वही नहर उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी बन गई है।

रोग नियंत्रण से उत्पादन वृद्धि तक का मत्स्य पालकों को मिला आधुनिक ज्ञान

पनागर। ग्राम छत्तरपुर में मत्स्य पालकों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिला मत्स्य विभाग जबलपुर के मार्गदर्शन में रिलायंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन कर उत्पादन बढ़ाना तथा रोग नियंत्रण की प्रभावी जानकारी देना रहा। प्रशिक्षण में मत्स्य महाविद्यालय के विशेषज्ञ अक्षय गौतम ने तालाब प्रबंधन, जल के पीएच संतुलन, हरिकाई (एल्गी) नियंत्रण और रोग रोकथाम पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रति एकड़ लगभग 200 किलोग्राम चूने का उपयोग तालाब की सेहत सुधारने और मछलियों को रोगों से बचाने में सहायक है। मछलियों के प्रत्यक्ष निरीक्षण के माध्यम से रोगों की पहचान और उपचार की जानकारी भी दी गई। रिलायंस फाउंडेशन के अनिल रैदास ने बताया कि ऑडियो-वीडियो कॉन्फ्रेंस, व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब जैसे डिजिटल माध्यमों से किसानों को समय पर तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच दुखीराम, मछुआ सहकारी समिति अध्यक्ष गोलु बर्मन, समिति सदस्य, किसान एवं महिला दीदियों की सक्रिय सहभागिता रही। मत्स्य पालकों ने इस प्रशिक्षण को आत्मनिर्भर मत्स्य पालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष बनाएं गए डॉ. अजय खरे

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अनुशंसा पर कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं आचार्य डॉ. अजय कुमार खरे बनाएं गए हैं। आपने 1988 से विश्वविद्यालय की सेवा प्रारंभकी। विश्वविद्यालय सेवाकाल में आपने छिंदवाड़ा शहडोल, मंण्डला, पन्ना में अपनी सेवाएं प्रदान की। इसके साथ ही आप उपलेखानियंत्रक पद को भी सुशोभित कर रहे हैं। आपने विश्वविद्यालय की विभिन्न समितियों में कार्य किये हैं साथ ही आपने 4 परियोजनाओं सहित कार्बन पूल जैसे महत्वपूर्ण प्राजेक्ट में कार्य कर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आपके 40 से ज्यादा शोध पत्र, 5 बुक चेप्टर एवं कई तकनीकी बुलेटिन आदि साहित्य प्रकाशित हो चुके हैं।

वेतन व गैलरी अलाउंस की मांग को लेकर कर्मचारियों का हल्ला बोल

जबलपुर। बरगी हिल्स स्थित नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण कार्यालय में बुधवार को मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने प्रशासन व शासन के नाम ज्ञापन सौंपकर वेतन और गैलरी अलाउंस की मांग उठाई।

संघ के संभागीय प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिवेंद्र पटेल ने बताया कि मुख्य अभियंता, रानी अवंती बाई सागर परियोजना एवं अपर नर्मदा जोन से संबंधित दो सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि स्थायी कर्मचारियों को आवंटन के अभाव में पिछले तीन माह से वेतन नहीं मिला है, वहीं डैम में कार्यरत कर्मचारियों को पिछले पांच माह से गैलरी अलाउंस का भुगतान नहीं किया गया है। संघ ने मांग की है कि दोनों मुद्दों पर शीघ्र समाधान किया जाए, अन्यथा आने वाले समय में वृहद आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान संभागीय सलाहकार एवं प्रकोष्ठ मार्गदर्शक वैद्यनाथन अय्यर सहित शंकर वानखेडे, संतोष पटेल, शिवनारायण साहू, तीरथ प्रसाद यादव, राजेंद्र यादव, विशाल यादव, शैलेंद्र जैन, संतराम यादव, चतरू प्रसाद यादव, दिनेश गढ़वाल, पुरुषोत्तम यादव, भीकम सिंह, दिनेश सोनी, दौलत सतनामी सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिरडी कोपर गांव में क्रिकेट मुकाबला: मदन क्रिकेट अकादमी की शानदार जीत

जबलपुर। शिरडी कोपर गांव में आत्मा मलिक एकेडमी द्वारा आयोजित क्रिकेट मुकाबले में मदन क्रिकेट अकादमी, जबलपुर ने महादेवी क्रिकेट अकादमी, मुंबई को एकतरफा मुकाबले में पराजित किया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मदन क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित ओवरों में 144 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महादेवी क्रिकेट अकादमी की टीम मदन अकादमी के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम मात्र 52 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत में करण बुधवानी का प्रदर्शन निर्णायक रहा। उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट झटके और उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच के बाद मदन क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ियों व प्रबंधन में खुशी का माहौल रहा। स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों ने भी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की जमकर सराहना की।

सिवनी मालवा सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी

मझौली। श्री विष्णु बाराह कप अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-26 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में सिवनी मालवा ने बीसीसीएन नागौद को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सिवनी मालवा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 182 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज माधव शर्मा ने शानदार 71 रन बनाए, जबकि गौतम ने 34 और लव दुबे ने 24 रनों का योगदान दिया। नागौद की ओर से सागर ने 3 विकेट, जबकि नीलेश और आकर्ष ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए नागौद की टीम शुरुआत में लड़खड़ा गई और 40 रन पर 3 विकेट गिर गए। इसके बाद अर्पित और शाहबाज के बीच 67 रनों की साझेदारी हुई, लेकिन सिवनी मालवा के कप्तान अभिनव काजले (4 विकेट) और अर्सलान रिजवी (3 विकेट) की घातक गेंदबाजी के सामने नागौद की पूरी टीम 144 रन पर सिमट गई। शानदार बल्लेबाजी के लिए माधव शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के अंपायर अनुराग दुबे और राहुल जैन रहे। प्रतियोगिता का अगला मुकाबला कल दोपहर 12 बजे नेशनल क्लब और झांसी के बीच खेला जाएगा।

15 साल पुराने अगरबत्ती कारखाने में लगी आग, 3 मशीनें जलकर खाक

पनागर। नए वर्ष की शुरुआत में पनागर क्षेत्र के ग्राम मनियारी खुर्द स्थित एक अगरबत्ती कारखाने में भीषण आग लगने की घटना सामने आई। 31 दिसंबर की रात करीब 4 बजे शॉर्ट सर्किट से लगी आग में लगभग 10 लाख रुपये का कच्चा माल जलकर खाक हो गया। जानकारी के अनुसार, 15 साल से संचालित इस कारखाने में अगरबत्ती निर्माण की तीन मशीनें, कोयला, चंदन सहित अन्य सामग्री पूरी तरह नष्ट हो गई। आग की सूचना कारखाना संचालक विकास पटेल को उनके रिश्तेदार आनंद पटेल ने दी, जिन्होंने रात में खेत से लौटते समय आग की लपटें देखीं।

परिजनों द्वारा आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग तेज होने के कारण सफलता नहीं मिली। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पाया। घटना की शिकायत पनागर थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

10 हजार पौधे लगाने और संरक्षण का लिया संकल्प

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विधायक अशोक रोहाणी ने पौधारोपण कर किया नववर्ष का आगाज

जबलपुर। नववर्ष के अवसर पर केंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक रोहाणी ने पौधारोपण कर नए साल की शुरुआत करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने वर्षभर में 10 हजार पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डॉ. अजय वाधवानी, अध्यक्ष मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी विधायक रोहाणी के साथ 10 हजार पौधे लगाने का संकल्प लेते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण मानव जीवन और मानव अधिकारों का अभिन्न हिस्सा है। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के समय में पौधारोपण भविष्य को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में मौजूद नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने भी पौधारोपण कर हरित पर्यावरण का संकल्प लिया। इस अवसर पर एड. आशीष त्रिपाठी, एड. भावना निगम, आशीष राव, डॉ. अभिषेक जैन, अजय चौहान सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह पहल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने की दिशा में एक सराहनीय कदम मानी जा रही है।

आयुक्त के साथ जनसंगठनों की हुई बैठक

कठौंदा डॉग शेल्टर का विस्तारीकरण जल्द होगा पूरा

हरिभूमि जबलपुर।

शहर में बढ़ती आवारा श्वानों की समस्या और डॉग बाइट की घटनाओं को लेकर नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के साथ जनसंगठनों और श्वान प्रेमियों की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ने जानकारी दी कि कठौंदा स्थित डॉग शेल्टर के विस्तारीकरण का कार्य आगामी कुछ ही महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही शहर में रोजाना की जाने वाली श्वान नसबंदी की संख्या को बढ़ाकर 20 से 25 प्रतिदिन कर दिया गया है। आयुक्त अहिरवार ने यह भी निर्देश दिए कि श्वान प्रेमियों और सामाजिक संगठनों की एक अलग बैठक शीघ्र आयोजित की जाए, ताकि जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं और उनके व्यावहारिक समाधान पर विस्तार से चर्चा की जा सके।

बैठक में मौजूद डॉ. पीजी नाजपांडे ने कहा कि आवारा श्वानों को स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड या कार्यालय परिसरों से हटाया नहीं गया है, जबकि इन संवेदनशील स्थानों पर डॉग बाइट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। डॉ. नाजपांडे ने कहा कि नसबंदी अभियान सराहनीय है, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसकी गति और दायरा दोनों बढ़ाने की जरूरत है, साथ ही निगरानी और फॉलोअप भी अनिवार्य होना चाहिए।

महापौर की घोषणा पर सवाल

बैठक में महापौर की पूर्व घोषणा को लेकर भी सवाल उठाए गए। जनसंगठनों ने बताया कि 22 सितंबर को महापौर द्वारा स्ट्रीट डॉग की समस्या को लेकर एक सेंट्रल कमेटी गठित करने और शीघ्र बैठक बुलाने की घोषणा की गई थी, लेकिन चार महीने बीत जाने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। संगठनों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि केवल घोषणाओं से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि जमीनी स्तर पर काम और नियमित मॉनिटरिंग जरूरी है।

बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि शहर के अलग-अलग वार्डों में डॉग बाइट के मामलों का डेटा सार्वजनिक किया जाए, नसबंदी के बाद श्वानों की निगरानी की व्यवस्था बने और नागरिकों को भी जागरूक किया जाए कि वे श्वानों के साथ अमानवीय व्यवहार न करें, क्योंकि इससे आक्रामकता बढ़ती है।

बैठक में ये रहे शामिल

आयुक्त के साथ हुई इस चर्चा में डॉ. पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, एडवोकेट वेदप्रकाश अधौलिया, डीके सिंह, संतोष श्रीवास्तव, सुभाष चंद्रा, सुशीला कनौजिया, डीआर लखेरा, अर्जुन कुमार, एडवोकेट ब्रजेश साहू सहित अन्य जनसंगठन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एन सी सी प्रमाण पत्र गुमा की सूचना

यह कि मैं आशी महेरे पुत्री कृष्ण कुमार महेरे ग्राम पौंड़ी नगना पोस्ट सूरतलाई तहसील पनागर जिला जबलपुर कि निवासी हू मैं दिनांक 22/12/25/ को घर से चुंगी नाका जाते वक्त कही रास्ते में मेरा एन सी सी प्रमाण पत्र (बी) गिर गया है जिस किसी व्यक्ति को मिले इस मोबाइल नम्बर या पते पर संपर्क करें ।

पता- कृष्ण कुमार महेरे
ग्राम पौंड़ी, नगना, पोस्ट सूरतलाई
तहसील- पनागर, जिला जबलपुर
मो 6264551041

बीते साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने किया निराश

- लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी
- रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा
- साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलचल @2025

बिजनेस डेस्क

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रूढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टोरल रोटेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ड एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2–3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों की उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टोरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महिंद्रा मैनुलिफ़ जैसे फंड्स ने 10–11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड के फायदे

- **स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
- **सुसंगत प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
- **निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
- **डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
- **विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न भले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएंटेड	5.45%
ईएलएसएस	3.52%
सेक्टोरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टोरल-बैंकिंग	17.42%
सेक्टोरल-फार्मा	0.04%
सेक्टोरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआईआई प्रू	11.50%
निप्पॉन इंडिया इंडेक्स निफ्टी-50	11.40%
मीराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महिंद्रा मैन्युलाइफ	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआईआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएसपी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के फायदे

- **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
- **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश की लागत कम होती है।
- **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है। **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

- **उच्च जोखिम :** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
- **अस्थिरता :** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बदल सकता है।
- लिक्विडिटी : स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।

2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

- निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया
- अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें
- चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार गिरे तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ ने औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किश्तों (एसआईपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अगर चांदी के दाम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति किलो के पास आएं, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा।

आगे क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि अब, जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेंगी भी। वहीं, निकुंज सर्राफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सप्लाई की कमी की वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश : सिल्वर ईटीएफ चांदी में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी : सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत : सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण : सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव : सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआईआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ

छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही है और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर पड़ रहा है, जिनकी आमदनी रोज के कारोबार पर टिकी होती है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर छोटे व्यापारी सीमित बचत के साथ काम करते हैं। ऐसे में अगर किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से दुकान या कारखाना कुछ दिनों के लिए भी बंद हो जाए, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई बार कुछ दिन का नुकसान ही महीनों की कमाई पर भारी पड़ जाता है।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव

"क्लाइमेट इंश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा सुरक्षा साधन है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है। इस बीमा के तहत बाढ़, तेज बारिश, गर्मी या चक्रवात जैसी घटनाओं से दुकान, गोदाम, मशीनरी और सामान को हुए नुकसान को कवर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर किसी आपदा की वजह से कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़े और आमदनी रुक जाए, तो क्लाइमेट इंश्योरेंस से आय के नुकसान की भरपाई भी की जा सकती है।" इस तरह का बीमा छोटे व्यापारियों को जल्दी दोबारा कारोबार शुरू करने में मदद करता है। बिना बीमा के कई व्यापारी मरम्मत या दोबारा स्टॉक खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम नहीं कर पाते, जिससे दुकान लंबे समय तक बंद रहती है। इसका नतीजा यह होता है कि ग्राहक दूसरी जगह चले जाते हैं और कारोबार को दोबारा खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। कई मामलों में तो छोटे व्यवसाय पूरी तरह से उबर ही नहीं पाते।

पैरामीट्रिक इंश्योरेंस

आज के समय में क्लाइमेट इंश्योरेंस के ऐसे समाधान भी मौजूद हैं, जो खास तौर पर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए बनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इंश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। "पैरामीट्रिक इंश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तय सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप भुगतान सक्रिय हो जाता है। इससे बीमा राशि जल्दी मिल जाती है। यह व्यवस्था एमएसएमई के लिए इसलिए फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पुराने नुकसान के विस्तृत रिकॉर्ड की जरूरत नहीं होती, इसे समझना आसान होता है और आपदा के समय तुरंत पैसा मिल जाता है।" जब किसी आपदा के तुरंत बाद पैसे मिल जाते हैं, तो व्यापारी जल्दी मरम्मत करा सकते हैं, नया सामान ला सकते हैं और दोबारा काम शुरू कर सकते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास भी बना रहता है कि मुश्किल हालात में भी वे फिर से खड़े हो सकते हैं।

सुरक्षा नहीं, बल्कि जरूरत बनाता क्लाइमेट इंश्योरेंस

क्लाइमेट इंश्योरेंस को अब सिर्फ एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों के लिए एक बुनियादी सुरक्षा उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। यह न सिर्फ उनकी आमदनी की रक्षा करता है, बल्कि आपदा के बाद जल्दी संभलने में भी मदद करता है। अचानक आने वाले जलवायु से जुड़े झटकों के बावजूद कारोबार को जारी रखने में यह अहम भूमिका निभाता है। बदलते मौसम और बढ़ती अनिश्चितताओं के दौर में छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए क्लाइमेट इंश्योरेंस एक ऐसा सहारा बन सकता है, जो मुश्किल समय में उन्हें पूरी तरह टूटने से बचाए और फिर से आगे बढ़ने का भरोसा दे।

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से झगड़े कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा दबाव पड़ा और ग्रोथ धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर वो पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

इनकम टैक्स में राहत

मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा

डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुए। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का ऐलान हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट हैं लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

नए रेट कुछ इस तरह

- 4 से 8 लाख रुपये तक 5%
- 8 से 12 लाख रुपये तक 10%
- 12 से 16 लाख रुपये तक 15%
- 16-20 लाख रुपये पर 20%
- 20-24 लाख रुपये पर 25%
- 24 लाख रुपये से ऊपर 30%

टैक्स कलेक्शन धीमा

इन कटौती से अप्रैल से दिसंबर मध्य तक नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन धीमा पड़ा। व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म्स का नेट टैक्स सिर्फ 6.37% बढ़कर 8.47 लाख करोड़ हुआ, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 10.54% बढ़कर 8.17 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इस साल रिफंड 14% घटकर 2.97 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहे। अगले साल से नया सिंपल इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर पुराने 1961 के एक्ट की जगह लेगा। सिगरेट पर एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी और पान मसाला पर सेस लगाने के दो नए कानून भी सरकार जब चाहे लागू कर देगी।

कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस

जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशनलाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, "कस्टम्स मेरा अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।" 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गुड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसीजर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी हैं।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़े

सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

बिजनेस डेस्क

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहां निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन चाहिए

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूंजी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इंश्योरेंस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा रकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही स्ट्रक्चर चुनना भी जरूरी होता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांटा जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैच्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संभालने की झंझट होती है और न ही अलग-अलग मैच्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक 'लगाओ और भूल जाओ' वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैच्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकता है। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इमरजेंसी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला विकल्प बन सकती है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए। अगर आपको सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकासी नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अनइंश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमैच्योर विदड्रॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लगती है, पूरी रकम पर नहीं।

खबर संक्षेप

अदाणी ग्रीन ने गठित की नई इकाई एई5एल

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने एक जनवरी 2026 को अपनी अनुषंगी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग इलेवेन लिमिटेड की इकाई अदाणी इकोजेन फाइव लिमिटेड (एई5एल) का गठन किया है।

साल 2026 की पहली बड़ी डील, मर्ज होंगी केएफसी व पिज्जा हट चलाने वाली कंपनियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केएफसी और पिज्जा हट की ऑपरेटर कंपनी सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड, देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड में मर्जर करने जा रही है। खास बात तो ये है कि पिज्जा-बर्गर की दुनिया का सबसे बड़ा मर्जर माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह डील ऐसे समय में हो रही है जब भारत में फास्ट-फूड फ्रेंचाइजी को घटती बिक्री और मार्जिन के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

देवयानी इंटरनेशनल और सफायर फूड्स के शेयरों में हलचल

प्रोसेस में लगेगा 15 महीने तक का समय

प्रस्तावित मर्जर को सभी नियामक एवं वैधानिक स्वीकृती लेना बाकी है, जिसमें स्टॉक एक्सचेंज, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण तथा दोनों कंपनियों के शेयरधारकों और लेनदारों की स्वीकृति शामिल है। इन स्वीकृतियों को प्राप्त करने की प्रक्रिया में लगभग 12 से 15 महीने लगने की उम्मीद है, जिसके बाद मर्जर प्रभावी हो जाएगा। यम ब्रांड्स की साझेदार कंपनियां भारत और विदेशों में 3,000 से अधिक आउटलेट संचालित करती हैं, जिनमें केएफसी और पिज्जा हट के डाइन-इन रेस्टोरेंट शामिल हैं।

देश की सबसे बड़ी होगी क्यूएसआर

कंपनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल किए गए दस्तावेज के अनुसार लेनदेन पूरा होने पर, देवयानी इंटरनेशनल दोनों कंपनियों के संचालन को मिलाकर भारत के सबसे बड़े क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर) संचालकों में से एक बन जाएगी। देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष रवि जयपुरिया ने कहा कि देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड और सफ़ायर फूड्स इंडिया लिमिटेड का मर्जर हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और निर्णायक कदम है।

बढ़ती महंगाई के चलते उपभोक्ता बाहर खाना खाने के बजाय घर पर ही खाना ऑर्डर कर रहे हैं। डील के तहत देवयानी, सफायर के प्रत्येक 100 शेयरों के बदले 177 शेयर जारी करेगी और उसे ज्वाइंट यूनिट के ऑपरेशन के दूसरे पूरे वर्ष से 210 करोड़ रुपए से 225 करोड़ रुपए तक के सालाना फायदे की उम्मीद है। डील के तहत, ग्रुप की कंपनी आर्कटिक इंटरनेशनल, मौजूदा प्रमोटरों से सफायर फूड्स की लगभग 18.5 प्रतिशत पेड-अप इक्विटी का अधिग्रहण करेगी।

किसानों के संगठन एफएआईएफए ने किया आगाह

तंबाकू उत्पादों पर शुल्क में बढ़ोतरी से किसानों को होगा नुकसान, तस्करी को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशंस (एफएआईएफए) ने शुक्रवार को कहा कि सरकार के तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने से किसानों की आय को नुकसान होगा तथा अवैध व्यापार से पहले से ही जूझ रहे बाजार में तस्करी और बढ़ जाएगी। वित्त मंत्रालय ने चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू एवं गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण व शुल्क संग्रह) नियम, 2026 के तहत लंबाई के आधार पर प्रति 1,000 सिगरेट 'स्टिक' पर 2,050-8,500 रुपये का उत्पाद शुल्क एक फरवरी से लगाने की घोषणा की है।

किसानों की आजीविका पर इसका भारी असर पड़ेगा

कर सुधार में सरकार ने आश्वासन के विपरीत निर्णय लिया

किसानों को लगा गहरा सदमा

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और गुजरात के उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करने वाले किसानों के संगठन एफएआईएफए ने कहा कि शुल्क में वृद्धि राजस्व-तटस्थ कर सुधार के संबंध में सरकार के आश्वासनों के विपरीत है। एफएआईएफए के अध्यक्ष मुरली बाबू ने बयान में कहा, "हमें यह देखकर गहरा सदमा लगा है कि वादा पूरा नहीं किया गया बल्कि किसानों की आजीविका की कीमत पर करों में भारी वृद्धि से जुड़ी अधिसूचना जारी की गई है।"

सिगरेट की खपत कम होगी

किसानों के संगठन ने आगाह किया कि खुदरा कीमतों में वृद्धि से सिगरेट की कानूनी खपत कम हो जाएगी जिससे घरेलू स्तर पर उगाए गए तंबाकू की मांग प्रभावित होगी तथा संभावित रूप से फसल बाजार में अधिकता उत्पन्न हो जाएगी।

एफसीवी तंबाकू पर प्रति खुराक छह रुपए से अधिक का कर

संगठन ने बताया कि तैयार उत्पादों में एफसीवी तंबाकू पर प्रति खुराक छह रुपये से अधिक का कर लगता है जबकि बीड़ी तथा चबाने वाले उत्पादों पर प्रति इकाई एक पैसे से भी कम कर लगता है। एफएआईएफए द्वारा उद्धृत उद्योग अनुमानों के अनुसार भारत, दुनिया का चौथा सबसे बड़ा अवैध सिगरेट बाजार बनकर उभरा है जिसमें अवैध उत्पादों का कुल खपत में करीब 26 प्रतिशत हिस्सा है।

सरकारी राजस्व में कमी आएगी

संगठन ने आगाह किया कि करों के कारण कीमतों में वृद्धि से वैध तथा तस्करी वाले उत्पादों के बीच का अंतर बढ़ेगा जिससे प्रवर्तन प्रयासों में बाधा आएगी एवं सरकारी राजस्व में कमी आएगी। एफएआईएफए के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दशक में एफसीवी तंबाकू का उत्पादन लगभग स्थिर रहा है। 2023-24 में नीलाम की गई मात्रा 30.421 करोड़ किलोग्राम थी।

खेती का क्षेत्रफल 2013-14 से घट गया

खेती का क्षेत्रफल 2013-14 में 2,21,385 हेक्टेयर से घटकर 2020-21 में 1,22,257 हेक्टेयर हो गया है जिसके परिणामस्वरूप कृषि एवं नीलामी तंत्र में करीब 3.5 करोड़ मानव श्रम दिवस के रोजगार का नुकसान हुआ है। बढ़ती लागतों ने किसानों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। विश्व बैंक के उर्वरक मूल्य सूचकांक में 2025 की शुरुआत से 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिसमें 'डाई-अमोनियम फॉस्फेट' की कीमतों में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि अधिसूचित कृषि मजदूरी दरें वित्त वर्ष 2024-25 में सात प्रतिशत बढ़ी हैं। एफएआईएफए ने सरकार से उत्पाद शुल्क वापस लेने और राजस्व-तटस्थ शुल्क लागू करने का आग्रह किया है जो तस्करी को हतोत्साहित करते हुए घरेलू कृषि का समर्थन करे।

बजाज ऑटो की बिक्री दिसंबर में 14% बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड की दिसंबर 2025 में कुल बिक्री में 14 प्रतिशत बढ़कर 3,69,809 इकाई हो गई। दिसंबर 2024 में यह 3,23,125 इकाई थी। बजाज ऑटो लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री 1,69,373 इकाई रही। यह दिसंबर 2024 की 1,62,420 इकाई की तुलना में चार प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। दिसंबर 2025 में दोपहिया वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 1,43,838 इकाई की तुलना में 24 प्रतिशत बढ़कर 1,78,125 इकाई हो गया। वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री दिसंबर 2025 में 59,456 इकाई रही। यह दिसंबर 2024 की 50,952 इकाई की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

MP POORV KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER (O&M)
M.P.P.K.V.V.Co. Ltd. Mandla
Tel No: 0762 250209 , 250902 email: se9449500@yahoo.co.in
No. SEM/O&M/PUR/TS/4398 **NOTICE INVITING TENDER** Mandla, dtd: 02.01.2026
Online Tender are invited for following works under (O&M) circle MPPKVVCL, Mandla

S. N.	Tender Specification No.	Name Of the Work/ Services	Approx. Value (Rs. in Crores)	Tender fee (in Rs)	EMD (in Rs)	Due date of Opening of Tender online from 14.00 Hrs (*)
1	SEM/O&M/PUR/TS/ 4398 Date-02.01.2026 (e-Tender No.) 2026_PKVVC_472630_1	Outsourcing of Manpower Required for Miscellaneous Works under the jurisdiction of O&M Circle MPPKVVCL Mandla	24.64	11800.00 (10000.00+ 1800.00 18% GST= 1800)	1.00 Lakh	29.01.2026

For updated/ extended due dates for opening fo tender (EMD in Cover-1 & Techno-Commercial bin in cover -2) please refer to the online key dates. Other details can be seen in the complete tender document available on e-portal https://mptenders.gov.in
SAVE ENERGY FOR BETTER TOMORROW
विद्युत अनियमितता संबंधी शिकायत के लिए वी मित्र ऐप डाउनलोड करें और पाएं रु 50,000 तक का इनाम
S.E. (O&M) MPPKVVCL, MANDLA

MUNICIPAL CORPORATION BHILAI
E-Procurement Tender Notice, Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
J.P./N.P.N./309/376 Bhilai/Dated : 01.01.2026
Online tender are invited on behalf of the Municipal Corporation, Bhilai for the following work in Form "F" for Contract from the contractors registered in unified registration (Single window) in force on Go CG e-Procurement System portal.

Sr. No	Tender No	Name of work	Probable amount of contract	Earnest money	completion period	निविदा जारी दिनांक	निविदा डाऊनलोड की अंतिम दिनांक	Call
	1	2	3	4	5	6	7	8
1	182756	• Providing, laying, jointing, interconnection, testing &commissioning of Clear water pumping main including12 months trial run (DI K9 pipe Diameter - 300mm to 600mm of Total Length 2900m) • Design, Construction, water tightness Testing, Commissioning of 01 No. of Overhead Service Reservoirs of Capacity 1000 KL staging height 25 m including 12 months trial run. • Design & Construction of allied civil works such as Compound wall including Steel Main gates, Guard Rooms complete under BHILAI Municipal Corporation. • Dismantling 2 Nos Existing ESR of capacity 400 KL & Staging height 15 m	641.04 lacs	3.21 lacs	12 month	31/12/25	22/01/26	First call

Note- For other details visit Gov e-Procurement System portal website https://eproc.cgstate.gov.in 2 Corrigendum Amendment if any, will be displayed on above website https://eproc.cgstate.gov.in/ only and it shall be part of tender document.3. For more details please download NIT details.
Executive Engineer

घरेलू संस्थागत निवेशकों की और से निवेश जारी

निफ्टी ने नया शिखर छुआ, सेंसेक्स ने 573 अंकों की लगाई ऊंची छलांग

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बिजली, बैंक एवं धातु शेयरों में मजबूत खरीदारी से शुक्रवार को प्रमुख इक्विटी सूचकांक निफ्टी अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद 182 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि बीएसई सेंसेक्स में 573 अंकों की तेजी दर्ज की गई। कारोबारियों के मुताबिक, घरेलू संस्थागत निवेशकों की तरफ से पूंजी निवेश का सिलसिला जारी रहने और एशियाई बाजारों में मजबूती से घरेलू शेयर बाजारों को तगड़ा समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 573.41 अंक बढ़त के साथ 85,762.01 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 623.67 अंक चढ़कर 85,812.27 तक पहुंच गया था। निफ्टी 182 अंक यानी 0.70 प्रतिशत बढ़कर 26,328.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 193.45 अंकों की बढ़त के साथ 26,340 का अपना सर्वकालिक उच्च स्तर भी हासिल किया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, /"नए साल की छुट्टियों के बाद वैश्विक बाजारों ने 2026 का सकारात्मक आगाज किया जबकि मजबूत वाहन बिक्री ने घरेलू बाजार को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। तीसरी तिमाही के नतीजों की तरफ ध्यान केंद्रित होने के बीच निवेशक धारणा रचनात्मक बनी हुई है।"

■ बिजली, बैंक एंव धातु शेयरों में रही बड़ी खरीदारी

एफएमसीजी खंड रहा नुकसान में

व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.97 प्रतिशत चढ़ गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 0.79 प्रतिशत की बढ़त रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में उपयोगिता खंड में 2.71 प्रतिशत, बिजली खंड में 2.26 प्रतिशत, ऊर्जा खंड में 1.58 प्रतिशत और पीएसयू बैंक खंड में 1.53 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सिर्फ एफएमसीजी खंड ही नुकसान में रहा।

तंबाकू उत्पाद के शेयरों में रही गिरावट

सिगरेट एवं तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क एवं उपकर लगाने की घोषणा से आईटीसी, गॉडफ्रे फिलिप्स और वीएसटी इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों के शेयरों में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट रही।

विदेशी मुद्रा भंडार में हुई 3.29 अरब डॉलर की बढ़ोतरी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 18.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 559.61 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक हैं और इनमें यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 113.32 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार छह करोड़ डॉलर बढ़कर 18.80 अरब डॉलर हो गया।

■ समाप्त सप्ताह को भंडार बढ़कर 696.61 अरब डॉलर

आईएमएफ के भंडार में वृद्धि

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ भारत की आरक्षित भंडार भी आलोच्य सप्ताह में 9.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.87 अरब डॉलर हो गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
नागपुर मंडल में विभिन्न एस&टी कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना
वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, द.पू.म. रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित है:
निविदा सूचना क्रमांक: ST-DRMOffice-RestH-MIBW25 दिनांक: 26.12.2025
कार्य का नाम: (i) SECR के नागपुर मंडल में DRM ऑफिस बिल्डिंग में रेलनेट का रिनोवेशन व अपग्रेडेशन। (ii) नागपुर में माउंट रोड पर ऑफिसर रेस्ट हाउस के अपग्रेडेशन के लिए टेलीकॉम से संबंधित काम। (iii) मोतीबाग वर्कशॉप, SECR, नागपुर में LHB कोचों के लिए रखरखाव सुविधाओं में सुधार के संबंध में UDM और ई-ऑफिस के लिए वर्किंग सिस्टम का प्रावधान। (IRPSM ID No. 13.04.42.23.1.55.001).
निविदा मूल्य: ₹ 77,08,298.26
बिड सिक्युरिटी: ₹ 1,54,200.00
समापन अवधि: 09 (नौ) महीने।
निविदा प्रस्तुति: बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियां दिनांक **19.01.2026** के **15:00** बजे तक जमा कर सकेंगे।
अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
AIM/55-250
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय क्षेत्र संचालक पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी (म. प्र.)
Phone :-07692-350003, 350004 E-mail :- fd.pennp.sni@mp.gov.in Web Site :- www.penchtiger.org
क्रमांक/राजस्व/6689 **आम सूचना** सिवनी / दिनांक 29/12/2025
सर्व साधारण को सूचना दी जाती है, कि वन अपराध प्रकरण क्रमांक 46100/08, दिनांक 28.11.2021 में अवैध सागौन काष्ठ परिवहन में लिप्त चार चक्का वाहन क्रमांक MH-34- F- 1110 मारूति सुजुकी 800 बंधान बीट कक्ष क्रमांक आर एफ 1499 बंधान घाट के पास से दोपहर 04.30 बजे जप्त की गई। गश्ती दल द्वारा पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी कुंभपानी परिक्षेत्र बफर छिंदवाड़ा क्षेत्र की बंधान बीट से 06 नग सागौन लटठा 0.337 घ.मी. का अवैध परिवहन करते उक्त वाहन को पकड़ा गया। जिसमें भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 (1) क, ड, च एवं मध्यप्रदेश वनोपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 5 एवं 16 के तहत उल्लघंन करने पर अज्ञात व्यक्ति के नाम से प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।
अतएव सूचित किया जाता है, कि जिस किसी के आधिपत्य में उक्त जप्त चार चका मारुति सुजुकी वाहन क्रमांक MH-34- F- 1110 थी, तुरंत इस कार्यालय के समक्ष हाजिर होकर पंजीयन अभिलेख एवं जानकारी लेकर सूचना प्राप्ति शीघ्रातिशीघ्र इस कार्यालय में हाजिर हो एवं अपना परिवाद प्रस्तुत करे अन्यथा सूचना समाचार पत्र में मुद्रित होने के 15 कार्य दिवस के उपरांत प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही कर अंतिम निर्णय लिया जावेगा। इस पर कोई क्षति होती है तो शासन उत्तरदायी नहीं रहेगा।
उप संचालक
G-23721/25 "स्वच्छता ही सेवा" पेंच टाईगर रिजर्व, सिवनी (म. प्र.)

पश्चिम मध्य रेल
अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) हेतु सूचना
रेलवे स्टेशनों पर वाणिज्यिक स्थान के सर्वोत्तम उपयोग हेतु परामर्शदाताओं की नियुक्ति के लिए
सूचना संख्या: JBP/C/NFR/EOI/Consultancy/2025 दिनांक: 31.12.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (Sr. DCM), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर** मंडल द्वारा जबलपुर मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध वाणिज्यिक स्थान के सर्वोत्तम उपयोग हेतु परामर्शदाता (Consultant) के रूप में नियुक्ति के लिए इच्छुक एवं योग्य परामर्शदाता फर्मों/एजेंसियों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित की जाती है। कार्य निष्पादन की रूपरेखा तथा कार्य का विस्तृत अनुमान सहित प्रस्ताव अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत किया जाना है। 1. **जिन स्टेशनों पर कार्य निष्पादित किया जाना है**: प्रस्ताव जबलपुर मंडल के सभी स्टेशनों के लिए प्रस्तुत किए जा सकते हैं, विशेष रूप से निम्नलिखित स्टेशनों के लिए जबलपुर, कटनी, सतना, नरसिंहपुर, कटनी साउथ, कटनी मुरवारा, श्रीधाम, गाडरवारा, पिपरिया, दमोह, सागर, रीवा, ब्यौहारी, बरगवां, मदनमहल, मैहर, सिहोरा रोड, करेली तथा मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशन। 2. **कार्य का दायरा (Scope of Work)**-2.1 **परामर्शदाता द्वारा निम्नलिखित कार्य किए जाएंगे**: 2.1.1 स्टेशन परिसर एवं परिसंचरण क्षेत्र (Circulating Area) में उपलब्ध वाणिज्यिक स्थान का स्टेशनवार आकलन। 2.1.2 उपलब्ध स्थानों के सर्वोत्तम वाणिज्यिक उपयोग हेतु अनुशंसा तथा संभावित राजस्व का आकलन। 2.1.3 वर्तमान में उपयोग में लिए जा रहे स्थानों के वैकल्पिक -अल्प / एवं बेहतर उपयोग का सुझाव। 2.1.4 यात्री सुविधा एवं सुरक्षा के अनुरूप नए राजस्व स्रोतों की पहचान। 2.1.5 आय एवं व्यय सहित स्टेशनवार बैलेंस शीट तैयार करना। 2.1.6 आँकड़ों, विश्लेषण एवं आवश्यकतानुसार ड्रॉइंग के साथ स्टेशनवार वाणिज्यिक - उपयोग योजना तैयार करना। 2.1.7 रेलवे प्रशासन द्वारा निर्धारित माइलस्टोन के अनुसार समयबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करना। 3. **रूचि की अभिव्यक्ति का उद्देश्य**: इस रूचि की अभिव्यक्ति का उद्देश्य योग्य एवं अनुभवी परामर्शदाताओं को शॉर्टलिस्ट करना है, जो स्टेशन उपयोग में लिए जा रहे वाणिज्यिक स्थानों की -वार अध्ययन के माध्यम से उपलब्ध एवं अल्प- पहचान, आकलन एवं सर्वोत्तम उपयोग की अनुशंसा कर सकें, जिससे गैर किराया राजस्व में वृद्धि - हो, यात्री सुविधाओं में सुधार हो, रेलवे परिसंपत्तियों का कुशल उपयोग सुनिश्चित हो, तथा स्टेशनों को शुद्ध आय अर्जक (Net-Earning) बनाने के लक्ष्य को संरचित एवं समयबद्ध तरीके से समर्थन मिल सके। 4. **रूचि की अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय**: 09.01.2026 **को सायं** 17:00 **बजे तक**। 5. **प्रस्ताव प्रस्तुत करने का पता**: ई.मेल द्वारा- tendercelldrmcjbp@gmail.com या हार्ड कॉपी (डाक/व्यक्तिगत रूप से): 09.01.2026 को अपराह्न 17:00 बजे तक निम्न पते पर पहुँचना अनिवार्य है। मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) ग्राउंड फ्लोर, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर - 482001 **नोट**: 6. **प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण**: इच्छुक आवेदक/प्रस्तावक रेलवे स्टेशनों के गैर-किराया राजस्व में वृद्धि के उद्देश्य से निम्नलिखित विवरण सहित अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं जिसमे सर्वेक्षण की पद्धति, समय-सीमा एवं लागत, परामर्श हेतु शामिल किए जाने वाले स्टेशनों के नाम, रेलवे से अपेक्षित सहयोग, कार्य-क्षेत्र का संक्षिप्त विवरण। 7. **मूल्यांकन**: प्राप्त सभी प्रस्तावों की जांच प्रस्तावकों द्वारा प्रस्तुत विचारों एवं अनुमानों के आधार पर की जाएगी। रेलवे प्रशासन प्रस्तावों के आधार पर अंतिम योजना / निवेश योजना / लाइसेंस अवधि तथा अन्य नियम एवं शर्तों को अंतिम रूप देगा एवं प्रचलित नियमों के अनुसार खुली अथवा सीमित निविदाएं आमंत्रित कर सकता है। इच्छुक प्रस्तावक कार्य दिवसों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, ग्राउंड फ्लोर, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर (म.प्र.) में ईओआई प्रस्तुत कर सकते हैं। किसी भी स्पष्टीकरण/जानकारी हेतु संबंधित वाणिज्य अधिकारी से कार्यालय समय में संपर्क किया जा सकता है। (हस्ता.)
कृते मंडल रेल प्रबंधक वाणिज्य पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, संभाग सीहोर (म.प्र)
दुल्हा बादशाह रोड सीहोर फोन नं. 07562-222701
निविदा सूचना क्रमांक 17/2025-26 दिनांक 30.12.2025
// निविदा सूचना //
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसारट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रू लाख में)	इलेक्ट्रिानिक ईएमडी (RTGS / NEFT) एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑन लाईन ही प्रस्तुत किये जाये।
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_ PWDRB_ 471757_1	सीहोर	सड़क कार्य	पी.बी.एम.सी. योजना के अंतर्गत मार्ग की मरम्मत (1) ईमलीखेडा टांकपुरा मार्ग लंबाई 4.40 कि.मी. (2) हरदौल बाबा मंदिर से माता मंदिर मार्ग लंबाई 0.85 कि.मी (3) बिलकिसगंज से नीबूखेड़ा व्हाया पाटनी सालीखेड़ा मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. (4) लसुड़िया परिहार बिजलोन मार्ग लंबाई 5.10 कि.मी. (5) हीरापुर से कुलासखुर्द मार्ग लंबाई 3.47 कि.मी. कुल लंबाई 18.32 कि.मी.	प्रथम कॉल	387.95	केवल ऑन-लाईन
2	2025_ PWDRB_ 471758_1	सीहोर	सड़क कार्य	पी.बी.एम.सी. योजना के अंतर्गत मार्ग की मरम्मत (1) पाडलिया पहुँच मार्ग लंबाई 6.20 कि.मी. (2) सिद्धिकगंज ईलाही देहमत मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. (3) भाउखेडी बरखेड़ा कुर्मी विशनखेड़ी मार्ग लंबाई 7.20 कि.मी. कुल लंबाई 18.40 कि.मी.	प्रथम कॉल	388.65	केवल ऑन-लाईन
3	2025_ PWDRB_ 471761_1	सीहोर	सड़क कार्य	पी.बी.एम.सी. योजना के अंतर्गत मार्ग की मरम्मत (1) मैना खामखेड़ा बैजनाथ से कुरावर मार्ग लंबाई 12.71 कि.मी. (2) अरोलिया से कुरावर मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. कुल लंबाई 16.71 कि.मी.	प्रथम कॉल	352.97	केवल ऑन-लाईन
4	2025_ PWDRB_ 471763_1	सीहोर	सड़क कार्य	पी.बी.एम.सी. योजना के अंतर्गत मार्ग की मरम्मत (1) कजलास मुण्डला चौकी मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी. (2) मुरावर मार्ग से प्राचीन मंदिर मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. (3) कजलास से शीतला माता मंदिर मार्ग लंबाई 1.32 कि. मी. (4) जावर से छायन मैना मार्ग लंबाई 5.83 कि.मी. (5) सिकारपुर धामनखेड़ा मार्ग लंबाई 2.60 कि.मी कुल लंबाई 13.25 कि.मी.	प्रथम कॉल	278.79	केवल ऑन-लाईन
5	2025_ PWDRB_ 471764_1	सीहोर	सड़क कार्य	विशेष मजबूतीकरण अंतर्गत भाउखेडी बरखेडा कुर्मी विशनखेड़ी मार्ग के ध्वस्त भाग का निर्माण कार्य लंबाई 1.00 कि.मी.	प्रथम कॉल	134.47	केवल ऑन-लाईन

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय (Document Download/Sale End Date) करने की अंतिम तिथि 16.01.2026 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि.सं.सीहोर म.प्र.
07562-222701
G-23720/25 " स्वच्छता ही सेवा "

चिंतन

खुद को संभाले अमेरिका भारत को नसीहत नहीं दे

दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद जेएनयू के पूर्व छात्र और एक्टिविस्ट उमर खालिद को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी की ओर से खालिद के समर्थन में पत्र लिखे जाने के बाद अब अमेरिका के आठ सांसदों ने भी उसका समर्थन करते हुए भारत सरकार से अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष ट्रायल दिलाने की अपील की है। यह पत्र अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा को भेजा गया है। इस पत्र का नेतृत्व हाउस रूल्स कमेटी के रैंकिंग मेंबर और टॉम लैंटोस ह्यूमन राइट्स कमीशन के सह-अध्यक्ष जिम मैकगवर्न ने किया है। वे मैसाचुसेट्स के दूसरे संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेट सांसद भी हैं। उनके साथ 7 अन्य सांसदों ने भी इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कहा गया है कि खालिद को यूएपीए के तहत 5 साल से बिना जमानत के हिरासत में रखा गया है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। उसकी तुरंत रिहाई सुनिश्चत की जाए और मामले में निष्पक्ष सुनवाई की जाए। बताया जा रहा है कि जिम मैकगवर्न और अन्य सांसदों ने दिसंबर की शुरुआत में उमर खालिद के माता-पिता से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने भारत सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की अपील की है। अमेरिकी सांसदों ने खालिद की गिरफ्तारी को धार्मिक स्वतंत्रता से जोड़ा। खालिद का मामला भड़काऊ भाषण और सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ा है, इसलिए इस मामले में अमेरिका भारत को नसीहत न दे और खुद को संभाले। देखा जाए तो भारत में अमेरिका की बजाय कानून काफी लचीला है, भारतीय कानून में कॉमन लॉ, प्रथागत कानून और धार्मिक कानून का मिश्रण है, वहीं अमेरिकी कानून मुख्य रूप से अंग्रेजी कॉमन लॉ पर आधारित है। अमेरिका में राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष और सरकार का प्रमुख होता है, जबकि भारत में राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है। भारत का कहना है कि खालिद को फरवरी 2020 के भाषणों के माध्यम से सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और यह एक कानूनी मामला है। इसमें भारतीय कानून के हिसाब से काम चलेगा। अमेरिका को पहले अपने घर को संभालना चाहिए, फिर दूसरों को नसीहत देने की सोचनी चाहिए। भारत एक स्वतंत्र देश है और उसमें अपनी समस्याओं का समाधान खुद निकालने की क्षमता है। अमेरिका को अपने देश में मानवाधिकारों की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए, जैसे कि नस्लवाद, बंदूक हिंसा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी। भारत को अपनी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए अमेरिका की नसीहत की जरूरत नहीं है। भारत अपनी नीतियों और निर्णयों के लिए स्वतंत्र है और हमेशा अपने देश के हितों को प्राथमिकता दी है और आगे भी देता रहेगा। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णयों से वैसे भी अमेरिका की छवि विश्वस्तर पर प्रभावित हुई है। इससे पहले ममदानी ने खालिद को लेकर लिखा था, 'मैं अक्सर आपकी कड़वाहट को लेकर कही गई बातों को याद करता हूं और यह सोचता हूं कि उसे खुद पर हावी नहीं होने देना कितना जरूरी है।' बता दें कि हाल ही में दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उमर खालिद को बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी रूप से 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक अंतरिम जमानत दी थी। खालिद पर दिल्ली दंगों की साजिश मामले में यूएपीए के तहत चार्जशीट दाखिल की गई है। उसकी नियमित जमानत याचिका फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

दूषित पेयजल
प्रमोद भार्गव

भागीरथपुरा में नर्मदा नदी से पाइप लाइन के जरिए आने वाले जल में शौचालय का दूषित जल शुद्ध पेयजल में लंबे समय से मिलता रहा। बस्ती के लोग इस पानी को यह मानकर पीते रहे कि नगर निगम द्वारा पिलाया जाने वाला जल शुद्धता के मानकों पर खरा होगा ही। धरती के नीचे बह रहा सीवर का मल नर्मदा के जल में पाइप लाइन फूट जाने से घुलता रहा। लोगों को जब पानी में गंदगी का अहसास हुआ तो शिकायत भी की गई जब 15 लोगों की मौत हो गई और 1000 के करीब लोग अस्पतालों में भर्ती हो गए, तब प्रशासन जागा और स्थल की खुदाई की। तब कहीं जाकर पता चला कि सीवर और पेयजल की लाइनें फूट जाने से नर्मदा जल में गंदगी डेढ़ वर्ष से विलय हो रही थी।

स्वच्छता की चादर से ढकी गंदगी

इंदौर मध्य प्रदेश ही नहीं देश के स्वच्छतम शहरों की श्रेणी में रहा है, लेकिन अब इसकी सच्चाई ने उजागर कर दिया कि इस महानगर की गंदगी को स्वच्छता की चादर से ढक दिया गया था, जिससे इंदौर को देशव्यापी स्वच्छता का खिताब मिलता रहे। किंतु अब दूषित पेयजल से हुईं 15 मौतों ने झूठ से पर्दा उठा दिया है। स्वच्छता के कथित मानकों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं, लेकिन इन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर हम अपने नागरिकों को शुद्ध पेयजल पिलाने में क्यों असफल सिद्ध हो रहे हैं।

मानव शरीर के लिए शुद्ध पेयजल पहली जरूरत है, क्योंकि हम बिना भोजन के तो जीवित रह सकते हैं, लेकिन जल के बिना जीवन कतई संभव नहीं है। मानव शरीर में 70 प्रतिशत जल की उपलब्धता है। भागीरथपुरा में नर्मदा नदी से पाइप लाइन के जरिए आने वाले जल में शौचालय का दूषित जल शुद्ध पेयजल में लंबे समय से मिलता रहा। बस्ती के लोग इस पानी को यह मानकर पीते रहे कि नगर निगम द्वारा पिलाया जाने वाला जल शुद्धता के मानकों पर खरा होगा ही। धरती के नीचे बह रहा सीवर का मल नर्मदा के जल में पाइप लाइन फूट जाने से घुलता रहा। लोगों को जब पानी में गंदगी का अहसास हुआ तो शिकायत भी की गई, लेकिन निगम और जिला प्रशासन के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। जब 15 लोगों की मौत हो गई और 1000 के करीब लोग अस्पतालों में भर्ती हो गए, तब प्रशासन जागा और नागरिकों द्वारा बताए स्थल की खुदाई की। तब कहीं जाकर पता चला कि सीवर और पेयजल की लाइनें फूट जाने से नर्मदा जल में गंदगी डेढ़ वर्ष से विलय हो रही थी। इस कारण लोगों की प्रतिरोधात्मक क्षमता घटती गई और बीमारी एवं मौत कहर बनकर टूट पड़े। अब कुछ कर्मचारियों को निलंबित करके प्रशासन मामले को ठंडा करना चाहता है, लेकिन निलंबन कोई सजा नहीं है। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के इसी निर्वासन क्षेत्र से निर्वाचित हैं और पेयजल की आपूर्ति करने वाला विभाग भी उन्हीं के अधीन है। अतएव जब जिम्मेदार मंत्री से इस जानलेवा लापरवाही से जुड़े सवाल किए गए तो उन्होंने बौखलाकर आपा खो दिया और बोले, ये सब फोकट के सवाल हैं, इन्हें मत पूछिए। यह उनकी संवेदनहीनता दर्शाने वाला उत्तर था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद जब उनकी थू-थू हुई तो उन्होंने खेद जताकर मुक्ति पा ली। साफ है कि भाजपा सरकार के मंत्री इस हद तक मद में चूर हो गए हैं कि अब उन्हें अपने उत्तरदायित्वों का उचित ख्याल तक नहीं रहता। यदि रहता तो कैलाश विजयवर्गीय को एहसास होता कि इस तरह की लापरवाही का उपचार महज सरकारी खानापूर्ति न होकर सजगता के साथ समस्या का हल खोजना था। इस दूषित पेयजल कांड के चलते इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव तो इतने विचलित हुए कि जब अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने उनके निर्देश को महत्व नहीं दिया तो उन्होंने यहां तक कह दिया कि अधिकारी सुनते नहीं हैं, इसलिए ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था में काम करना मुझ जैसे व्यक्ति के लिए संभव नहीं है, अधिकारी बातचीत करने तक को तैयार नहीं हैं।

इस संदेश को मुख्यमंत्री तक पहुंचा दीजिए। भार्गव कलेक्टर शिवम वर्मा पर भी नाराज हुए। दरअसल,

भार्गव ने मौतों का सिलसिला शुरू होने से पहले कलेक्टर को कहा था कि भागीरथपुरा से उल्टी-दस्त की शिकायत आ रही हैं। शुद्ध पानी की कमी शरीर में ऐसी बीमारियों को पैदा करने का सबब बनता है कि समय पर उपचार नहीं हुआ तो मौत निश्चित है।

इस दूषित जल के कारण उल्टी-दस्त, डायरिया, टाइफाइड और हेपेटाइटिस भी जैसी बीमारियां पेट में जन्म ले लेती हैं। यही हश्र भागीरथपुरा में रहने वाले लोगों का हुआ। यदि इंदौर को लगातार कई साल तक स्वच्छता के तमगे नहीं मिले हो तो शायद इन मौतों की देश-परदेश के मीडिया में चर्चा भी नहीं हुई होती? लेकिन कार्यपालिका और विधायिका तमगों के लिए किस तरह से गंदगी पर चादर बिछाती है, यह हकीकत इंदौर में हुई इन मौतों ने सामने ला दी है। हालांकि, यहां पानी का टैंकर सुविधा के लिए भेजा जा रहा है, लेकिन इसका पानी उपयोग करने में भी लोग डर रहे हैं। वह आरओ का पानी मंगवाकर पी रहे हैं। दरअसल नागरिकों को शुद्ध पानी पिलाने के दावे चाहे जितने किए जाएं, ये हकीकत से बहुत दूर है। इसीलिए भारत में जल जनित बीमारियों की बहुलता पूरे साल बनी रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के पौने दो अरब लोग दूषित पानी पीने के लिए अभिशप्त हैं। इस कारण दुनियाभर में हर साल पचास लाख से ज्यादा लोग दूषित पानी पीकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर देते हैं। मध्यप्रदेश में ज्यादातर नगरीय निकायों की हालात बहुत खराब है। कोई भी निकाय यह दावा नहीं कर सकता कि वह शुद्ध पानी पिला रहा है। ज्यादातर नगरीय निकायों में पानी की मानकों के अनुसार जांच ही नहीं होती है। यह लापरवाही तब से और ज्यादा बरती जाने लगी हैं, जब से आरओ और बोतलबंद पानी की सुविधा सक्षम लोगों के लिए उपलब्ध हो गई है। मध्यप्रदेश में बारहमासी नदियां होने के कारण पानी की कोई कमी नहीं है। पानी बरसता भी खूब है। इन्हीं नदियों पर बने बांधों से ज्यादातर नगरों में पेयजल प्रदाय किया जाता है, लेकिन हम अपने इस प्राकृतिक वरदान को तात्कालिक लाभ के चलते अभिशाप में बदलने में लगे हुए हैं। औद्योगिक क्षेत्र की अर्थ दोहन की ऐसी ही लापरवाहियों के चलते मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में लगे स्टील संयंत्र रोजाना करीब 60 टन दूषित मलवा नदियों में बहा कर उन्हें जहरीला तो बना ही रहे हैं, मनुष्य-मवेशी व अन्य जलीय जीव-जन्तुओं के लिए जानलेवा भी साबित बना रहे हैं। दरअसल इन स्टील संयंत्रों में लोह के तार व चद्दरों को जंग से छुटकारा दिलाने के लिए 32 प्रतिशत सान्द्रता वाले हाइड्रोक्लोरिक अम्ल का इस्तेमाल किया जाता है। तारों और चद्दरों को तेजाब से भरी बड़ी-बड़ी हौदियों में जब तक बार-बार डुबोया जाता है, तब तक ये जंग से मुक्त नहीं हो जातीं ?

बाद में बेकार हो चुके तेजाब को मलबा की चामला नदी से जुड़े नालों में बहा दिया जाता है। इस कारण नदी का पानी लाल होकर प्रदूषित हो जाता है, जो जीव-जंतुओं को हानि तो पहुंचाता ही है, यदि इस जल का उपयोग सिंचाई के लिए किया जाता है तो यह जल फसलों को भी पर्याप्त नुकसान पहुंचाता है। पूरे मध्यप्रदेश में इस तरह की पंद्रह औद्योगिक इकाइयां हैं। अकेले मालवा क्षेत्र और इंदौर के आसपास ऐसी दस इकाइयां हैं, जो खराब तेजाब आजू-बाजू की नदियों में बहा रही हैं। ये छोटी नदी और नाले आगे जाकर नर्मदा में विलय होते हैं। साफ है, नर्मदा के जल को दूषित करने के एक नहीं अनेक कारण हैं, जिनके समाधान प्रदेश की सरकार पिछले 20 साल से नहीं खोज पाई है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
बाल मुकुन्द ओझा

बॉडी रहेगी फिट तो माइंड भी रहेगा हिट

इंटरनेशनल माइंड बॉडी वेलनेस डे यानि अंतरराष्ट्रीय मन-शरीर कल्याण दिवस हर साल 3 जनवरी को दुनियाभर में मनाया जाता है। आज की भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में शरीर और मन के बीच सामंजस्य स्थापित करना काफी कठिन हो गया है। ऐसे में ये दिन स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण एक है। इस दिन का इतिहास मशहूर ज्ञानी हिप्पोक्रेट्स से जुड़ा हुआ है। हिप्पोक्रेट्स को प्राकृतिक चिकित्सा के संस्थापक का दर्जा दिया गया है और उनकी की गई खोज आज भी दुनियाभर में मौजूद है और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। हिप्पोक्रेट्स का मानना है कि स्वस्थ शरीर से हमें एक स्वस्थ दिमाग की प्राप्ति होती है। शरीर को स्वस्थ और फिट रखने की कोशिशें एक बार फिर परवान पर है। हेल्दी डाइट, एक्सरसाइज, अच्छी नींद आदि आदतें हम रोजाना के जीवन में अपनाएं। शारीरिक गतिविधियां फिट और हेल्दी रहने के लिए जरूरी है कि आप रोजाना फिजिकल एक्टिविटी के लिए समय निकालें और अपनी सेहत का ख्याल रखें। फिजिकल एक्टिविटी, जैसे कि एक्सरसाइज, योग और वॉक न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है बल्कि हमारे मानसिक और समग्र स्वास्थ्य के लिए भी बेहद जरूरी है। जब आप शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो शरीर की ऊर्जा बढ़ती है। जिसे 'हैप्पी हार्मोन' भी कहा जाता है। यह हार्मोन हमें खुश और संतुष्ट महसूस कराता है, जिससे तनाव और एंग्जायटी जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं। देश में 54 प्रतिशत लोगों की शारीरिक गतिविधियां करने में कोई रुचि नहीं है और 10 फीसदी से कम लोग मनोरंजन के तौर पर शारीरिक गतिविधियां करते हैं। आईसीएमआर डेटा में इस बात का खुलासा हुआ है। आजकल आर्थराइटिस जैसी जोड़ों की बीमारियां उम्र तक सीमित नहीं रह गई हैं बल्कि शारीरिक रूप से काम न करना भी इस बीमारी के बोझ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के आंकड़ों बताते हैं कि 54.4 फीसदी लोगों की शारीरिक गतिविधियां करने में रुचि नहीं है। इस सरकारी एजेंसी द्वारा की गई स्टडी के अनुसार लोग यात्रा और मनोरंजन से जुड़ी शारीरिक गतिविधियों के मुकाबले काम में ज्यादा समय बिताते हैं। आलसी जीवनशैली, कसरत न करना या प्रोफेशनल की देखरेख के बिना कसरत करने से युवाओं के जोड़ों के लिगामेंट में दिक्कतें होने लगती हैं। चिकित्सकों का कहना है फिजिकली एक्टिव रहना, न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारता है बल्कि हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। नियमित फिजिकल एक्टिविटी मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, तनाव को कम करने और जीवन को बेहतर बनाने में सहायक होती है। ऐसे में लोगों को अपनी पसंद के अनुसार फिजिकल एक्टिविटी में खुद को बिजी रखना चाहिए। तेज चलना, बागवानी या भारोत्तोलन आपका वजन कम करने के अलावा आपको खुश भी रख सकते हैं।

शोध में इसका खुलासा हुआ है कि आपकी शारीरिक गतिविधियों की निरंतरता और उन्हें करने की क्षमता आपकी खुशी के स्तर को बढ़ाती है। शोधकर्ताओं के एक दल ने पाया कि एक सप्ताह में एक बार शारीरिक श्रम करने वाला एक सामान्य वजन का वयस्क बिना शारीरिक श्रम के पूरा सप्ताह गुजारने वाले समान वजन के वयस्क की अपेक्षा 1.4 गुना ज्यादा खुश रहा जबकि सामान्य से अधिक वजन का वयस्क 1.5 गुना ज्यादा खुश रहा। बदलती जीवनशैली के चलते दफ्तर में घंटों बैठे रहकर काम करने और फिर घर में निष्क्रिय जीवन जीने से हमारे शरीर में जंग लगने लगा है और हम बीमारियों का आसान शिकार बनते जा रहे हैं। यह स्थिति तब और भी ज्यादा बिगड़ जाती है जब उम्र 25 पार करती है। 40 की उम्र में आते-आते ज्यादातर लोग आजकल बेहद अनफिट हो जाते हैं। ऐसे में कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने, ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल के नॉर्मल न रह पाने, हड्डियों के भुरभुरा होने, मसल्स में तकलीफ होने, तनाव, डिप्रेशन, मोटापा आदि जैसी समस्याएं घर करने लगती हैं। डिप्रेशन तनाव, चिंता और उदासी का बहुत बड़ा कारण बनता है, जो जल्द ही आपके जीवन पर असर करना शुरू कर देता है। इससे पहले कि यह गंभीर रूप धारण कर लें, डिप्रेशन से निपटने के उपाय करने चाहिए। अवसाद से निपटने का सबसे प्रभावी और प्राकृतिक तरीका शारीरिक गतिविधि है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में 5 में से 1 वयस्क और 5 में से 4 किशोर शारीरिक गतिविधियां नहीं करते, जिससे हेल्थ केयर पर 54 अरब डॉलर का सीधा असर पड़ रहा है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

एकनिष्ठ भक्ति

संकलित
दर्शन

अनेक महापुरुष हैं, अनेक देवी-देवता हैं, अनेक मार्ग हैं, किंतु एकनिष्ठता आवश्यक है। इसी कारण इष्ट देवता की अवधारणा है। घर की बहू सास, ससुर, जेठ, जेठानी सबका आदर सम्मान करती है, किसी की अवज्ञा या उपेक्षा नहीं करती। सबकी सेवा करती है, किंतु अपने पति को वह सबसे अधिक चाहती है। इसी तरह तुम भी अपने इष्ट देवता पर दृढ़ एकनिष्ठ भक्ति रखो, जबकि अन्य देवी-देवताओं का सम्मान करो, सबके प्रति श्रद्धा रखो। सभी देव एक ही परमेश्वर के रूप हैं। किंतु किसी एक के प्रति एकनिष्ठ रहो। चौसर के खेल में गोटी सब खानों का चक्कर लगाए बिना लक्ष्य पर नहीं पहुंचती। यदि दो गोटियां जोड़ी बांधकर इकट्ठी चलें तो उन्हें कोई काट नहीं सकता, नहीं तो अकेली गोटी लक्ष्य के पास पहुंचकर पकते-पकते भी कट जा सकती है। इसी प्रकार साधना के मार्ग पर भी यदि गुरु अथवा इष्ट के साथ युक्त होकर आगे बढ़ा जाए तो बाधा विघ्न का भय नहीं रहता, यात्रा निर्विघ्न रूप से सफल हो सकती है। एक बार किसी यात्री ने एक आदमी से कलकत्ता (अब कोलकाता) जाने का रास्ता पूछा। उस आदमी ने कहा, इस रास्ते से चले जाओ। थोड़ी दूर चलकर उसने और एक जन से रास्ता पूछा। उसने दूसरा रास्ता बताया। इस तरह वह थोड़ा सा आगे बढ़कर किसी से रास्ता पूछता तो पहले वाले का रास्ता छोड़ उस पर चल देता। ऐसा करते हुए वह रास्तों पर ही भटकता रहा, कलकत्ता नहीं पहुंच पाया। उसे किसी ऐसे व्यक्ति से रास्ता पूछना चाहिए था, जिस पर विश्वास हो कि वह सही मार्ग जानता है। एक उसी व्यक्ति से पूछकर उसके ही बताए मार्ग पर चलना चाहिए था।

संतान गुस्सा हो तो उसे शांत करने की कोशिश करें

संकलित
प्रेरणा

पुराने समय में एक दिन शिव जी और पार्वती जी ने विचार किया कि अब गणेश और कार्तिकेय का विवाह कर देना चाहिए। ये विचार करने के बाद उन्होंने कार्तिकेय स्वामी और गणेश जी को बुलाया और दोनों से कहा कि आप दोनों में से जो इस संसार की परिक्रमा करके पहले आएगा, हम उसका विवाह पहले कराएंगे। कार्तिकेय स्वामी तो अपने वाहन मोर पर बैठकर तुरंत उड़ गए, लेकिन गणेश जी अपने वाहन चूहे पर बैठे हुए थे। गणेश जी ने ने तुरंत ही माता-पिता की परिक्रमा कर ली और कह दिया कि आप दोनों ही मेरे लिए संसार हैं। दूसरी ओर, कार्तिकेय स्वामी को संसार की परिक्रमा करके लौटने में थोड़ा समय लग गया। जब कार्तिकेय स्वामी परिक्रमा करके लौटे तो उन्होंने देखा कि गणेश का विवाह हो गया है। गणेश जी को विवाहित देखकर कार्तिकेय स्वामी नाराज हो गए। उन्होंने शिव-पार्वती से कहा कि आपने ये सही नहीं किया है। क्रोधित होकर कार्तिकेय स्वामी क्रौंच पर्वत पर चले गए। ये क्रौंच पर्वत आज दक्षिण भारत में कृष्णा जिले में कृष्णा नदी के तट पर स्थित है। इसे श्रीपर्वत भी कहते हैं। शिव जी और देवी पार्वती ने कार्तिकेय स्वामी को समझाने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन कार्तिकेय शांत नहीं हुए। शिव-पार्वती समझ गए कि कार्तिकेय बहुत ज्यादा गुस्से में है और ये वापस भी नहीं आएगा। तब दोनों ने तय कि वे ही कार्तिकेय से मिलने जाते रहेंगे। इसके बाद हर अमावस्या पर शिव जी और पूर्णिमा पर देवी पार्वती कार्तिकेय से मिलने श्रीपर्वत पर आती हैं। ऐसी मान्यता है। श्रीपर्वत पर मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग में शिव-पार्वती, इन दोनों की ज्योतियां विराजित हैं।

सटाका

आज की पाती

उपकरणों का सावधानी से प्रयोग करना जरूरी

विज्ञान ने हमें हर मौसम से बचने के लिए बहुत सी चीजें दी हैं। लेकिन अगर हम इनका सावधानी से प्रयोग न करें तो यह हमारे लिए कभी भी हानिकारक बन सकती हैं और अक्सर खबरें भी पढ़ने और सुनने को मिलती हैं कि इन चीजों के प्रयोग करते समय कोई हादसा हो गया। सर्दियों में गैस गीजर, कोयले की अंगीठी और अन्य गर्मी प्रदान करने वाले उपकरण लोगों की जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। सर्दियों के मौसम में नहाने के लिए लोग गैस से चलने वाले गीजर का भी प्रयोग कर रहे हैं। लेकिन इसके प्रयोग में जरा सी भी असावधानी किसी दुर्घटना को अंजाम दे सकती है। गैस गीजर को बाथरूम में लगाने के साथ-साथ एक खिड़की जरूर रखें। - **महेश वर्मा**, कांकेर

ट्रेंड

निधन से दुख हुआ

उत्तर प्रदेश के फरीदपुर के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। वे जनहित में समर्पित भाजपा के एक कर्मठ नेता थे, जिनके जाने से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति!
- नरेंद्र सिंह, प्रधानमंत्री

बिहू का त्योहार

इस साल असम में बिहू का त्योहार हमारी सभी बहनों के लिए खास होगा। ओरुनोदोई योजना के तहत, प्रत्येक लाभार्थी को 8,000 रुपये दिए जाएंगे। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि यह हमारी बहनों के प्रति हमारी देखभाल और सम्मान को दर्शाता है।
- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

पुलिस का अभिनंदन

हम उप्र पुलिस का हार्दिक अभिनंदन करते हैं जो अतिरिक्त सजगता और सतर्कता से माघ मेले में निर्माणाधीन 'श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान' में पूरी मुस्तैदी से सुरक्षा का कार्य संपन्न कर रही है।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

डिलीवरी राइडर्स

लाखों डिलीवरी राइडर्स, जिन्होंने इंस्टेंट कॉमर्स कंपनियों को आज इस मुकाम तक पहुंचाने में योगदान दिया, अब अपनी बात सुनाने के लिए विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। गिग इकॉनमी को अपराध-मुक्त शोषण की अर्थव्यवस्था नहीं बनने दे सकते।
- राघव चड्ढा, सांसद, आम आदमी पार्टी

करंट अफेयर

पाकिस्तान के तक्षशिला में मिले दुर्लभ सिक्के व पत्थर

पाकिस्तान के पुरातत्वविदों को ऐतिहासिक शहर तक्षशिला के पास यूनेस्को-सूचीबद्ध स्थल की खुदाई के दौरान दुर्लभ सजावटी पत्थर और सिक्के मिले हैं, जिससे प्राचीन सभ्यता की सबसे प्रारंभिक शहरी बस्ती की एक दुर्लभ झलक मिलती है। पुरातात्विक महत्व की ये वस्तुएं प्राचीन भीर टीले पर मिली हैं। विशेषज्ञों ने ईसा पूर्व छठी शताब्दी के सजावटी पत्थर और दूसरी शताब्दी के सिक्के बरामद किए। समाचार पत्र 'डॉन' ने अपनी एक खबर में कहा कि अधिकारियों ने इस खोज को एक दशक में इस स्थल पर हुई सबसे अहम खोज बताया है। इसमें कहा गया कि विशेषज्ञों ने सजावटी पत्थरों के टुकड़े बरामद किए जिनकी पहचान 'लैपिस लाजुली' के रूप में की गई है और इसके साथ ही कुषाण वंश से संबंधित दुर्लभ कांस्य सिक्के भी मिले हैं, जिससे प्राचीन गांधार के भौतिक इतिहास को एक नया आयाम मिला है। पंजाब पुरातत्व विभाग के उप निदेशक आसिम डोगर ने कलाकृतियों के प्रारंभिक विश्लेषण की पुष्टि की। डोगर उत्खनन दल के प्रमुख हैं। डोगर ने कहा, 'सजावटी पत्थर लैपिस लाजुली हैं जो एक बहुमूल्य पत्थर है, जबकि सिक्के कुषाण काल के हैं।' उत्खनन दल ने धातु की कलाकृतियों की आयु निर्धारित करने के लिए विशेष फॉरेंसिक सहायता ली।

ऑफ बीट

काम करते हुए क्या अंडर डेस्क ट्रेडमिल फायदेमंद है

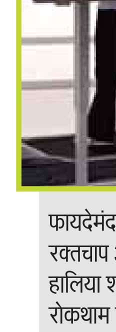

हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में 67 लाख से अधिक लोग-यानी लगभग आधे कर्मचारी-कम से कम कुछ समय के लिए घर से काम करते हैं। सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा में यह संख्या सबसे अधिक है। घर से काम बढ़ने के साथ लंबे समय तक बैठने की आदत भी बढ़ी है, जिसे अब स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह माना जाता है। दफ्तर जाकर काम करने पर रोजमर्रा की गतिविधियां-जैसे चलना, खड़े रहना, सहकर्मियों से मिलने जाना या बाहर लंच लेने जाना-अपने आप हो जाती हैं, लेकिन घर से काम करते समय यह कम हो जाती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या काम के दौरान अंडर-डेस्क ट्रेडमिल या वॉकिंग पैड का इस्तेमाल कर चलना फायदेमंद हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से चलने से रक्तचाप और ग्लूकोज सहनशीलता जैसे स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार होता है। हालिया शोध में प्रतिदिन करीब 7,000 कदम चलने को कई बीमारियों की रोकथाम के लिए पर्याप्त लक्ष्य बताया गया है। शोध यह भी बताते हैं कि लंबे समय तक बैठे रहने के बजाय छोटे-छोटे अंतराल में बार-बार चलना या हल्की गतिविधि करना एक बार में लंबी सैर से अधिक लाभकारी हो सकता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

इमरान-यामी की फिल्म हक अब ओटीटी पर

मुंबई। इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक'जब सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, तब क्रिटिक्स ने फिल्म को काफी सराहा था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। शाह बानो बेगम के केस पर आधारित यह फिल्म अब घर बैठे देख सकेंगे। क्योंकि, अब हक ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म 2 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करने लगी है। आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'हक' का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी घोषणा की गई थी। डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर से पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'घर की चार दीवारों से अदालत तक।

लाइफ Style

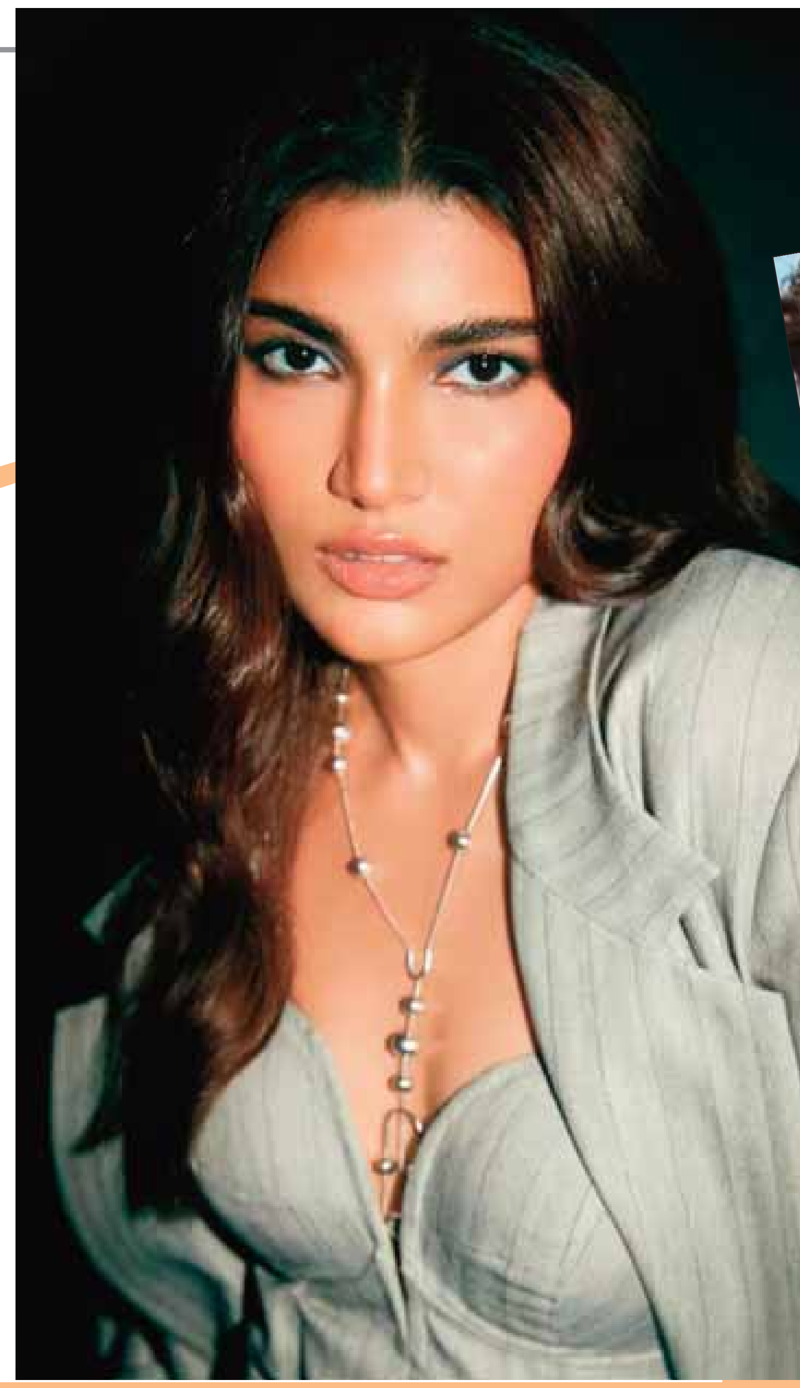

अलीजेह

म्यूजिकल प्रोजेक्ट में सिद्धांत के साथ आएंगी नजर

साल 2014 में रिलीज हुई फ्रेंच फिल्म 'ला फैमिली बेलियर' का हिंदी रीमेक बनने वाला है। खबर है कि निर्माताओं ने इस म्यूजिकल फिल्म के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी और अलीजेह अग्निहोत्री को कास्ट किया है। फिल्म का निर्देशन विकास बहल करने वाले हैं। इसकी शूटिंग जून से अगस्त के बीच शुरू हो सकती है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'ला फैमिली बेलियर' एक कॉमेडी फिल्म है जिसके निर्देशक एरिक लार्टिगाउ हैं। इसकी कहानी 16 साल की एक लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। लड़की अपने मूक-बधिर माता-पिता की देखभाल करती है। उसकी जिंदगी तब बदल जाती है, जब उसके म्यूजिक टीचर को उसकी खूबसूरत गाने की आवाज का पता चलता है। लड़की को अपने सपने को पूरे करने और अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी के बीच चुनाव करना होता है। 'ला फैमिली बेलियर' ने 2022 में 94वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) में बेस्ट पिक्चर का अवॉर्ड जीता था। 'सिद्धांत चतुर्वेदी और अलीजेह अग्निहोत्री की एक फिल्म है, जिसे विकास बहल डायरेक्ट करेंगे। यह बेहतरीन फिल्म होगी। यह एक फ्रेंच फिल्म 'ला फैमिली बेलियर' का रीमेक है, जिसका रीमेक बनाया जाएगा। इस फिल्म ने ऑस्कर जीता था। यह एक म्यूजिकल फिल्म है, यह संजय लीला भंसाली की 'खामोशी' जैसी है। हमने इसे ओरिजिनल फ्रेंच फिल्म से लिया है।' सिद्धांत चतुर्वेदी को आखिरी बार 2025 की फिल्म 'धड़क 2' में तृप्ति डिमरी के साथ देखा गया था। अलीजेह अग्निहोत्री ने साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'फर्रे' से एक्टिंग में डेब्यू किया था।

हॉलीवुड मसाला

'मुझसे शादी' गाने पर किया डांस

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा के साथ शादी के बाद हॉलीवुड सिंगर निक जोनस पर देसी रंग चढ़ गया है। वह अक्सर हिंदी गानों पर थिरकते नजर आते हैं। निक जोनस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें म्यूजिक बैंड के मेंबर और उनके भाई साथ नजर आ रहे हैं। निक और बाकी लोग प्रियंका चोपड़ा की बॉलीवुड फिल्म 'मुझसे शादी करोगे' के टाइटल ट्रैक पर झूमते दिखे। खासकर निक ने इस गाने पर जबरदस्त स्टेप्स किए।

स्ट्रेंजर थिंग्स 5 में वेक्ना का होगा खात्मा?

लॉस एंजिल्स। 'स्ट्रेंजर थिंग्स' सीजन 5 का आखिरी एपिसोड सबसे लंबा बताया जा रहा है। फाइनल एपिसोड लगभग 2 घंटे और 5 मिनट का है। यह सीरीज इन दिनों सोशल मीडिया पर भी ट्रेंड कर रही है, आखिरी एपिसोड के कई स्पॉलर भी सामने आ रहे हैं। यह सीरीज अच्छाई और बुराई के कॉन्सेप्ट पर ही है। इस सीरीज में विलेन का किरदार यानी वेक्ना पांचवें सीजन में काफी ताकतवर हो चुका है। ऐसे में इलेंवन (सीरीज का लीड कैरेक्टर) और उसकी टीम के लोग वेक्ना का सामना करते हैं, इनमें से कई लोगों के पास सुपरपावर भी हैं। पांचवें सीजन में वेक्ना पास खतरनाक योजना है। हो सकता है कि इस बार सीरीज में कुछ किरदार मर भी जाएं। सोशल मीडिया पर एक खबर है कि हॉकिन्स नाम के किरदार को बचाने की कोशिश भी सीरीज में दिख सकती है।

9 को री-रिलीज होगी किस किसको...

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है। उनकी अदाकारी वाली फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' एक बार फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म के निर्माताओं ने गुरुवार को ऐलान किया है कि यह फिल्म 9 जनवरी को री-रिलीज की जाएगी। निर्माताओं को यकीन है कि इस बार फिल्म पर दर्शक अच्छा रिस्पॉन्स देंगे। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक फिल्म को पहले रणवीर सिंह की अदाकारी वाली फिल्म 'धुरंधर' और हॉलीवुड फिल्म 'अवतारः फायर एंड ऐश' की वजह से सिनेमाघरों में ज्यादा स्क्रीन नहीं मिल पाई थी। इसकी वजह से इसकी कमाई पर असर पड़ा था। फिल्म के निर्माता रतन जैन के मुताबिक लोगों में अभी भी फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का क्रेज है।

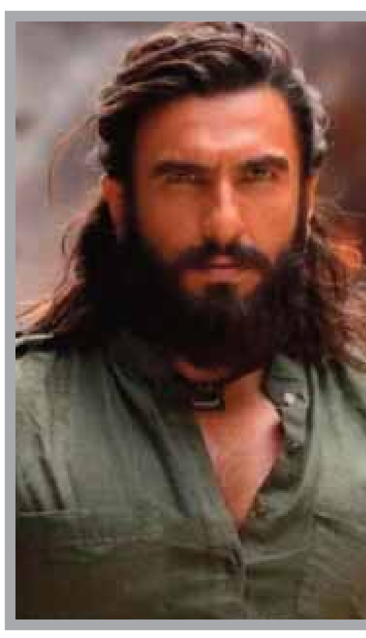

धुरंधर नए साल में कुछ बदलाव के साथ...

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही रणवीर सिंह की धुरंधर का 1 जनवरी को नया वर्जन रिलीज किया गया है। इस नए वर्जन में धुरंधर में कुछ बदलाव किए हैं। साल 2025 में रणवीर सिंह की धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया। फिल्म ने बहुत सी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़े। ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 1,100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। अब नए साल पर इस फिल्म को नए अंदाज में रिलीज किया गया है। नए साल पर फिल्म का रिवाइज्ड वर्जन रिलीज किया गया है। दरअसल, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा फिल्म में कुछ बदलाव बताए गए। उन्हीं बदलाव को ध्यान में रखते हुए फिल्म का नया वर्जन रिलीज किया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के निर्देश के मुताबिक, इस नए वर्जन में मेकर्स ने दो शब्दों को म्यूट किया है और एक डायलोग में बदलाव किया है।

टीवी मसाला

इक्कीस हमारे लिए आखिरी अनमोल निशानी है : अमिताभ

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति 17' में दोस्त धर्मेंद्र को यादकर भावुक हो गए। धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' 1 जनवरी को नए साल पर रिलीज है, पर वह इस दुनिया में नहीं हैं। अमिताभ ने कहा कि 'इक्कीस' उनके लिए उनके दोस्त की आखिरी अनमोल निशानी है, जो उनका परिवार भी था। धर्मेंद्र 24 नवंबर 2025 को इस दुनिया को अलविदा कह गए और 1 जनवरी 2026 को उनकी फिल्म 'इक्कीस' रिलीज हो रही है। किसी ने सोचा नहीं था कि यह धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म साबित होगी, और वह इसे देखने के लिए भी नहीं रहेंगे। 'इक्कीस' में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं, जो सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में जयदीप अहलावत भी हैं। हाल ही जब अगस्त्य नंदा, जयदीप अहलावत और डायरेक्टर श्रीराम राघवन 'कौन बनेगा करोड़पति 17' में पहुंचे, तो बिग बी भावुक हो गए। उन्होंने जिगरी यार धर्मेंद्र को याद किया, जिनके साथ ढेरों फिल्में की थीं और गहरा रिश्ता था। वहीं, प्रोमो में अमिताभ बच्चन दोस्त धर्मेंद्र और उनकी फिल्म 'इक्कीस' के लिए कह रहे हैं, 'फिल्म 'इक्कीस' हमारे लिए वो आखिरी अनमोल निशानी है, जो हिंदी फिल्म जगत की महान विभूति अपने करोड़ों चाहने वालों के लिए छोड़ गए। एक कलाकार अपनी सांस के अंतिम छोर तक, कला की साधना करना चाहता है और कुछ ऐसा ही किया मेरे मित्र, मेरे परिवार, मेरे आदर्श, धर्मेन्द्र देव जी ने।' अमिताभ बच्चन ने आगे कहा, 'धरमजी सिर्फ एक शख्स नहीं थे, एक एहसास थे। और एहसास जो होता है, वो कभी जाने नहीं देता किसी के अंदर से। बस यादें बनकर, दुआएं बनकर साथ चलते रहता है।'

भाबीजी घर पर हैं 2.0 में नहीं दिखेंगी सौम्या

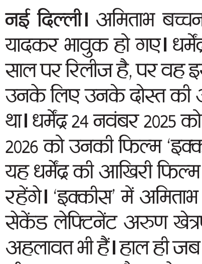

नई दिल्ली। पॉपुलर सिटकॉम 'भाबीजी घर पर हैं!' दूसरे सीजन के साथ टीवी पर लौटा, जिसमें शिल्पा शिंदे 'अंगूरी भाभी' के रोल में वापसी कर चुकी हैं। इस सीजन में पत्नियों की अदला-बदली दिखाई जाएगी और कई सारे ट्विस्ट भी होंगे। सौम्या टंडन ने जब 'भाबीजी घर पर हैं!' छोड़ा था, तो उसके बाद विदिशा श्रीवास्तव ने उन्हें शो में रिप्लेस किया था। अब शिल्पा शिंदे एक दशक बाद'भाबीजी घर पर है 2.0' में अंगूरी भाभी के रूप में लौटीं, तो फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं था। ऐसे में वो जानने को उत्सुक थे कि क्या टंडन भी वापसी करेंगी? इस बारे में सौम्या ने कहा, 'नहीं, मैं 'भाबीजी घर पर है 2.0' में बिल्कुल भी वापस नहीं आ रही हूं। मैं एक दूसरे प्रोजेक्ट में बिजी हूं। फिलहाल, मैं कुछ और कर रही हूं। इसलिए वापसी का तो सवाल ही नहीं उठता।' सौम्या टंडन ने यह भी कन्फर्म किया कि वह 'धुरंधर 2' में उल्फत के रूप में वापसी करेंगी। हालांकि, एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि 'धुरंधर' के दूसरे पार्ट में उनका स्क्रीनटाइम कम होगा। वह बोलीं, ''धुरंधर पार्ट 2' में मेरा रोल बहुत छोटा है क्योंकि मेरे पति की मौत हो चुकी है।

डेमोन कॉलोनी 3 का पहला लुक आया सामने

मुंबई। तमिल सिनेमा की चर्चित हॉरर-थ्रिलर फ्रेंचाइजी 'डेमोन कॉलोनी' अपनी नई किस्त के साथ दर्शकों को डराने के लिए तैयार है। डेमोन कॉलोनी 3 का पहला लुक सामने आते ही फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। पोस्टर में डर, रहस्य और अंधेरे की जो झलक दिखती है, वह साफ इशारा करती है कि इस बार कहानी पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक मोड़ लेने वाली है। इस फिल्म के साथ एक बार फिर अरुल्निथी अपने लोकप्रिय किरदार में लौट रहे हैं। पहले दो पार्ट्स में जिस रहस्यमयी दुनिया और शापित घटनाओं ने दर्शकों को बांधे रखा था, तीसरे भाग में वही कहानी और गहराई के साथ आगे बढ़ती नजर आएगी। निर्देशक अजय ज्ञानमुथु ने इस फ्रेंचाइजी को सिर्फ डर तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसमें मनोवैज्ञानिक तनाव और रहस्य का ऐसा ताना-बाना बुना है, जिसने डेमोन कॉलोनी को अलग पहचान दिलाई। डेमोन कॉलोनी की टैगलाइन है- 'द एंड इज टू फार' यानी अंत अभी बहुत दूर है। यह टैगलाइन खुद में संकेत देती है कि पिछली फिल्मों में शुरू हुआ अंधेरे का खेल अभी खत्म नहीं हुआ है। पहले भागों में जिन अलौकिक शक्तियों और शाप का सामना किरदारों ने किया था, उसका असर अब भी बरकरार है और इस बार टकराव और भी भयावह होने वाला है। इस फिल्म में अरुल्निथी के साथ प्रिय भवानी शंकर, अर्चना रविचंद्रन, मुथुकुमार और मीनाक्षी गोविंदराजन भी अपनी भूमिकाओं में वापसी कर रहे हैं। एक ही कास्ट का लौटना इस बात का संकेत है कि कहानी में निरंतरता रहेगी और दर्शकों को उसी डरावनी दुनिया में फिर से ले जाया जाएगा, जहां हर मोड़ पर अनहोनी का अहसास होता है।

2026 में इन फिल्मों का होगा बॉक्स ऑफिस क्लैश, कार्तिक की रणबीर से होगी टक्कर...

नई दिल्ली। नए साल 2026 फिल्म के दीवानों के लिए मजेदार रहने वाला है। इस साल कुछ बेहतरीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इन फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। कुछ फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर क्लैश भी देखने को मिलेगा। इन फिल्मों में रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से लेकर शाहिद कपूर की ओ रोमियो तक शामिल है।

जना नायकन और द राजा साहबः सबसे पहला क्लैश जनवरी के महीने में ही देखने को मिलेगा। ये क्लैश तमिल भाषा की फिल्म जना नायकन और तेलुगु भाषा की द राजा साहब के बीच होगा। दोनों फिल्में 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होंगी। जना नायकन में थलपति विजय लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, द राजा साहब में प्रभास और संजय दत्त नजर आएंगे।

हैप्पी पटेल : खतरनाक जासूस और मायासभाः 9 जनवरी के बाद 16 जनवरी को बॉक्स ऑफिस पर क्लैश होगा। हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म होगी। इस फिल्म से इमरान खान फिल्मों में कमबैक करेंगे। हैप्पी पटेल का क्लैश 16 जनवरी को राही अनिल बर्वे की फिल्म मायासभा से होगा। मायासभा एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म होगी।

तू या मैं और ओ रोमियो : शनाया कपूर और आदर्श गौरव की फिल्म तू या मैं और शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो का क्लैश होगा। ओ रोमियो को विशाल भरद्वाज डायरेक्ट कर रहे हैं। तू या मैं 14 फरवरी को रिलीज होगी। वहीं, शाहिद कपूर की ओ रोमियो 13 फरवरी को रिलीज होगी।

धुरंधर 2, टॉक्सिक और डकैत : 19 मार्च को बड़ा क्लैश देखने को मिलेगा। रणवीर सिंह की धुरंधर का पार्ट 2 इसी दिनी रिलीज होगी। साउथ के सुपरस्टार यश की टॉक्सिक और अनुराग कश्यप की फिल्म डकैत के बीच क्लैश देखने को मिलेगा।

भूत बंगला और आवारापन 2: 2026 में अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की भी क्लैश देखने को मिलेगी। अक्षय कुमार की भूत बंगला 2 अप्रैल को रिलीज होगी। वहीं, इमरान हाशमी की आवारापन 2 3 अप्रैल को रिलीज होगी।

नागजिला और लव एंड वॉरः लिस्ट में कार्तिक आर्यन की फिल्म नागजिला और रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विकी कौशल की फिल्म लव एंड वॉर है। दोनों फिल्में 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती हैं।

आने वाला हर दिन है अनमोल, आपकी सभी कोशिशें हों सफल

कमल हासन-चिरंजीवी और धनुष समेत इन साउथ स्टार्स ने दी नए साल की बधाई

नई दिल्ली। नए साल का स्वागत हो चुका है। हर कोई अपने-अपने तरीके से साल 2026 की शुभकामनाएं दे रहा है। इसी कड़ी में साउथ सिनेमा के तमाम स्टार्स भी अपने-अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दे रहे हैं। इस मौके पर सुपरस्टार रजनीकांत जहां अपने घर के बाहर आए और फैंस का अभिवादन स्वीकार करते हुए उन्हें नए साल की शुभकामनाएं दीं। वहीं, कई अन्य सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए फैंस को हैप्पी न्यू ईयर बोला है।

घर के बाहर खड़े फैंस से मिले रजनीकांत

तमिल सुपरस्टार रजनीकांत नए साल के मौके पर अपने घर के बाहर खड़े फैंस से आके मिले और उनका अभिवावदन किया। इस दौरान थलाइवा ने पहले हाथ हिलाकर फैंस का अभिवादन किया, उसके बाद दोनों हाथ जोड़कर फैंस को धन्यवाद बोला। इस दौरान भारी संख्या में घर के बाहर फैंस इकट्ठा नजर आए।

आपकी कोशिशें सफल हों

सुपरस्टार कमल हासन ने भी अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'एक और साल आने वाला है। पिछले साल से बेहतर, दयालु और समझदार बनने का एक और मौका। उत्कृष्टता एक निरंतर प्रक्रिया है। आपको नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। आने वाला हर दिन अनमोल है। आपकी सभी कोशिशें सफल हों और आपको खुशी दें।'

अल्लू अर्जुन ने फैंस का जताया आभार : 'पुष्पा' स्टार अल्लू अर्जुन ने भी अपने फैंस के लिए शुभकामनाएं भेजते हुए लिखा, 'जैसे-जैसे यह साल खत्म हो रहा है, मेरे मन में केवल कृतज्ञता है। इस सफर के लिए, इससे मिले सबक के लिए और मेरे चारों ओर मौजूद प्यार के लिए। मेरे प्रशंसकों हर पड़ाव पर मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद। आपका विश्वास मुझे हर दिन शक्ति और उद्देश्य देता है। उत्साह से आगे देख रहा हूं, आने वाले समय की शुरुआत के लिए तैयार हूं। नए साल 2026 की शुभकामनाएं।'

सकारात्मकता और एकजुटता से करें नए साल का स्वागत

मेगास्टार चिरंजीवी ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दीं। एक्टर ने लिखा, 'आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए इस वर्ष का स्वागत सकारात्मकता, आशा और एकजुटता के साथ करें और इसे सभी के लिए एक सुंदर साल बनाएं। नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं।'

इन स्टार्स ने भी दीं शुभकामनाएं

इसके अलावा साउथ के कई अन्य स्टार्स ने भी नए साल की शुभकामनाएं दीं। इनमें जूनियर एनटीआर, प्रभास, कार्थी, प्रकाश राज और रवि तेजा के नाम शामिल हैं।

धनुष ने फैंस को बताया अपनी ताकत

अभिनेता धनुष ने 2025 का आभार जताते हुए नए साल का स्वागत किया। अपने फैंस का आभार जताते हुए धनुष ने उन्हें अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया। इसके साथ ही उन्होंने सभी को खुशहाल, स्वस्थ और समृद्ध नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। धनुष ने अंत में 'ओम नमः शिवाय' के साथ अपनी शुभकामनाएं पूरी कीं।

विजय ने फोटोज के साथ दीं शुभकामनाएं

अभिनेता विजय देवरकोंडा ने अपने नए साल वेकेशन की कई तस्वीरें भी साझा कीं। इनमें वो अपने दोस्तों के साथ नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में नए साल की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं मेरे प्यारे दोस्तों। हम साथ-साथ आगे बढ़ें, ढेर सारी यादें बनाएं, अच्छे काम करें, प्यार, खुशी और जीवन को आगे बढ़ाएं। आप सभी को ढेर सारा प्यार।'

तीसरे विश्व युद्ध से लेकर आर्थिक संकट तक नास्त्रेदमस की डरावनी भविष्यवाणियां

पेरिस। भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस ने भविष्यवाणी की थी कि साल 2026 के मध्य से तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत हो सकती है। यह युद्ध आगे जाकर बेहद खतरनाक साबित होगा। धर्म और राष्ट्रवाद के नाम पर लोग एक-दूसरे की हत्या करेंगे। उन्होंने आगे अपनी भविष्यवाणी में कहा है कि समुद्री युद्ध एक बड़ी नौसेना या समुद्री घटना साल 2026 में दुनिया को हिलाकर रख सकती है। कोई बहुत बड़ा जहाज डूब सकता है या समुद्री युद्ध शुरू हो सकता है। उनका दावा था कि हो सकता है किसी देश की गलत हरकत से समुद्री तनाव अचानक बढ़ जाए और बड़े राष्ट्र आमने-सामने आ जाएं। नॉस्त्रेदमस के मुताबिक, जिस दिन जहाज समुद्र में गिरेगा, उस दिन महासागर की शक्ति से दुनिया की राजनीति में बदलाव हो जाएगा।

दुनिया में आर्थिक संकट – नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणी में कहा था कि साल 2026 में विश्व के बड़े देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह से समाज में अशांति फैल सकती है। लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ सकती है। इस बड़े संकट की वजह से दुनिया के कई बड़े नेताओं को पतन का सामना भी करना पड़ेगा।

प्राकृतिक आपदा– नास्त्रेदमस की एक और भविष्यवाणी के मुताबिक, साल 2026 में भीषण गर्मी से कई इलाकों में सूखा पड़ेगा। फिर अचानक इतनी भयंकर बारिश होगी कि जगह-जगह बाढ़ आ जाएगी। साल 2026 को तबाही का साल भी माना जा रहा है। इसमें अधिक बारिश, जल स्तर में वृद्धि और विनाशकारी बाढ़ आ सकती है। इससे पर्यावरण और लोगों को भारी नुकसान होगा।

परमाणु हमले की विष्यवाणी–

नास्त्रेदमस ने साल 2026 में परमाणु हमला, मानव अंतरिक्ष कार्यक्रमों के पतन की ओर इशारा किया है। कहा जा रहा है कि मंगल पर अंधेरा छा जाएगा, कोई बड़ा देश भी परमाणु हमले की तैयारी कर सकता है।

अंतरिक्ष का सबसे खतरनाक ज्वालामुखी अब उगल रहा पानी

वॉशिंगटन। ओलिंपस मॉन्स मंगल ग्रह के पश्चिमी हिस्से में भूमध्य रेखा के पास है। यह थारसिस नाम के एक बड़े ज्वालामुखी इलाके में आता है। यह ज्वालामुखी धरती के किसी भी पहाड़ से कहीं ज्यादा ऊंचा और चौड़ा है। इसकी ऊंचाई करीब 26 किलोमीटर तक जाती है। इसका फैलाव 600 किलोमीटर से भी ज्यादा है। इतना बड़ा होने के बावजूद यह ऊपर से देखने पर बहुत ज्यादा नुकीला नहीं लगता। इसके चारों तरफ कई किलोमीटर ऊंची गोल दीवार जैसी संरचना है। बीच में गहरे गड्ढों से भरा बड़ा सा गड्ढा मौजूद है जिसे कैल्डेरा कहा जाता है।

चोटी पर मिला पानी का फ्रॉस्ट

2024 में वैज्ञानिकों ने ओलिंपस मॉन्स की चोटी के पास पानी की बर्फ के हल्के संकेत देखे। यह बर्फ मौसम के साथ आती-जाती रहती है। मात्रा बहुत ज्यादा नहीं है लेकिन फिर भी यह करीब 60 ओलंपिक स्विमिंग पूल जितने पानी के बराबर मानी जा रही है। आग उगलने वाले ज्वालामुखी की चोटी पर पानी का होना वैज्ञानिकों के लिए हैरानी की बात है।

पहले कैसे दिखता था ओलिंपस मॉन्स

अंतरिक्ष यान पहुंचने से पहले धरती से टेलीस्कोप के जरिए मंगल पर एक चमकीला सा धब्बा दिखता था। वैज्ञानिकों ने उसे निक्स ओलंपिका या ओलिंपिक स्नो नाम दिया था। उन्हें लगता था कि यह कोई बर्फीली जगह है। 1971 में नासा के मेरिनर-9 यान ने साफ कर दिया कि यह बर्फ नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ा ज्वालामुखी है। दुनिया को मंगल के इस विशाल पहाड़ का असली आकार समझ में आया।

बिना टेक्टोनिक प्लेट्स के कैसे बढ़ा

धरती पर ज्वालामुखी प्लेटों की हलचल से बनते हैं। प्लेटें खिसकती रहती हैं इसलिए ज्वालामुखी ज्यादा देर एक जगह सक्रिय नहीं रहते। मंगल पर प्लेटें नहीं खिसकतीं हैं। ओलिंपस मॉन्स एक ही जगह पर लंबे समय तक लावे का स्रोत बना रहा था। लाखों साल तक बार-बार लावा निकलता रहा और पहाड़ बढ़ता ही चला गया था।

क्या यह ज्वालामुखी पूरी तरह मर चुका है

आज ओलिंपस मॉन्स से कोई विस्फोट नहीं हो रहा है, लेकिन यह पूरी तरह बहुत पुराना भी नहीं है। कुछ लावा बहाव करीब 2.5 करोड़ साल पुराने माने जाते हैं। जो ग्रहों के हिसाब से ज्यादा पुराना समय नहीं है। मंगल का पतला वातावरण और पानी की कमी इस ज्वालामुखी को ज्यादा घिसने नहीं देती इसलिए आज भी यह लगभग उसी हालत में नजर आता है।

● रोचक खबरें

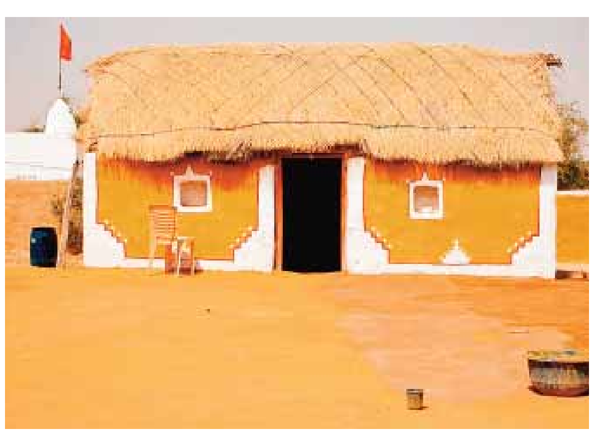

भारत का सबसे अनोखा गांव, जहां एक-दूसरे को अनोखे तरीके बुलाते से हैं लोग

नई दिल्ली। दुनिया में कई शहरों और गांवों को अनोखी वजहों से जाना जाता है। भारत में भी एक ऐसा ही गांव है, जिससे उसके अनोखे अंदाज के लिए जाना जाता है। हम आपको अपनी खबर में गांव की खासियत के बारे में बताते हैं। दुनिया में कोई ऐसा नहीं होगा जिसका नाम न हो। नाम से ही लोग एक दूसरे को बुलाते हैं। माता-पिता द्वारा दिए गए नाम से ही लोगों को पहचाना जाता है, लेकिन भारत के एक गांव में लोगों को नाम से नहीं, बल्कि एक धुन से बुलाया जाता है। भारत का यह अनोखा गांव। मेघालय राज्य में स्थित है, जहां लोग एक दूसरे को सीटी बजाकर बुलाते हैं। इसकी वजह से बच्चे के पैदा होने पर उसके नाम पर एक धून तय हो जाती है और यही उनका नाम हो जाता है। अब आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि बिना नाम लिए किसी को कैसे बुलाया जाता होगा? किसी को बुलाने के लिए क्यों सीटी बजानी होती है। भारत में मेघालय में स्थित यह गांव बिल्कुल अलग है। खासी पहाड़ी में स्थित गांव का नाम कांगथान है। इसकी अनोखी खासियत के लिए इस गांव को व्हिसलिंग विलेज भी कहा जाता है। गांव में बच्चा पैदा होने पर उसकी मां उसे एक अलग धुन बनाकर सुनाती है। धीरे-धीरे बच्चा धुन सुनकर पहचाना जाता है कि यह उसके नाम की धुन है। इसके बाद लोग उसे बुलाने के लिए सीटी बजाकर धुन का इस्तेमाल करते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट से यह धुन प्रभावित होती है। धुन को जिंग्रवई लॉबेई कहा जाता है। सोशल मीडिया पर आपको इसके कई वीडियो देखने को मिल जाएंगे। दरअसल, पहाड़ों के बीच सीटी की धुन गूंजती है, जिसके कारण लोगों को बुलाने के लिए लोग सीटी बजाकर एक-दूसरे को बुलाते हैं। ताकि, दूर तक आवाज गूंज जाए और उन्हें सुनाई पड़ जाए। यहां पर लोगों के नाम भी होते हैं, जो दस्तावेजों में लिखे जाते हैं। हालांकि, आमतौर पर उन्हें बुलाने के लिए सीटी का इस्तेमाल होता है। इसके पीछे का कारण बेहद दिलचस्प है।

इस रहस्यमयी जगह पर लोग आत्माओं से करते हैं बात

न्यूयार्क। वर्तमान समय में अगर कोई कहे कि वो आत्माओं से बात करता है, तो क्या आप इस बात पर विश्वास करेंगे। यकीनन कोई नहीं मानेगा, क्योंकि दुनिया में अंधविश्वास इतना ज्यादा बढ़ गया है कि कोई अगर सच भी कहे तो उस पर यकीन करना मुश्किल होगा, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताएंगे, जहां 1-2 लोग नहीं बल्कि वहां की आधी आबादी आत्माओं से बातें करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका का कासाडागा टाउन दुनिया के सबसे अजीबोगरीब शहरों में से एक है। इस शहर को 'साइकिक कैपिटल' के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि यहां रहने वाले ज्यादातर लोग मनोविज्ञान के जानकार हैं और वो मरे हुए लोगों की आत्माओं से बातें करने का दावा करते हैं। इस टाउन को न्यूयॉर्क के आध्यात्मिक गुरु जॉर्ज कॉल्बी ने साल 1875 में बसाया था। पहले यहां बहुत कम लोग थे, लेकिन बाद में धीरे-धीरे यहां दूसरे शहरों से भी लोग आकर बसने लगे और वो खुद भी आध्यात्मिक गुरु बन गए। वर्तमान समय में दर्जनों आध्यात्मिक गुरु हैं, जो आत्माओं से बातें करने का दावा करते हैं। उनका कहना है कि उनके अंदर ऐसी शक्ति मौजूद है, जिससे वह माध्यम बनकर या अन्य तरीकों से परलोक गए व्यक्तियों की आत्माओं से संपर्क कर सकते हैं। कहा जाता है कि हर साल यहां हजारों लोग बुरी आत्माओं से मुक्ति पाने के लिए आते हैं। इस शहर की अर्थव्यवस्था का ये एक प्रमुख आधार भी है। यहां के आध्यात्मिक गुरु दावा करते हैं कि वो टैरो कार्ड्स और हस्तरेखाओं को पढ़कर आत्माओं से संपर्क करते हैं।

आज रात धरती के बेहद करीब होगा चांद

नई दिल्ली। नए साल के शुरुआत में ही आपको आसमान में खास नजारा दिखने वाला है। 3 जनवरी को साल 2026 का पहला फुल मून दिखाई देगा। इसे वुल्फ मून कहा जाता है। यह लगातार चौथा सुपरमून होगा। इससे पहले अक्टूबर में हार्वेस्ट मून, नवंबर में बीवर मून और दिसंबर में कोल्ड मून सुपरमून के रूप में नजर आ चुके हैं। सुपरमून यानी आसमान में दिखने वाला चांद सामान्य से ज्यादा बड़ा और ज्यादा चमकदार दिखाई देगा। अगर मौसम साफ रहा तो यूके में लोग इस

क्या होता है सुपरमून

चांद जब धरती के सबसे करीब होता है और उसी समय पूर्णिमा होती है। उसे सुपरमून कहा जाता है। चांद की धरती के चारों ओर

घूमने की दूरी हर समय बराबर नहीं रहती है। जब यह करीब होता है तो दूरी लगभग 3 लाख 54 हजार किलोमीटर होती है। वहीं, जब दूर होता है तो करीब 402,336 किलोमीटर होती है। इसी वजह से सुपरमून के समय चांद ज्यादा बड़ा और ज्यादा चमकदार दिखता है। आमतौर पर साल में तीन या चार सुपरमून होते हैं, लेकिन चार सुपरमून लगातार आना थोड़ा खास माना जाता है।

2026 में 12 नहीं,13 बार दिखेगा फुल मून!

वुल्फ मून नाम क्यों पड़ा

पुराने समय में जब कैलेंडर नहीं होते थे, लोग मौसम और समय पहचानने के लिए चांद के नाम रखते थे। हर फुल मून का एक अलग नाम होता था। जैसे हार्वेस्ट मून, फ्लावर मून या हंटर मून आदि। जनवरी के फुल मून को वुल्फ मून कहा जाता है। माना जाता है कि सर्दियों में भेड़ियों की आवाजें ज्यादा सुनाई देती थीं, इसलिए ही यही नाम पड़ा होगा।

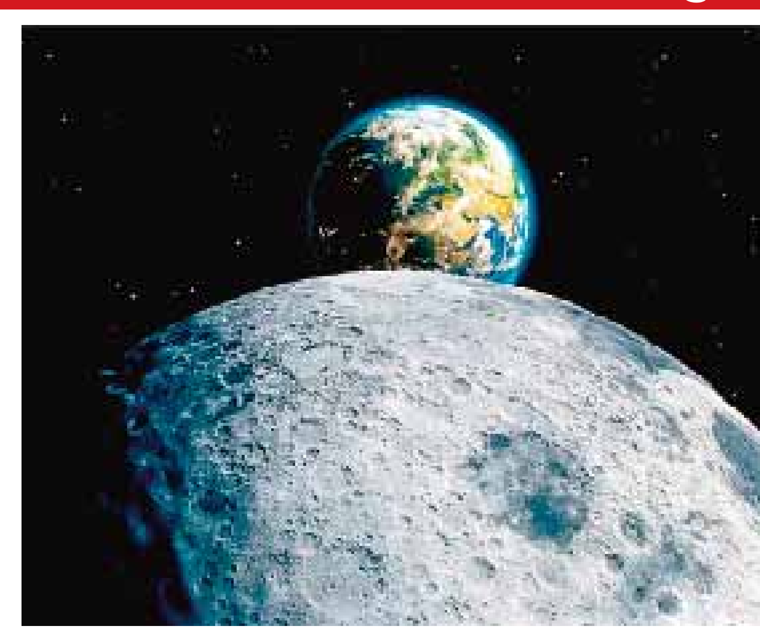

कब और कहां दिखेगा चांद

वुल्फ सुपरमून शनिवार यानी 3 जनवरी को आसमान में दिखाई देगा। भारतीय समयानुसार यह 4 जनवरी रविवार की सुबह 3 बजकर 33 मिनट पर पूरी तरह गोल दिखेगा। बता दें कि चांद पूरी रात दिखेगा ,लेकिन यह सबसे खूबसूरत तब लगता है जब यह शाम के समय क्षितिज के पास उगेगा। ब्रिटेन के अलग-अलग शहरों में इसके उगने का समय दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे के बीच रहेगा।

2026 क्यों है खास साल

साल 2026 इसलिए भी खास है क्योंकि इस साल 12 की जगह 13 फुल मून होने वाले हैं। मई महीने में दो बार पूर्णिमा पड़ेगी जिसे ब्लू मून कहा जाता है। इसी से 'ईद का चांद होना' वाला मुहावरा जुड़ा है। इसके अलावा नवंबर और दिसंबर में भी सुपरमून देखने को यह मिलने वाले हैं।

कैसा रहेगा मौसम

यूके में ज्यादातर तो आसमान साफ रहने की उम्मीद है। लोग वुल्फ मून देख सकेंगे। हालांकि नॉर्दर्न स्कॉटलैंड, पूर्वी इंग्लैंड और वेल्स के कुछ हिस्सों में बादल और बर्फबारी भी हो सकती है। तेज ठंडी हवा चल सकता है साथ ही शाम होते तापमान शून्य से नीचे जा सकता है।

चीन में आलू-टमाटर की तरह बिक रही चांदी, सड़कों पर रेहड़ी लगा रहे लोग

बीजिंग। जहां हर रोज सोने-चांदी की चमक आम बात हो, वहीं अगर 15 किलो की एक सिल्वर स्लैब सामने आ जाए, तो भीड़ का ठहरना तो बनता है। चीन के सबसे बड़े गोल्ड-ज्वेलरी हब शुइबेई से आई ये झलक इन दिनों सोशल मीडिया पर लोगों का खूब ध्यान खींच रही है। शेन्जेन के लुओहु डिस्ट्रिक्ट में बसा शुइबेई इलाका, चीन का सबसे बड़ा गोल्ड और ज्वेलरी हब माना जाता है। यहां हर दिन टन के हिसाब से सोना और चांदी खरीदी-बेची जाती है, लेकिन हाल ही में यहां बिक रही 15 किलो वजन की एसजीई सिल्वर स्लैब ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया।

चीन के सबसे बड़े ज्वेलरी बाजार में 15 किलो की चांदी

चीन का सबसे बड़ा गोल्ड-सिल्वर ट्रेड हब

शुइबेई इलाका, शेन्जेन के लुओहु डिस्ट्रिक्ट में स्थित है और इसे चीन का सबसे बड़ा सोना और आभूषण व्यापार केंद्र माना जाता है। देशभर के ज्वेलरी मैन्युफैक्चरर्स, होलसेल ट्रेडर्स और निवेशक यहीं से सोना-चांदी खरीदते हैं। यहां रोजाना बड़े पैमाने पर फिजिकल सिल्वर और गोल्ड की खरीद-बिक्री होती है, जिसमें भारी वजन की स्लैब्स का दिखना असामान्य नहीं, लेकिन आम लोगों के लिए ये दृश्य चौंकाने वाला जरूर होता है।

एसजीई सिल्वर स्लैब क्या होती है?

एसजीई का मतलब है शंघाई गोल्ड एक्सचेंज चीन की आधिकारिक और रेगुलेटेड कमोडिटी एक्सचें। एसजीई सिल्वर स्लैब एक तय शुद्धता (आमतौर पर 99.9%) की चांदी होती है।

दुनिया के वो 5 देश, जहां सोने से भरी हैं खदान

नई दिल्ली। इस समय दुनिया में सोने के दाम आसमान छू रहे हैं। भारत में तो लोग सोने में इन्वेस्ट करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में वो पांच देश कौन से हैं, जहां सबसे अधिक सोने की खदानें हैं? क्या इसमें भारत भी शामिल है? अगर नहीं तो भारत में इतना सोना आखिर आता कहां से है?

चीन

दुनिया का सबसे बड़ा गोल्ड प्रोड्यूसर है। चीन 2024 में 380 टन (कुछ रिपोर्ट्स में 370-380 एमटी) सोना निकालकर लिस्ट में टॉप पर है। शानदोंग , हेनान और भीतरी मंगोलिया जैसे प्रांतों में बड़ी-बड़ी सोने की खदानें हैं। सख्त एनवायरनमेंट रूल्स से छोटी माइंस बंद हो गई है, लेकिन बड़ी कंपनियां मर्जर से और एफिशिएंट हो गईं हैं। चीन घरेलू डिमांड (ज्वेलरी, टेक्नोलॉजी) पूरी करता है और एक्सपोर्ट भी करता है।

रूस

सैंक्शंस के बावजूद रूस नंबर 2 पर है। रूस ने 2024 में 310-330 टन सोना निकाला, खासकर साइबेरिया की ओलंपियाड जैसी जायंट माइंस से। रूस-यूक्रेन क्राइसिस और सैंक्शंस के बाद भी स्टेट-बैक्ड कंपनियां नॉन-वेस्टर्न मार्केट्स पर फोकस कर रही है। हार्श वेदर में भी वर्टिकल इंटीग्रेशन से प्रोडक्शन स्टेबल है।

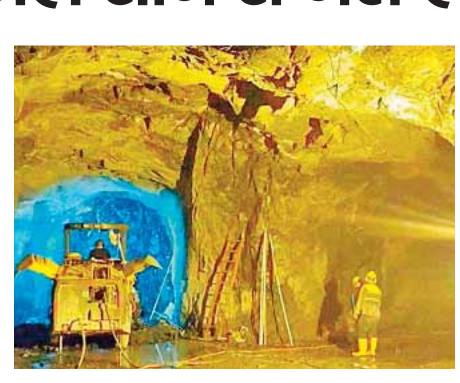

कनाडा: इन्वेस्टर-फ्रेंडली और ईएसजी स्टैंडर्ड्स इस देश में माइनिंग को आसान बनाती है। कनाडा ने 200 टन के करीब सोना निकाला सिर्फ ओंटारियो, क्यूबेक और ब्रिटिश कोलंबिया से। मजबूत पॉलिसी, अच्छी जियोलॉजी और एक्सप्लोरेशन से रिजर्व्स बढ़ रहे हैं। ये देश ग्लोबल एक्सपोर्ट में मजबूत है।

ऑस्ट्रेलिया

ये देश ओपन-पिट माइंस का बादशाह है। ऑस्ट्रेलिया ने 290-300 टन सोना प्रोड्यूस किया। है। बोडिंगटन और कैडिया जैसी ओपन-पिट माइंस दुनिया की सबसे माइंस है। यूएसजीएस के मुताबिक यहां दुनिया के सबसे बड़े रिजर्व्स हैं। स्टेबल रूल्स, अच्छी इंफ्रास्ट्रक्चर और एक्सप्लोरेशन से ये टॉप 3 में बना हुआ है।

अमेरिका

इस देश में गोल्ड माइनिंग में नेवादा का दबदबा है। अमेरिका ने 160-170 टन सोना प्रोड्यूस किया, जिसमें नेवादा का 75% हिस्सा है। अलास्का भी इसमें अहम योगदान देता है। बड़ी कंपनियां लॉन्ग-लाइफ माइंस चलाती हैं। रिफाइनिंग और एक्सपोर्ट भी बेहद मजबूत है।

पत्थर खाकर जिंदा रहता था ये जीव! रेगिस्तानी चट्टानों में मिली सुरंगों ने खोल दिया राज

बर्लिन। रेगिस्तान में चट्टानों के अंदर वैज्ञानिकों को सुरंगें मिली हैं। जिन्हें देखकर वे खुद हैरान रह गए हैं। ये सुरंगें इतनी छोटी हैं कि आंखों से सीधे दिखती भी नहीं। इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये सुरंगें किसी ऐसे सूक्ष्म जीव ने बनाई होंगी, जो अब इस दुनिया में मौजूद ही नहीं है। नामीबिया, ओमान और सऊदी अरब के रेगिस्तानी इलाकों में चूना पत्थर और संगमरमर की चट्टानों के अंदर ये अजीब सुरंगें पाई गई हैं। ये सुरंगें जमीन की सतह पर नजर नहीं आतीं हैं। चट्टानों को काटने पर इनके साफ निशान दिखते हैं। वैज्ञानिकों की रिसर्च अब इस ओर इशारा कर रही है कि कभी धरती के अंदर ऐसी जिंदगी रही होगी जो पत्थर को ही खाकर जिंदा थी।

पहली बार कैसे हुई खोज

15 साल पहले जर्मनी की जोहान्स गुटेनबर्ग यूनिवर्सिटी के भूवैज्ञानिक सीस पास्कियर ने रेगिस्तान की संगमरमर चट्टानों में पतली-पतली सीधी लकीरें देखीं थीं। जांच में पता चला कि ये लकीरें असल में बहुत छोटी सुरंगें हैं। चौड़ाई करीब आधा मिलीमीटर। गहराई तीन सेंटीमीटर तक है। ऐसी ही संरचनाएं दूसरे रेगिस्तानी इलाकों में भी पाई गईं।

क्यों हैरान हुए वैज्ञानिक

वैज्ञानिक इसलिए हैरान हैं, क्योंकि ये सुरंगें न तो टूट-फूट से बनी लगती हैं। न ही किसी प्राकृतिक दबाव का नतीजा हैं। हर सुरंग सीधी खड़ी हैं। एक जैसी दूरी पर है। एक तय गहराई तक ही जाती है। ये अक्सर चट्टानों की दरारों से शुरू होती हैं, जैसे किसी ने कमजोर जगह देखकर वहीं से काम शुरू किया हो।

जीवन के होने के संकेत

रिसर्चर्स ने पहले यह जांचा कि कहीं ये पानी, हवा या जमीन के हिलने से तो नहीं बनीं हैं। सभी गैर-जीव कारणों को खारिज कर दिया गया। इसके बाद वैज्ञानिकों को शक हुआ कि इसका कारण कोई जीव हो सकता है। सीस पास्कियर का कहना है कि अभी तक पता नहीं चल पाया है कि यह कौन सा जीव था।

सुरंगों के अंदर क्या मिला

सुरंगों के अंदर एक पतली परत मिली है। वह आसपास की चट्टान से अलग थी। इसमें लोहे, मैंगनीज और कुछ दूसरे तत्व बहुत कम मात्रा में थे। इससे साफ हुआ कि यह किसी चुनिंदा प्रोसेस का नतीजा है। इसके अलावा कार्बन और ऑक्सीजन के निशान भी अलग तरह के मिले हैं, जो बताते हैं कि यहां कभी जैविक गतिविधि हुई थी।

पत्थर खाने वाला जीव

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी नाम की जांच में सुरंगों के अंदर जले हुए जैविक कणों के निशान पाए गए हैं। साथ ही फॉस्फोरस और सल्फर भी पाए गए। यह आमतौर पर जीवों की कोशिकाओं में होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव पत्थर को घोलने वाले अम्ल छोड़ता था और आगे बढ़ता जाता था। बता दें कि इन सुरंगों की सबसे हैरान करने वाली बात इनका पैटर्न है। कोई भी सुरंग दूसरी को काटती नहीं है। सब एक-दूसरे से दूरी बनाकर चलती हैं। इससे लगता है कि ये सूक्ष्म जीव किसी तरह आसपास के माहौल को महसूस कर रहे थे। पहले से बनी जगहों से बचते थे। वहीं, कुछ सुरंगों में परत-दर-परत जमा हुआ मलबा भी मिला है। यह पेड़ों के छल्लों जैसा दिखता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह मौसम के बदलने या नमी में फर्क का संकेत हो सकता है। इससे लगता है कि यह जीव लंबे समय तक यहां मौजूद रहा होगा। हालांकि, अब वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खोज सिर्फ एक रहस्य नहीं, बल्कि धरती के पुराने इतिहास की झलक है। इससे यह समझने में मदद मिल सकती है कि जीवन किस तरह चट्टानों और धरती की बनावट को बदल सकता है।

चांद की गुफाओ में घुसकर करेगा खोज, जहां इंसान नहीं पहुंचा; वहां जाएगा रोबोट

सियोल। दक्षिण कोरिया ने चांद की उन जगहों तक पहुंचने के लिए एक खास रोबोट बनाया है, जहां अब तक इंसान या कोई मशीन नहीं पहुंच पाई है। यह रोबोट चांद की गुफाओं और गहरे गड्ढों में उतरकर जांच करने के लिए बनाया गया है। बता दें, इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह बेहद कठिन हालात में भी काम करता रहे। दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने चांद पर खोज के लिए एक अनोखा और मजबूत रोबोट बनाया है। यह रोबोट कोरिया एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी यानी केएआईएसटी की टीम ने बनाया है। इसका मकसद चांद की उन छुपी हुई गुफाओं और गड्ढों को खोजना है। यह उन गड्ढों को खोजेगा जिनके बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी नहीं है। वैज्ञानिक मानते हैं कि भविष्य में ये गुफाएं इंसानों के रहने या सुरक्षित ठिकाने के तौर पर काम आ सकती हैं।

चांद की गुफाओं के लिए डिजाइन

इस रोबोट को खास तौर पर चलने-फिरने में सक्षम और झटके सहने वाला बनाया गया है। चांद की सतह ऊबड़-खाबड़ है। वहां धूल भी बहुत ज्यादा है। ऐसे में आम रोबोट वहां फंस सकते हैं या खराब हो सकते हैं। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए इस रोबोट का ढांचा मजबूत होने के साथ-साथ लचीला भी रखा गया है।

पहियों की बनावट

रोबोट की सबसे खास चीज इसके पहिए हैं। ये पहिए घुमावदार धातु की पट्टियों से बने हैं। ये पहिए जरूरत के हिसाब से छोटे और बड़े हो सकते हैं। सामान्य हालत में इनका आकार करीब 9 इंच होता है वहीं फैलने पर ये लगभग 19.6 इंच तक के हो जाते हैं। बड़े होने पर ये जमीन पर बेहतर पकड़ बनाते हैं। धूल भरी या टेढ़ी-मेढ़ी सतह पर भी आसानी से चल पाते हैं। छोटे होने पर ये रोबोट को संकरी गुफाओं में जाने में भी काफी मदद करते हैं।

कठिन टेस्ट में भी रहा मजबूत

रोबोट को धरती पर बेहद सख्त हालात में टेस्ट किया गया। इसे 200 मिलीमीटर तक ऊंची चट्टानों पर चढ़ाया गया। चांद जैसी मिट्टी पर चलाया गया। इसे ऐसे झटकों का सामना कराया गया जैसे चांद की गुरुत्वाकर्षण में 100 मीटर की ऊंचाई से गिराया गया हो। इसके अलावा इसे ड्रोन से गिराया गया. आग के सामने रखा गया। साथ ही बहुत ठंडे तापमान में भी टेस्ट किया गया। सभी टेस्ट के दौरान इसके पहिए सुरक्षित रहे और सही तरीके से काम करते रहे। कार्बन स्टील से बने ये पहिए हल्के होने के साथ-साथ काफी मजबूत भी हैं। यह झटकों को आसानी से झेल सकते हैं।

पहले के मॉडल से अलग सोच

वैज्ञानिकों ने बताया कि पहले इस्तेमाल होने वाले कुछ रोबोट पहियों में जोड़ या मोड़ वाले डिजाइन होते थे जो चांद की सतह पर जल्दी खराब हो सकते हैं। हालांकि इस नए डिजाइन में ऐसे हिस्से नहीं हैं। जिस वजह से इसके टूटने का खतरा कम हो जाता है। यही कारण है कि इस रोबोट को ज्यादा भरोसेमंद माना जा रहा है।

क्या है भविष्य की योजना?

वैज्ञानिक आगे चलकर एक बड़े मिशन की योजना बना रहे हैं। इसमें एक बड़ा रोवर कई छोटे रोबोट्स को अपने साथ लेकर जाएगा। ये बड़ा रोवर चांद के गड्ढे के किनारे तक पहुंचेगा। फिर छोटे रोबोट्स को नीचे उतारेगा। ये छोटे रोबोट अपने फैलने वाले पहियों की मदद से सुरक्षित तरीके से नीचे उतरेंगे और गुफाओं के अंदर की जानकारी जुटाएंगे। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन पहियों की लचक और मजबूती की वजह से रोबोट गिरने के बाद भी सही सलामत रहेगा और अपना काम कर पाएगा। यह तकनीक चांद की उन जगहों को समझने में मदद कर सकती है, जहां भविष्य में इंसान कदम रख सकता है।

धरती चुपचाप सूख रही! हर साल 28 करोड़ लोगों का पानी गायब

वॉशिंगटन। धरती के बड़े हिस्से तेजी से सूखते जा रहे हैं। इसे वैज्ञानिक भाषा में कॉन्टिनेंटल ड्राइंग कहा जाता है। महाद्वीपों पर मीठे पानी की लगातार कमी होता जा रही है। यह समस्या अब सिर्फ किसी एक इलाके तक सीमित नहीं रही बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है।

समंदर निगल रहा मीठा जल, प्यास से खत्म होगी आबादी?

क्यों सूख रही है धरती

एक रिपोर्ट के मुताबिक महाद्वीपों से पानी खत्म होने के कई कारण हैं। बर्फ और ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। जमी हुई जमीन यानी परमाफ्रास्ट टूट रही है। गर्मी बढ़ने से पानी ज्यादा उड़ रहा है। साथ ही सबसे बड़ा कारण है जमीन के नीचे के पानी का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। इस रिपोर्ट में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बर्फ के पिघलने को शामिल नहीं किया गया है।

समुद्र का बढ़ता स्तर

अब महाद्वीप बर्फ की चादरों से भी ज्यादा समुद्र का स्तर बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। हर साल करीब 11.4 ट्रिलियन क्यूबिक फीट पानी जमीन से निकलकर समुद्र में जा रहा है। यह मात्रा इतनी है कि इससे 28 करोड़ लोगों की सालभर की जरूरत पूरी हो सकती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक हर सेकंड चार ओलंपिक साइज स्विमिंग पूल जितना पानी समुद्र में पहुंच रहा है।

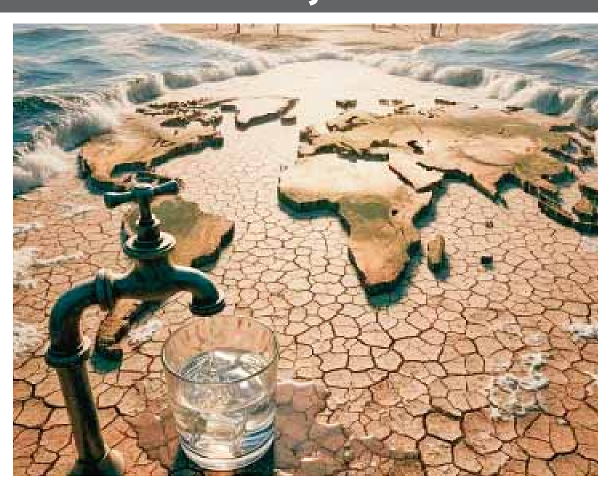

कैसे जुटाया गया डेटा

यह रिपोर्ट 4 नवंबर को वर्ल्ड बैंक ने जारी की है। इसमें नासा के **GRACE** मिशन के 22 साल के आंकड़े शामिल हैं जो धरती के गुरुत्वाकर्षण में होने वाले छोटे बदलावों से पानी की हलचल को मापता है। इसके साथ ही 20 साल के आर्थिक और जमीन के इस्तेमाल से जुड़े आंकड़ों को भी शामिल किया गया है।

पर्यावरण पर असर

पानी की कमी से जंगलों में आग लगने का खतरा भी बढ़ रहा है। दुनिया के 36 जैव विविधता वाले इलाकों में से कम से कम 17 जगहों पर मीठा पानी घट रहा है। आग का खतरा बढ़ चुका है। इसमें मेडागास्कर, दक्षिण-पूर्व एशिया और ब्राजील के कुछ हिस्से शामिल हैं।

सूखे इलाकों पर ज्यादा मार

रिपोर्ट बताती है कि हर साल औसतन 3 फीसदी बारिश से मिलने वाला पानी महाद्वीपों से खत्म होता जा रहा है। सूखे और अर्ध-सूखे इलाकों में यह आंकड़ा 10 फीसदी तक पहुंच जाता है। दक्षिण एशिया जैसे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। हालात और बिगड़ रहे हैं। अलग-अलग सूखे इलाके अब मिलकर बड़े मेगा ड्राइंग क्षेत्रों में बदलते जा रहे हैं। इसका सीधा असर खेती और रोजगार पर पड़ रहा है।

सबसे बड़ा कारण क्या है?

जमीन के नीचे से पानी निकालना सबसे बड़ा कारण है। ज्यादातर देशों में भूजल की सही निगरानी नहीं है, इसलिए सालों से इसका बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है। जलवायु बदलाव के चलते जैसे-जैसे दुनिया गर्म और सूखी होगी, जमीन के नीचे के पानी पर दबाव और बढ़ेगा. रिपोर्ट के अनुसार, खेती दुनिया के कुल पानी इस्तेमाल का 98 फीसदी हिस्सा लेती है। अगर खेती में पानी का सही इस्तेमाल किया जाए तो बहुत सारा पानी बचाया जा सकता है।

वर्चुअल वाटर ट्रेड

दुनिया स्तर पर वर्चुअल वाटर ट्रेड भी एक बड़ा समाधान हो सकता है। इसका मतलब है कि देश पानी से जुड़ी चीजें जैसे अनाज या दूसरी फसलें आयात-निर्यात के जरिए एक-दूसरे से पानी का बोझ बांटते हैं। साल 2000 से 2019 के बीच दुनिया में पानी का इस्तेमाल 25 फीसदी बढ़ा है। इसमें से एक-तिहाई बढ़ोतरी उन इलाकों में हुई जो पहले से सूख रहे थे। कई देशों ने ज्यादा पानी वाली फसलों की खेती बढ़ा दी है। बता दें कि सही तरीके से किया गया वर्चुअल वाटर ट्रेड बहुत पानी बचा सकता है। हालांकि रिपोर्ट कहती है कि अगर पानी की मांग को सही तरीके से संभाला जाए पानी को रीसायकल और डिसैलिनेशन के जरिए बढ़ाया जाए साथ ही सही बंटवारा किया जाए तो हालात सुधरे जा सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही नीतियां, नई तकनीक और लंबे समय की सोच से मीठे पानी का टिकाऊ इस्तेमाल मुमकिन है।

सोलिस ने दमोह और कटनी में किसान बैठकों से स्थाई खेती को दिया बढ़ावा

जबलपुर। इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड के प्रमुख ब्रांड सोलिस ने अपनी सीएसआर पहल के तहत बी-एबल फाउंडेशन के सहयोग से मध्य प्रदेश के दमोह और कटनी जिलों में 18 व 19 दिसंबर 2025 को किसान बैठकों का आयोजन किया। इन बैठकों में 620 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मिट्टी की सेहत, बेहतर बीज बोने की तकनीक, जल प्रबंधन, वर्मीकम्पोस्टिंग, मशरूम उत्पादन तथा आधुनिक ड्रोन तकनीक और उन्नत कृषि यंत्रों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। किसानों को व्यावहारिक जानकारी और लाइव प्रदर्शन के माध्यम से आधुनिक व टिकाऊ खेती के तरीकों से अवगत कराया गया। इस पहल से खेती की लागत में लगभग 10 प्रतिशत की कमी और फसल उत्पादकता में 10–12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। सोलिस की यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ग्रीनलैंड के समुद्र तल में मिला दुनिया का सबसे गहरा गैस हाइड्रेट

नुउक। ग्रीनलैंड के पास समुद्र तल से गहरा फ्रेया गैस हाइड्रेट मिला है, जो मीथेन और अन्य रसायनों से जीवन से भरा हुआ है। यह खोज आर्कटिक समुद्री पारिस्थितिकी और कार्बन चक्र की समझ को बदलती है और भविष्य में संरक्षण की आवश्यकता दिखाती है। ग्रीनलैंड के पश्चिमी सागर तल से गहरा प्राकृतिक गैस हाइड्रेट खोजा गया है, जो अब तक का सबसे गहरा माना जा रहा है। इसे फ्रेया गैस हाइड्रेट माउंड्स कहा गया है और यह अजीब तरह के समुद्री जीवों से भरा हुआ है। इस खोज के दौरान शोधकर्ताओं ने पानी की सतह में गैस के बुलबुले देखे, जिससे उन्हें नीचे छिपे इस अद्भुत संरचना का पता चला है। यूआईटी आर्कटिक यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्वे की टीम और अन्य सहयोगियों के नेतृत्व में महासागर जनगणना आर्कटिक डीप एक्सट्रीम24 अभियान में यह खोज हुई है। उन्होंने रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल भेजकर माउंट्स के नमूने लिए।

आईडीए की फैशन स्टूडेंट्स ने दिल्ली में लहराया परचम

जबलपुर। इंटरनेशनल डिजाइन एकेडमी (आईडीए) विजयनगर, जबलपुर के फैशन स्टूडेंट्स ने दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फैशन शो में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर टीम को 35 हजार रुपये का कैश प्राइज और इटली के मिलान फैशन वीक में सहभागिता का अवसर मिला। दिल्ली में हुए इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में देशभर की 15 फ्रेंचाइज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जबलपुर के स्टूडेंट्स ने करीब 150 सस्टेनेबल गारमेंट्स रैंप पर शोकेस किए, जिनमें ट्रेडिशनल और वेस्टर्न आउटफिट शामिल रहे। शो की चीफ गेस्ट प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर अंजू मोदी रहीं, जिन्होंने विद्यार्थियों को इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन प्रदान किए। आईडीए जबलपुर की डायरेक्टर बतुल अली के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने फैशन के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया, जिसकी खूब सराहना हुई। इस सफलता से जबलपुर के फैशन विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर शहर का नाम रोशन किया है।

दुनिया के पांच अजोबीगरीब जीव, जिनके बारे में जानकर चौंक जाएंगे आप

नई दिल्ली। दुनिया में कई तरह के जीव-जंतु पाए जाते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, दुनिया में जीव-जंतुओं की करीब 87 लाख से ज्यादा प्रजातियां हैं, लेकिन इनमें से कई की पहचान अभी भी बाकी है। हम आपको अपनी खबर में आज पांच ऐसे ही जीवों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें दुनिया अजीबोगरीब मानती है यानी वो दिखने में बाकी जीवों से बिल्कुल अलग हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं, जिन्हें शायद ही आपने पहले कभी देखा हो।

अकारी बंदर

आपने बंदर तो बहुत देखे होंगे, लेकिन शायद ही आपने ऐसा देखा होगा। वैसे तो धरती पर बंदर की कई प्रजातियां हैं, लेकिन यह बहुत ही अलग किस्म का बंदर है। इन्हें 'अकारी बंदर' कहा जाता है। इनका शरीर पूरी तरह बालों से ढंका होता है और चेहरा बिल्कुल लाल रंग का होता है। इसके अलावा इनका सिर गंजा होता है। ये दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप में पाए जाते हैं।

गॉब्लिन शार्क

इन्हें 'भूतिया शार्क' भी कहा जाता है। इनका डरावना चेहरा, भयानक आंखें और खतरनाक जबड़ा किसी को भी डराने के लिए काफी हैं। यह शार्क की बिल्कुल अलग, लेकिन दुर्लभ की प्रजाति है। समुद्र में इनकी मौजूदगी के बारे में सबसे पहले साल 1897 में पता चला था। इसे जापान में पकड़ा गया था।

बैंगनी मेंढक

शायद ही आपने कभी बैंगनी रंग का मेंढक देखा होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह मेंढक दिखता ही बहुत कम है। यह अपनी जिंदगी का ज्यादातर समय जमीन के नीचे ही बिताता है। इसे साल 2003 में खोजा गया था। बैंगनी मेंढक सिर्फ भारत के पश्चिमी घाट में ही पाए जाते हैं। साल 2008 में इसे दुनिया के 20 सबसे अजीबोगरीब जीवों की सूची में शामिल किया गया था।

डंबो ऑक्टोपस

डंबो ऑक्टोपस समुद्र की गहराइयों में रहता है। इसे पंखों की तरह दिखने वाले बड़े कान की वजह से जाना जाता है। इनकी आंखों के पंख होते हैं, जिसे देखकर पहचान की जा सकती है। समुद्र के सबसे नीचे रहने वाली प्रजातियों में से एक डंबो ऑक्टोपस भी हैं। यह ऐसे वातावरण में रहते हैं, जहां जमा देने वाली ठंड होती है और दबाव काफी अधिक होता है। यह अपने पंखों के फड़फड़ाकर ही तैरते हैं।

सॉफ्ट शेल कछुआ

आमतौर पर कछुओं का खोल काफी सख्त होता है, लेकिन यह दुनियाभर में पाए जाने वाले सभी कछुओं से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इनका खोल सख्त होने के बजाए बहुत ही मुलायम होता है। भारत में ये गंगा नदी में पाए जाते हैं। ये अपना ज्यादातर समय पानी में ही बिताते हैं। इनकी सबसे बड़ी खूबी है कि ये अपनी त्वचा से भी सांस ले सकते हैं।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

किरिश का गाना सुनेगा? रातों-रात स्टार बना जमशेदपुर का पिंटू

जमशेदपुर। जमशेदपुर के पिंटू प्रसाद बने 'वायरल बॉय धूम। 'किरिश का गाना सुनेगा' वीडियो ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। सोशल मीडिया पर एक साधारण सा वीडियो आज करोड़ों दिलों की धड़कन बन गया है। झारखंड के जमशेदपुर के रहने वाले पिंटू प्रसाद ने जब अचानक से 'किरिश का गाना सुनेगा ले बेटा' कहकर कृष फिल्म का हिट गाना 'दिल ना दिया' गुनगुनाया, तो किसी ने नहीं सोचा था कि यह लाइन इंटरनेट पर मीम्स और रील्स का सबसे बड़ा ट्रेंड बन जाएगी। अब लोग उन्हें प्यार से 'वायरल बॉय धूम' कह रहे हैं। 32 वर्षीय पिंटू प्रसाद जमशेदपुर, झारखंड के रहने वाले हैं। बचपन में ही माता-पिता का साया खो दिया और जिंदगी संघर्षों से भरी रही। कठिन हालातों में भी उनकी मस्तीभरी अदाएं और जोशीला अंदाज लोगों को भा गया। पिंटू ने पेट पालने के लिए कभी कचरा बटोरा। कभी शौचालय साफ किए और कभी मृत जानवरों को उठाने का काम किया। गरीबी और अकेलेपन के बीच उनकी बहन ही सबसे बड़ी ताकत बनी. एक अनजाने पल में रिकॉर्ड हुआ वीडियो, जिसमें उन्होंने 'किरिश का गाना सुनेगा ले बेटा' कहकर नाचते-गाते हुए गाना शुरू किया। उनकी ऊर्जा और एक्सप्रेशन ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। यही क्लिप सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई।

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष – आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न

मिथुन – किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क – जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक – मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु – आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर – क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ – मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन – पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

शब्द पहेली - 6097

बाएँ से दाए-
1.फिसलना-4
5.गुनाह,जुर्म-4
8.नाव चलानेवाला-3
9.लड़ी,श्रंखला -2
11.ईर्ष्या,डाह-3
12.उद्देश्य,वजह-4
14.भोजन-2
15.थकावट-3
17.जी,चित-2
19.मंत्र पढ़ना-2,3
22.राजपुत्र,राज कुंवर-2,3
25.यात्रा करनेवाला-2
26.समझौता,संधि-3
27.ईसाई साध्वी-2
28.मनमुटाव-4
30.नौकर-3
31.बदला-2
33.गर्भ,कोख-3
35.रुआफ-4
36.सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2.लम्हा,क्षण-2
3.नामित,मनोनीत-4
4.रनिवास,हरम-5
5.बुद्धि-3
6.गोंद,लाख-2
7.हृदयगति,स्पंदन- 4
10.विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13.शिक्षा,पाठ-3
16.कालिख,कालापन-3
17.इंकार,मनाही-2
18.झंडा,पताका-2
20.चौकसी, रखवाली-3
21.मोटा आटा, सूजी -2
22.निशा,रात-2
23.अच्छे कुल का-3
24.प्रस्थान,विदा-4
25.यान चलाने वाला-2,3
26.सुंदरी,षोडशी, कुमारी-4
28.प्रार्थना,मनोकामना-4
29.गरल,विष-3
32.ताला (अंग्रेजी-2)
34.पात्र,थापा,संचक, डाई -2

शब्द पहेली -6096 का हल

सूडोकू नवताल - 6107

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6106 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

महंगाई की आग में उबल रहा ईरान!

हिंसक हुए प्रदर्शन, 6 की मौत, खामेनेई के खिलाफ विद्रोह!, 30 गिरफ्तार

ईरान में ये मौतें उन तीन शहरों में हुईं, जहां मुख्य रूप से लूर जातीय समूह के लोग रहते हैं। इनमें से एक मौत बुधवार को जबकि 5 लोग गुरुवार को मारे गए। सबसे ज्यादा हिंसा ईरान के लोरेस्तान प्रांत के एक शहर अजना में हुई। यह तेहरान से लगभग 300 किमी दक्षिण-पश्चिम में है।

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान में आर्थिक संकट के बीच जनता सड़क पर उतर आई है। राजधानी तेहरान से लेकर देश के कई शहरों और ग्रामीण हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ विरोध के स्वर तेज हैं। देश की मुद्रा में लगातार गिरावट, भारी महंगाई और रोजगार के मुद्दे पर लोग उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं।

पूरे देश में सड़कों पर सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुई हैं, जिसमें कई लोगों के मारे जाने की खबर है। इन प्रदर्शनों में कम से कम छह लोग मारे गए हैं। गुरुवार को नए साल की शुरुआत पर प्रदर्शन ईरान के ग्रामीण इलाकों में फैल गए।

सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों की बीच झड़पें हो रहीं

यूनिवर्सिटी के छात्र तेहरान की सड़कों पर उतर आए

सड़कों पर प्रदर्शन करते ईरानी नागरिक

रजा पहलवी के समर्थन में नारेबाजी

यूनिवर्सिटी के छात्र तेहरान की सड़कों पर उतर आए और तानाशाह मुर्दाबाद के नारे लगाए। साथ ही उन्होंने दिवंगत शाह मोहम्मद रजा पहलवी के बेटे रजा पहलवी के समर्थन में भी नारे लगाए। वहीं, अमेरिका में निर्वासन में रह रहे रजा पहलवी ने एक्स पर लिखा, मैं आपके साथ हूं। जब तक यह सरकार सत्ता में रहेगी, देश की आर्थिक स्थिति खराब होती रहेगी।

सबसे ज्यादा हिंसा लोरेस्तान प्रांत में

ईरानी मीडिया ने बताया है कि तेहरान के पश्चिमी इलाके में अधिकारियों ने शांति व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ये मौतें तीन शहरों में हुईं, जहां मुख्य रूप से ईरान के लूर जातीय समूह के लोग रहते हैं। इनमें से एक मौत बुधवार को जबकि 5 लोग गुरुवार को मारे गए। सबसे ज्यादा हिंसा ईरान के लोरेस्तान प्रांत के एक शहर अजना में हुई।

ट्रंप ने ईरान को चेताया

प्रदर्शनकारियों पर हिंसा का मुंहतोड़ जवाब मिलेगा

डोनाल्ड ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार कोसोशल मीडिया पर अपने एक पोस्ट में लिखा कि अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, जो कि उनकी आदत है, तो संयुक्त राज्य अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हम पूरी तरह से तैयार हैं। ट्रंप ने बिना ज्यादा जानकारी दिए लिखा कि हम पूरी तरह तैयार हैं और जाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप की चेतावनी के कुछ ही समय बाद, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी और पूर्व पार्लियामेंट स्पीकर अली लारीजानी ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि इजरायल और अमेरिका इन प्रदर्शनों को भड़का रहे हैं।

खबर संक्षेप

जर्मनी में आग से बचने कूदा, इलाज के दौरान मौत

बर्लिन। नए साल के जश्न के दौरान तेलंगाना के जंगांव जिले के हतिक छात्र की जर्मनी में मौत हो गई। हतिक उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी गया था। वह जिस अपार्टमेंट में रहता था, उसमें 31 दिसंबर की रात को आग लग गई। जिसके बाद उसने आग से जान बचाने की कोशिश में छलांग लगा दी, इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान थोकला हतिक रेड्डी के रूप में हुई है। घटना के बाद से हतिक के गांव में मातम छाया हुआ है, परिवार के सदस्य, दोस्त और स्थानीय निवासी छात्र की मृत्यु पर शोक व्यक्त कर रहे हैं।

दो सिंगापुरवासी संसद सदस्य मनोनीत होंगे

सिंगापुर। समुदाय और समाज के लिए अपने योगदान से ख्याति अर्जित करने वाले भारतीय मूल के दो व्यक्ति अगले सप्ताह संसद सदस्य मनोनीत किए जाने वाले हैं। ये दोनों उन नौ नामों में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति टी. शनमुगरत्नम ने 8 जनवरी को मनोनीत संसद सदस्य (एनएमपी) घोषित किया था और वे इस महीने संसद के अगले सत्र में शपथ लेंगे। नेशनल यूनिवर्सिटी पॉली क्लीनिक्स के फैमिली फिजिशियन डॉ. हरीश सिंगाराजू और अमलगमेटेड यूनियन आफ पब्लिक इम्प्लॉइज के महासचिव संजीव कुमार तिवारी का नाम शामिल है।

आतंकवाद पर विदेश मंत्री जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर साधा निशाना

भारत को बुरे पड़ोसियों से अपना बचाव करने का अधिकार... कोई अन्य देश यह तय नहीं करेगा

जयशंकर ने कहा कि हमारे अधिकतर पड़ोसी देश ये मानते हैं कि भारत का विकास उनके लिए अच्छा है। अगर भारत विकास करेगा तो हमारे सभी पड़ोसी भी हमारे साथ आगे बढ़ेंगे। यही बात मैं बांग्लादेश के लिए कहना चाहता हूं। बांग्लादेश के साथ भारत के अच्छे रिश्ते रहे हैं

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत आत्मरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करेगा और कोई भी दूसरा देश ये तय नहीं कर सकता कि भारत अपने बचाव में क्या करेगा और क्या नहीं। आईआईटी मद्रास में आयोजित 'शस्त्र 2026-आईआईटी मद्रास टेक्नो-एंटरटेनमेंट फेस्ट' के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा के लिए वो सबकुछ किया जाएगा, जो भी करने की जरूरत होगी।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. जयशंकर से भारत की विदेश नीति को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'आपके पड़ोसी बुरे भी हो सकते हैं। अगर हम पश्चिम की तरफ देखें तो पता चलता है कि दुर्भाग्य से हमारे साथ भी ऐसा है। अगर कोई देश जानबूझकर और लगातार आतंकवाद फैलाता है तो हमारे पास भी आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा का अधिकार मौजूद है और हम उसका इस्तेमाल भी करेंगे, लेकिन ये हम पर है कि हम इसका कैसे इस्तेमाल करते हैं। कोई हमें ये नहीं बता सकता कि क्या करना चाहिए या क्या नहीं। अपनी सुरक्षा के लिए हम वो सबकुछ करेंगे, जो हमें करना चाहिए।

श्रीलंका को 4 अरब डॉलर की मदद की

अच्छे पड़ोसियों को पहले वैक्सीन दी

आईआईटी मद्रास के कार्यक्रम में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर

अच्छे पड़ोसियों की भारत मदद करता है

जयशंकर ने कहा कि जब हम अपने पड़ोसी देशों को देखते हैं, तो जो भी हमारे अच्छे पड़ोसी देश हैं, हम वहां निवेश करते हैं, उन देशों की मदद करते हैं। कोरोना के समय में भी हमारे पड़ोसियों को सबसे पहले वैक्सीन की मदद हमने ही की थी। श्रीलंका भी जब आर्थिक संकट से घिरा तो भारत ने ही उसकी मदद की और उसे चार अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी। रीलंका में एक तूफान आया, हम उसी दिन वहां पहुंचे और सभी बचाव कार्य किए। हमारे अधिकतर पड़ोसी देश ये मानते हैं कि भारत का विकास उनके लिए अच्छा है। अगर भारत विकास करेगा तो हमारे सभी पड़ोसी भी हमारे साथ आगे बढ़ेंगे। यही बात मैं बांग्लादेश के लिए कहना चाहता हूं।

आतंकवाद और पानी एक साथ साझा नहीं हो सकता

पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए एस जयशंकर ने कहा कि कई साल पहले हम जल बंटवारा समझौते पर सहमत हुए थे, लेकिन अगर आप दशकों तक आतंकवाद फैलाते हैं तो ये अच्छे पड़ोस वाली बात नहीं है और अगर आप अच्छे पड़ोसी नहीं है तो आप को इसके फायदे भी नहीं मिलेंगे। आप ये नहीं कह सकते कि कृपया हमारे साथ पानी साझा करें, लेकिन हम आतंकवाद जारी रखेंगे। ये नहीं हो सकता।

बांग्लादेश से अच्छे रिश्ते की उम्मीद

बांग्लादेश में इस साल फरवरी में चुनाव होने वाला है। इसे लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हम बांग्लादेश को उनके चुनाव में शुभकामनाएं देते हैं, और हम उम्मीद करते हैं कि एक बार चीजें ठीक हो जाने पर, अच्छे पड़ोसी का रिश्ता जारी रहेगा।

कश्मीर में आतंकी साजिश नाकाम

चीनी पिस्तौल व दो ग्रेनेड जब्त, पकड़े गए मददगार

पकड़े आतंकी सहयोगी

एजेंसी ▶▶ गांदरबल

जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। पुलिस ने गुरुवार को मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में एक महिला सहित दो आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार, दो हैंड ग्रेनेड और 8 लाख से ज्यादा की नकदी बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांदरबल पुलिस ने देर शाम स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया था।

गुंडरेहमान के पास नाका लगाकर चेकिंग की गई। इस दौरान सूचना के आधार पर एक लोड कैरियर को रोका। तलाशी लेने पर वाहन में 1 चीनी पिस्तौल, पिस्तौल की 1 मैगजीन, पिस्तौल के 4 कारतूस, 2 हैंड ग्रेनेड और 8,40,500 नकदी बरामद की गई। साथ ही आतंकी मददगार गुलाम नबी मीर निवासी हाजिन बांदीपोरा और शबनम नजीर निवासी शालाबुग, गांदरबल को गिरफ्तार किया गया।

ट्रैकिंग, कैंपिंग और हाइकिंग पर रोक

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में अधिकारियों ने शुक्रवार को सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कोकरनाग के ऊंचे इलाकों और जंगलों में ट्रैकिंग, कैंपिंग, हाइकिंग और इसी तरह की बाहरी गतिविधियों पर रोक लगा दी। कोकरनाग एसडीएम की ओर से जारी आदेश में हाल की घटनाओं का जिक्र किया गया, जिसमें कहा गया है कि कुछ लोगों ने देर रात के घंटों में नाका/चेकपॉइंट पार करने की कोशिश की है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित गंभीर सुरक्षा चिंताएं पैदा हुई है। वहीं, अवंतीपोरा पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के सदस्य के घर छापा मारकर आपत्तिजनक सामग्री व डिजिटल डिवाइस बरामद की है।

सेना के कैंप में लगी आग

चमोली जिले के ज्योतिर्मठ में औली रोड के समीप सेना कैंप में अचानक भीषण आग लग गई। सेना के जवानों के साथ ही फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई, लेकिन आग इतनी विकराल हो गई कि इसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। जानकारी के अनुसार यह सेना का स्टोर था, जिसमें प्लास्टिक का समान था। यहां खेत भी है जहां सूखी घास थी।

कोल इंडिया की ई-नीलामी प्रणाली में बदलाव

अब बांग्लादेश, भूटान और नेपाल सीधे खरीद सकेंगे भारत से कोयला

कोयले की खदान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कोयला कंपनी, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने सीमा पार व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। कंपनी ने घोषणा की है कि 1 जनवरी, 2026 से बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के कोयला उपभोक्ता अब भारतीय ट्रेडर्स की मदद लिए बिना सीधे ऑनलाइन कोयला नीलामी में भाग ले सकेंगे। सीआईएल के इस फैसले का उद्देश्य घरेलू स्तर पर उपलब्ध सरप्लस (अतिरिक्त) कोयला संसाधनों का बेहतर उपयोग करना, पारदर्शिता बढ़ाना और भारत की क्षेत्रीय बाजार में पकड़ मजबूत करना है।

खरीद प्रकिया पारदर्शी होगी

एसडब्ल्यूएमए एक एकीकृत ई-नीलामी प्रणाली है जिसे 2022 में लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य कोयला खरीद की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और बाजार-संचालित बनाना है। हाल ही में सीआईएल बोर्ड ने इस योजना के तंत्र में आवश्यक बदलावों को मंजूरी दी है, जिससे विदेशी खरीदारों के लिए रास्ता साफ हो गया है। कोल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, विदेशी खरीदारों के लिए संशोधित ढांचे में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

विदेशी संस्थाओं को पंजीकरण करना होगा

विदेशी संस्थाओं को नीलामी में भाग लेने के लिए एक बार पंजीकरण कराना होगा। पूरी बोली प्रक्रिया डिजिटल होगी। भुगतान की प्रक्रिया विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के नियमों के अनुसार होगी। नेपाल के खरीदार रुपए या डॉलर में भुगतान कर सकते हैं। बांग्लादेश और भूटान अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होगा, इसका मूल्य भारतीय रुपए के आधार पर तय किया जाएगा।

म्यांमार में फंसे तीन भारतीय स्वदेश रवाना

यांगून। म्यांमार में नौकरी संबंधी फर्जीवाड़े में फंसे तीन भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि जुलाई 2024 से अब तक कुल 1,757 भारतीयों को भारत वापस भेजा जा चुका है। मभारतीय दूतावास ने बताया कि म्यांमा के अधिकारियों और संगठनों के सहयोग से म्यावाड्डी फर्जीवाड़े से जुड़े केंद्रों से तीन और भारतीय नागरिकों को कल यांगून के रास्ते वापस स्वदेश भेजा गया। वहीं, केंद्र सरकार ने बताया है कि अब तक कंबोडिया, म्यांमा और लाओ पीडीआर से 6,700 से अधिक भारतीयों को बचाया जा चुका है।

दुनिया में तेज की पाकिस्तान की घेराबंदी

मीर यार ने लिखा पत्र

इजराइल और तालिबान से बलूचों ने मांगी मदद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग देश बनाने के लिए मीर यार बलूच ने अपना अभियान तेज कर दिया है। मीर यार ने इजराइल और अफगानिस्तान के नाम सोशल मीडिया पर खुली चिट्ठी लिखी है। मीर ने अपनी चिट्ठी में दोनों देशों से बलूचिस्तान की पाकिस्तान से आजादी के लिए मदद मांगी है। इन दोनों देशों के अलावा भारत से भी मीर यार मदद मांग चुके हैं। साथ ही मीर ने बलूचिस्तान की अलग सेना बनाने का ऐलान भी किया है। मीर यार बलूच ने इजराइल के विदेश मंत्री के नाम अपने खुले पत्र में कहा है कि बलूचिस्तान गणराज्य मौजूदा क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच इजराइल के सामने आने वाली रणनीतिक वास्तविकताओं को पहचानता है। हमास को पाकिस्तान का समर्थन और ईरान के क्रांतिकारी धुरी के साथ उसका गठबंधन हिंसा में योगदान देता है।

कर्तव्य पथ पर रिहर्सल करते जवान

दिल्ली। दिल्ली में 26 जनवरी पर गणतंत्र दिवस की परेड की तैयारियों के तहत कर्तव्य पथ पर जवानों का व्यापक स्तर पर अभ्यास जारी है। कड़ाके की ठंड और सुबह के घने कोहरे के बीच भी देशभक्ति का उत्साह कम नहीं दिखा। शुक्रवार को भारतीय नौसेना के जवान अनुशासन, एकरूपता और अदम्य जज्बे के साथ परेड रिहर्सल करते नजर आए। जवानों का यह अभ्यास गणतंत्र दिवस समारोह की भव्यता और सशस्त्र बलों की तैयारियों का सशक्त संदेश देता है। ऐतिहासिक लालकिला परिसर में 'भारत पर्व' के आयोजन को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने मंजूरी दे दी है। आयोजन 20 से 31 जनवरी 2026 तक ऑगस्ट क्रांति मैदान और ज्ञान पथ में आयोजित होगा। कार्यक्रम की तैयारियों और संचालन के लिए 14 जनवरी से 4 फरवरी 2026 तक आयोजन स्थल आयोजकों को उपलब्ध कराया जाएगा। 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस पर इस बार दिल्ली के कर्तव्य पथ पर हिमाचल की झांकी देश-दुनिया के सामने वीर सपूतों और शौर्य की गाथा प्रस्तुत करेगी।

भारतीय सेना ने रचा नया इतिहास, तोप के गोले को बना डाला 'मिनी मिसाइल'

आईआईटी मद्रास और सेना की साझेदारी से जन्मी तकनीक

नई तकनीक से 80 किमी दूर तक हो सकेगा 'सटीक' हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना बहुत जल्द ऐसी अत्याधुनिक सैन्य तकनीक को मैदान में उतारने जा रही है, जो अब तक दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है। सेना दुनिया के पहले रैमजेट-संचालित 155 मिमी आर्टिलरी गोले को तैनात करने की तैयारी में है। इस हाई-टेक गोले को आईआईटी मद्रास ने भारतीय सेना के साथ मिलकर विकसित किया है। देखने में यह सामान्य तोप का गोला लगता है।

लेकिन इसकी ताकत और क्षमता किसी मिसाइल सिस्टम से कम नहीं है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना आईआईटी मद्रास और आर्मी टेक्नोलॉजी बोर्ड (एटीबी) की साझेदारी का नतीजा है। इसका उद्देश्य पारंपरिक तोपखाने की सीमाओं को तोड़ते हुए ऐसी तकनीक विकसित करना था, जो ज्यादा दूरी तक, ज्यादा सटीकता के साथ हमला कर सके।

आर्टिलरी से दागा गया गोला सुपरसोनिक स्पीड पकड़ता है

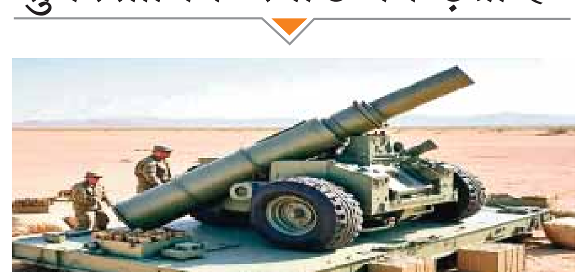
रैमजेट तकनीक वाली तोप

गुरुत्वाकर्षण से अलग है रैमजेट तकनीक

अब तक तोप के गोले केवल बारूद और बैलिस्टिक ट्रैजेक्टरी पर निर्भर होते थे। एक बार दागे जाने के बाद वे गुरुत्वाकर्षण के सहारे उड़ते हैं। लेकिन रैमजेट एक एयर-ब्रीदिंग प्रोपल्शन सिस्टम है। जैसे ही 155 मिमी गोला तोप से दागा जाता है, यह सुपरसोनिक स्पीड (मैक 2 से अधिक) पकड़ लेता है। तेज गति के कारण आसपास की हवा इसके इनलेट में जाती है, जहां वह संकुचित होकर ईंधन के साथ जलती है। इस दहन प्रक्रिया से लगातार ऊर्जा मिलती रहती है, जिससे गोला सामान्य गोले की तुलना में कहीं ज्यादा दूर तक जाता है। अब तक यह तकनीक मिसाइलों में इस्तेमाल होती थी, लेकिन पहली बार इसे तोप के गोले में सफलतापूर्वक लागू किया गया है। यह रैमजेट गोला मौजूदा गोले की तुलना में 30 से 50 प्रतिशत अधिक रेंज देने में सक्षम है।

पोखरण टेस्टिंग से बढ़ा भरोसा

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हुए शुरुआती परीक्षण बेहद सफल रहे हैं। इन परीक्षणों में गोले की रेंज, उड़ान स्थिरता और नियंत्रण क्षमता को परखा गया, और नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे। पूरी तरह तैयार होने के बाद यह गोला सेना की मौजूदा 155 मिमी तोपों के साथ पूरी तरह संगत होगा। इन रैमजेट गोलों को एम777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर, एटीएजीएस और धनुष आर्टिलरी गन जैसी मौजूदा 155 मिमी तोपों से दागा जा सकेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे स्क्वाड में एंट्री के लिए पंत और सिराज पर होगी नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए शनिवार को जब चयनकर्ता 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन करने बैठेंगे तो ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले हुई श्रृंखला में जीत दर्ज करने वाली टीम में हालांकि कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, लेकिन अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति दो मुद्दों पर ध्यान दे सकती है।

पहला मुद्दा पंत की दूसरे विकेटकीपर के रूप में स्थिति हो सकती है, क्योंकि ईशान किशन झारखंड के लिए मध्य क्रम में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और ध्रुव जुरेल ने भी घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा शतक जड़ा है। अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहचान टीम संयोजन के आधार पर खिलाड़ियों के चयन की है।

मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर की जरूरत

टीम संयोजन के कारण ही उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए संजू सैमसन और किशन जैसे सलामी बल्लेबाजों को चुना है। वनडे प्रारुप में टीम को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर की जरूरत है। ऐसा विकेटकीपर, जो पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहज हो। पंत ने गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से जुलाई 2024 से दिसंबर 2025 के बीच सिर्फ एक वनडे मैच खेला है। पिछले आठ वर्षों में केवल 31 वनडे मैच खेलना और 35 से कम का औसत होना इस जुझारु खिलाड़ी की क्षमता का सही प्रतिबिंब नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि प्रभाव के मामले में पंत किशन और जुरेल से कही बेहतर हैं।

पांड्या-बुमराह को आराम दिए जाने की संभावना

टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने की संभावना है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता अन्य दो तेज गेंदबाजों (हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह) को भी आराम देते हैं। दोनों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई श्रृंखला में हिस्सा लिया था। सिराज को परिस्थितियों के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नहीं चुना गया था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेशी श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया।

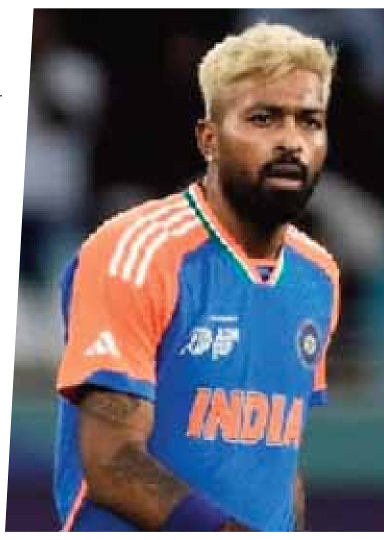

पडिक्कल को मौका मिलना मुश्किल

विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से दो मुख्य दावेदार सरफराज खान (नंबर चार पर बल्लेबाजी) और देवदत्त पडिक्कल (सलामी बल्लेबाज) हैं। शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की होने के कारण पडिक्कल को मौका देना मुश्किल होगा। सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर रुतुराज गायकवाड़ पहले ही दावेदारों में उनसे आगे निकल चुके हैं।

खबर संक्षेप

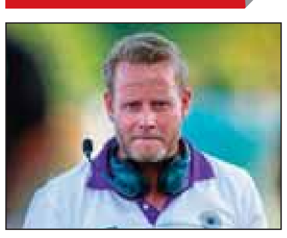

महिला हॉकी टीम में कोच मारिन की वापसी

नई दिल्ली। नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम तोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी। मारिन को हरेंद्र सिंह की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हरेंद्र को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और 'कोचिंग में मनमानीपूर्ण रवैया अपनाने'' के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। इसके पांच साल बाद फिर से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे, जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है।

सातवीं बार डकार रैली में लेंगे हिस्सा हरिथ नोआ

यानबू । भारत के अग्रणी रैली रेड राइडर हरिथ नोआ शनिवार से शुरू होने वाली विश्व की सबसे मुश्किल मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता डकार रैली में लगातार सातवीं बार हिस्सा लेंगे।

केरल का यह 32 वर्षीय राइडर तीन से 17 जनवरी तक होने वाली डकार रैली में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। यह प्रतियोगिता छठी बार सऊदी अरब में आयोजित की जा रही है। डकार रैली में राइडर इस बार लगभग 8 हजार किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। इसमें लगभग 4,800 किलोमीटर में राइडर रेत के टीलों, पथरीले इलाकों और दुर्गम पठारों से होकर गुजरेंगे। इस दौरान केवल एक बार 10 जनवरी को राइडर को विश्राम करने का मौका मिलेगा। 5 बार के भारतीय राष्ट्रीय सुपरक्रॉस चैंपियन नोआ ने 2020 में डकार रैली में पदार्पण किया था। तब यह रैली पहली बार सऊदी अरब में आयोजित की गई थी।

सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर मैदान से हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली। बल्लेबाज साई सुदर्शन हाल में मध्य प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के दौरान पसली में फ्रैक्चर होने के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सुदर्शन भारत की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की सातवीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था। चौबीस वर्षीय सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मुकाबलों में खेल पाना मुश्किल है। हालांकि उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है।

वनडे 1, 3 और 6 और टी-20 9, 12 और 13 सितंबर को खेलें जाएंगे

टीम इंडिया करेगी बांग्लादेश का दौरा खेली जाएगी वनडे और टी20 सीरीज

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने घोषणा की कि वह इस साल सितंबर में भारत की मेजबानी करेगा, जिसमें दोनों टीम के बीच तीन मैच की वनडे और तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी।

हालांकि मौजूदा हालात में बांग्लादेश में स्थिर सरकार नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई इस दौरे के लिए सहमति देगा या नहीं। बीसीबी की और से जारी विज्ञप्ति के अनुसार वनडे मुकाबले एक, तीन और छह सितंबर को खेले जाएंगे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9, 12 और 13 सितंबर को होंगे। भारतीय टीम सीमित ओवरों की इस श्रृंखला के लिए 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी।

बांग्लादेश के घरेलू शेड्यूल का हिस्सा

खबर के अनुसार बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशंस के इंचार्ज शहरयार नफीस ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच, जो सीरीज पहले टाल दी गई थी, उसे रीशेड्यूल कर दिया गया है। भारत सीरीज 2026 के लिए बांग्लादेश के घरेलू शेड्यूल का हिस्सा है, जिसमें पाकिस्तान, न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में द्विपक्षीय मुकाबले शामिल हैं।

ये टीमें करेगी बांग्लादेश का दौरा

न्यूजीलैंड अप्रैल-मई में बांग्लादेश का दौरा करेगा, जिसमें तीन वनडे मैच 17 अप्रैल से शुरू होंगे, इसके बाद 27 अप्रैल से 2 मई तक तीन टी20 मैच होंगे। ऑस्ट्रेलिया जून में व्हाइट-बॉल दौरे के लिए आएगा, जिसकी शुरुआत 5 जून से तीन वनडे मैचों की सीरीज से होगी, इसके बाद 15 से 20 जून के बीच तीन टी20 मैच होंगे। बांग्लादेश अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के साथ अपने घरेलू कैलेंडर को खत्म करेगा। टेस्ट से पहले 22-24 अक्टूबर को तीन दिवसीय वार्म-अप मैच खेला जाएगा, जिसमें टेस्ट 28 अक्टूबर-एक नवंबर और 5-9 नवंबर को होने हैं।

टी20 वर्ल्ड कप के बाद घरेलू सीजन शुरू

बीसीबी ने एक बयान में कहा कि कन्फर्म शेड्यूल बांग्लादेश में इंटरनेशनल क्रिकेट से भरे सीजन को पक्का करता है, जिससे देश भर के समर्थकों को घर पर टॉप-लेवल क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा, जबकि मैच वेन्यू की डिटेल्स सही समय पर बताई जाएंगी। बांग्लादेश का घरेलू सीजन मार्च में पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप के बाद शुरू होगा, जिसमें पाकिस्तान 12 से 16 मार्च तक तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए दौरा करेगा। पाकिस्तान मई में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के हिस्से के तौर पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वापस आएगा, जो 8-12 मई और 16-20 मई को होने वाली है।

जुलाई 2025 में रद्द कर दिया गया था दौरा

भारत का पिछले साल जुलाई में बांग्लादेश का दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले जुलाई जारी अपने बयान में कहा था, 'बीसीबी और बीसीसीआई ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में प्रस्तावित बांग्लादेश और भारत के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को सितंबर 2026 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। ' बयान में आगे कहा गया, 'यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच चर्चा के बाद लिया गया है, जिसमें दोनों टीम की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है। ' बीसीसीआई ने कहा, ''बीसीबी सितंबर 2026 में इस श्रृंखला के लिए भारत का स्वागत करना चाहता है। दौरे की संशोधित तारीख और कार्यक्रम की घोषणा समय आने पर की जाएगी।

लास्ट मैच सिडनी में

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगे बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा

एजेंसी ▶▶| सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। ख्वाजा ने कहा कि उन्हें लगता था कि उनके पाकिस्तानी और मुस्लिम पृष्ठभूमि के कारण उनके साथ 'अभी भी थोड़ा अलग व्यवहार किया जाता है।'

नस्लीय रुढ़िवादिता से पूरी जिंदगी जूझा

ख्वाजा ने कहा, 'मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वो अलग था, घटनाएं भी अलग थीं। मुझे पीठ में दर्द होता है, जो मेरे बस में नहीं है लेकिन मीडिया और पूर्व खिलाड़ी मुझ पर टूट पड़ते हैं। मुझे लगभग पांच दिनों तक आलोचना का सामना करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लेकर कई तरह की नस्लीय रुढ़िवादिता सामने आई, जैसे कि मैं आलसी हूं, पाकिस्तानी, वेस्टइंडीज के, अश्वेत खिलाड़ी...हम स्वार्थी हैं, हम सिर्फ अपनी परवाह करते हैं, हमें टीम की परवाह नहीं है, हम कड़ी मेहनत नहीं करते। ये वो बातें थीं, जिनसे मैं अपनी पूरी जिंदगी जूझता रहा हूं।' ख्वाजा ने कहा, 'मैं आपको ऐसे कई उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ी गोल्फ खेल कर चोटिल हो गए लेकिन आप लोगों ने उनके बारे में कुछ नहीं कहा। मैं आपको ऐसे भी उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ियों ने मैच से पहले की रात को खूब बियर पी और वे अस्वस्थ हो गए लेकिन उनके बारे में भी कुछ नहीं कहा गया लेकिन जब मैं चोटिल हुआ तो मेरी प्रतिबद्धता और एक व्यक्ति के रूप में मेरी छवि पर सवाल उठा दिए गए।' ख्वाजा ने कहा कि उन्हें पता था कि उनके करियर का अंत निकट है।

एसए20

अंक तालिका में टॉप पर सुपर किंग्स डीएसजे को सुपर ओवर में हराया

एजेंसी ▶▶| जोहानिसबर्ग

डोनोवन फेरेरा (नाबाद 33) और रिचर्ड ग्लीसन (41 रन देकर तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की मदद से जोबर्ग सुपर किंग्स ने एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के एक रोमांचक मुकाबले में डरबन सुपर जायंट्स को सुपर ओवर में हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

■ एसए20 के इतिहास में पहली बार मैच रहा टाई

सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 205 रन बनाए। सुपर जायंट्स ने आठ विकेट पर 205 रन बनाकर मैच को सुपर ओवर तक खींच दिया। सुपर जायंट्स की पारी की आखिरी गेंद पर फेरेरा ने ईथन बॉश (09) को रन आउट कर दिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया। इस तरह से एसए20 के इतिहास में पहली बार कोई मैच टाई रहा।

ग्लीसन ने सुपर ओवर में केवल पांच रन दिए। इस तरह से जोबर्ग सुपर किंग्स को जीत के लिए केवल छह रन चाहिए थे। रिली रोसो ने नूर अहमद की पहली तीन गेंदों पर दो चौके लगाकर जोबर्ग सुपर किंग्स को लगातार तीसरी जीत दिलाई। इस जीत से वह 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

महाराष्ट्र के शुभम रंजने ने लगाया अर्धशतक

इससे पहले सुपर किंग्स की तरफ से महाराष्ट्र के पूर्व खिलाड़ी और अब अमेरिका के शुभम रंजने की 31 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। फेरेरा ने 10 गेंदों में नाबाद 33 रन की तूफानी पारी खेली जबकि मैथ्यू डी विलियर्स (38) और कप्तान फाफ डु प्लेसिस (30 गेंदों में 47 रन) ने पहले नौ ओवरों के भीतर 89 रन की साझेदारी करके जोबर्ग को अच्छी शुरुआत दी थी। सुपर जायंट्स की तरफ से इवान जोन्स (43), हेनरिक क्लासेन (29) और एडेन मार्क्रम (37) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मैनचेस्टर सिटी - लिवरपूल का मैच ड्रॉ, आर्सेनल को बढ़त

ईपीएल

एजेंसी ▶▶| लंदन

एर्लिंग हालैंड की मौजूदगी के बावजूद मैनचेस्टर सिटी को सुंदरलैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच गोलरहित ड्रॉ खेला, जिससे आर्सेनल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में चार अंक की बढ़त हासिल कर ली है। लिवरपूल भी लीड्स के खिलाफ गोल करने में नाकाम रहा और उसे एनफील्ड में गोलरहित ड्रॉ खेलने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। शीर्ष पर काबिज आर्सेनल के अब 19 मैच में 45 अंक हैं जबकि मैनचेस्टर सिटी इतने ही मैच में 41 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। लिवरपूल के अब 33 अंक हो गए हैं और वह पहले की तरह चौथे स्थान पर है। एस्टन विला 39 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

नीरज और सचिन एआईयू के परीक्षण पूल में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव को इस साल के पहले तीन महीने के लिए विश्व एथलेटिक्स की डोपिंगरोधी निगरानी संस्था एथलीट्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा इस सूची में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं, लेकिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहने वाले यादव को पहली बार इसमें जगह मिली है। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता यादव ने विश्व चैंपियनशिप में चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया था, जो फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण आठवें स्थान पर रहे थे। यादव ने 86.27 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए न केवल चोपड़ा को, बल्कि पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी पीछे छोड़ा था। नदीम 10वें स्थान पर रहे थे। उत्तर प्रदेश के इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को भाला फेंक का अगला स्टार माना जा रहा है।

---

18 जनवरी से शुरू होगा वर्ष के पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट

ऑस्ट्रेलियाई ओपन से वापसी करेंगी वीनस, मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स पांच साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी।

उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है, जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं।

मेलबर्न पार्क में 28 साल पहले पहली बार लिया था हिस्सा

2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में लिया था हिस्सा

वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से दो सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उपविजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं।

टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

वीनस ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं, जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।' इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

मुख्यमंत्री ने गीता भवन वैचारिक अध्ययन केन्द्र का किया शुभारंभ

श्रीमद्भगवद्गीता मानव जीवन के हर क्षेत्र का मार्गदर्शक महान दर्शन : डॉ. यादव

हरिभूमि जबलपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को जबलपुर नगर निगम द्वारा विकसित आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त गीता भवन वैचारिक अध्ययन केन्द्र का शुभारंभ किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर परिसर में निर्मित इस गीता भवन का उद्घाटन वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना एवं संतों के वंदन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, संत-महात्मा, बुद्धिजीवी वर्ग एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र व्यक्तिगत, सामाजिक, नैतिक और आध्यात्मिक में मार्गदर्शन देने वाला महान जीवन-दर्शन है। गीता भगवान श्रीकृष्ण द्वारा प्रतिपादित ऐसा अद्भुत ग्रंथ है, जो आज के आधुनिक और जटिल समय में भी मानवता के सामने खड़े अनेक असुलझे प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि गीता का संदेश कर्मयोग, कर्तव्यबोध और नैतिकता पर आधारित है, जो व्यक्ति को अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए जीवन को सही दिशा देने की प्रेरणा देता है। गीता हमें सिखाती है कि फल की चिंता किए बिना कर्म करना ही जीवन का वास्तविक मार्ग है।

गीता भवन का शुभारंभ गौरव की बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति, कर्तव्यबोध और नैतिक मूल्यों को समाज के दैनिक जीवन से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेशभर में गीता भवन वैचारिक अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। इंदौर के बाद जाबालि ऋषि की तपोभूमि एवं संस्कारधानी जबलपुर में गीता भवन का शुभारंभ होना पूरे महाकोशल क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे वैचारिक अध्ययन केन्द्र नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेंगे। यहां अध्ययन, चिंतन, संवाद और विचार-मंथन के माध्यम से समाज में सकारात्मक चेतना का विस्तार होगा और युवाओं को जीवन की सही दिशा मिलेगी।

गीता भवन में मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएँ.

जबलपुर नगर निगम द्वारा विकसित गीता भवन को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। भवन में एक सर्वसुविधायुक्त वाचनालय एवं ई-लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है, जहां 5 हजार से अधिक धार्मिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक और सामाजिक पुस्तकों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा गीता भवन में 900 व्यक्तियों की क्षमता वाला अत्याधुनिक वातानुकूलित ऑडिटोरियम, विचार-मंथन कक्ष एवं अन्य आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। यह भवन अध्ययन, शोध, संवाद और वैचारिक विमर्श का एक प्रमुख केन्द्र बनेगा।

जनकल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ वितरित

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतीकात्मक रूप से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ हितग्राहियों को वितरित किए। साथ ही युवाओं को प्रतीकात्मक रूप से श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतियां भेंट कर उन्हें जीवन में गीता के आदर्श अपनाने का संदेश दिया।

विकास कार्यों का भी लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 44.26 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। इनमें 5.34 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न वार्डों में हरित क्षेत्र एवं उद्यान विकास कार्य, 12.93 करोड़ रुपये की लागत से सीमेंट सड़क, डामरीकरण एवं नाली निर्माण, 8.99 करोड़ रुपये की लागत से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल रहा। इसके अतिरिक्त 5.09 करोड़ रुपये की लागत से सीसी रोड एवं नाली निर्माण, 1.69 करोड़ रुपये की लागत से हरित क्षेत्र एवं उद्यान विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। वहीं 44 लाख रुपये की लागत से निर्मित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। मंचीय कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने 9.78 करोड़ रुपये की लागत से क्रय किए गए तीन अत्याधुनिक मैकेनिकल रोड स्वीपिंग वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा गोटिया, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विष्णोई, विधायक अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, संतोष बरकड़े, सुशील तिवारी इंदु सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रबुद्धजन और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

आधा दर्जन फरार आरोपियों पर इनाम घोषित

जबलपुर। जिले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जबलपुर संपत उपाध्याय ने इनाम की उद्घोषणा की है। आदेश के अनुसार फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने वाले, गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले या गिरफ्तारी में सहयोग प्रदान करने वाले व्यक्तियों को नकद पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी सूची में विभिन्न थाना क्षेत्रों के कुल छह प्रकरणों के फरार आरोपियों के नाम शामिल हैं, जिन पर एनडीपीएस एक्ट, बीएनएस तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज हैं।

थाना रांझी में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट एवं धारा 49 बीएनएस के अंतर्गत सिंधी कैम्प थाना हनुमानताल निवासी 23 वर्षीय फरार आरोपी विशाल चक्रवर्ती पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इसी तरह गोहलपुर में धारा 309(2), 115(2), 310(2), 356 बीएनएस में फरार मक्का नगर गली नंबर-1 थाना हनुमानताल निवासी आरोपी 18 वर्षीय अरसद खान पर 5 हजार रुपये का पुरस्कार रखा गया है।

इसी प्रकार गोहलपुर में धारा 125, 296, 115(2), 331(6), 351(3), 3(5) बीएनएस एवं धारा 3, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत महाराजपुर आधारताल निवासी 20 वर्षीय प्रिंस उर्फ साहिल केवट, जवाहर नगर आधारताल निवासी 20 वर्षीय रोहित ठाकुर, कालीमठ मंदिर रोड मदनमहल निवासी 30 वर्षीय रोहित बाथरे, बेन मोहल्ला रामपुर गोरखपुर निवासी 18 वर्षीय यश बेन, माढ़ोताल में धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत फरार आरोपी अंशुल कश्यप, घमापुर थाना में धारा 296, 115(2), 119(1), 3(5) बीएनएस में फरार आरोपी 23 वर्षीय राजा ठाकुर और पनागर थाने में धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत फरार आरोपी 26 वर्षीय मनीष प्रधान पर पर 4-4 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

बदमाशों ने किया चाकू से हमला, 2 घायल

जबलपुर। गोसलपुर थाना अतंर्गत देव नगर मिढासन रोड पर बिना किसी बात के दो बदमाशों ने एक युवक के साथ गालीगलौज कर चाकू से हमला कर दिया। बीचबचाव के दौरान दोस्त ने चाकू पकड़ लिया जिससे उसके हाथ में चोटें आ गई। घायल युवक को उपचार को लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोसलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मिढासन निवासी 21 वर्षीय सनी डुमार अपने ममेरे भाई चंदन एवं गांव के दोस्त आकाश कोल के साथ अपनी बाईक से बंजारी माता दर्शन के लिये जा रहा था, जैसे ही देव नगर मिढासन रोड पहुंचे तभी देवनगर की ओर से अरूण कोरी, अनिकेत कोल आये और बिना किसी बात को लेकर उसके दोस्त आकाश कोल के साथ गालीगलौज करते हुये चाकू मारने लगे, सनी ने बीच बचाव करते हुये चाकू पकड़ लिया तो उसके हाथ में चोटे आ गयी। आकाश को सीने, पंजे और कमर में चोटे आ गयी जिसे उपचार हेतु शासकीय अस्पताल गोसलपुर लेकर पहुंचे जहॉ से आकाश को मेडिकल कालेज के लिये रिफर कर दिया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296 ए, 115(2), 118(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एक आरोपी खुरई और दूसरा कृषि कॉलेज पन्ना में अटैच

कृषि विवि में नौकरी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला यूडीसी और चपरासी निलंबित

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर की मर्यादा को तार-तार करने वाले गैंगरेप कांड में विवि प्रशासन ने अंततः सख्त रुख अपनाया है। मामले की गंभीरता और पुलिस विभाग से प्राप्त प्राथमिक जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रबंधन ने आरोपी कर्मचारियों, यूडीसी दुर्गाशंकर सिंगरहा और चपरासी मुकेश सेन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विवि प्रशासन ने यह कदम तब उठाया जब संस्थान की साख पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे थे। विवि के कुलसचिव डॉ. एके जैन ने इस दंडात्मक कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपियों की मौजूदगी से जांच प्रभावित होने की आशंका थी। निलंबन की अवधि के दौरान अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत एक आरोपी को खुरई और दूसरे को कृषि कॉलेज पन्ना में अटैच कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब तक पुलिस जांच पूरी नहीं हो जाती, इन दोनों की मुख्य परिसर में एंट्री प्रतिबंधित रहेगी। इस कदम को प्रशासन द्वारा अपनी छवि सुधारने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब हो कि इस कांड ने प्रदेश और देश में विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। नौकरी का झांसा देकर महिला के साथ हुई इस हैवानियत के बाद से कैंपस का माहौल तनावपूर्ण है। स्थिति यह है कि अब कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बाहरी व्यक्तियों से संवाद करने को भी तैयार नहीं है। अब तक आरोपियों को संरक्षण देने के आरोपों से घिरा विवि प्रबंधन इस कार्रवाई के बाद राहत की सांस ले रहा है। हालांकि छात्रों और स्थानीय नागरिकों में आक्रोश अभी भी बरकरार है।

दावाः पनागर ज्वेलरी लूटकांड में पुलिस को मिले अहम सुराग

जल्द हो सकती है गिरफ्तारी, दो आरोपियों की पहचान का दावा

जबलपुर। पनागर बाजार में आभूषण दुकान संचालकों पर जानलेवा हमला कर लाखों रुपये की नगदी और सोने-चांदी के जेवरों से भरा बैग लूटने वाले बदमाशों को पुलिस जल्द गिरफ्तार कर सकती है। इस सनसनीखेज वारदात की जांच में जुटी पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ

लगे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक लूटकांड में शामिल दो युवकों तक पुलिस टीम पहुंच चुकी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए उत्तरप्रदेश से होते हुए बिहार तक दबिश दी जा रही है। सोने-चांदी की रिकवरी के लिए भी हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि 16 दिसंबर को पनागर बाजार स्थित भूरा ज्वेलर्स के संचालक सुनील सराफ और उनके बेटे संभव सराफ पर बदमाशों ने हमला कर दिया था। बदमाश 900 ग्राम सोना, 19 किलो 750 ग्राम चांदी और करीब 18 लाख रुपये नकद से भरा बैग छीनकर फरार हो गए थे। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया था।

नाकाबंदी के बावजूद हाथ नहीं लगे बदमाश

घटना के एक घंटे के भीतर ही पनागर पुलिस के साथ-साथ गोसलपुर, सिहोरा, अधारताल, माढ़ोताल, तिलवारा, बरगी, खितौला, मझगवां और मझौली थाना पुलिस को अलर्ट कर व्यापक नाकाबंदी कराई गई थी। बावजूद इसके बदमाश पुलिस की पकड़ से बाहर निकल गए। शुरुआती एक सप्ताह तक पुलिस को आरोपियों के संबंध में कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका।

एसपी के निर्देश पर क्राइम ब्रांच सक्रिय

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के निर्देश पर क्राइम ब्रांच को भी जांच में लगाया गया। क्राइम ब्रांच और पनागर पुलिस की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और पुराने आपराधिक रिकॉर्ड खंगालते हुए जांच को आगे बढ़ाया। अब पुलिस का दावा है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही बड़ी कार्रवाई संभव है।

रात्रि गश्त की कमजोरी पर उठे सवाल

इस लूटकांड के बाद एक बार फिर क्षेत्र में रात्रि पुलिस गश्त की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय पुलिस गश्त बेहद कमजोर रहती है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद रहते हैं। रात में अधिकांश अधिकारी फील्ड में रहने के बजाय थानों तक सीमित रहते हैं। प्रमुख मार्गों पर कभी-कभार पुलिस दिखाई भी दे जाए, तो कॉलोनियों और सुनसान इलाकों में दूर-दूर तक खाकी नजर नहीं आती। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ न होना, होटल-ढाबों, मुसाफिरखानों और धर्मशालाओं की नियमित जांच न होना तथा किराएदारों की जानकारी का अभाव भी अपराध बढ़ने के कारण माने जा रहे हैं।

सक्रिय हैं अंतरराज्यीय गिरोह

पुलिस जांच और पुराने रिकॉर्ड बताते हैं कि जिले में बड़ी लूट और डकैती की वारदातों में यूपी, बिहार, झारखंड और यहां तक कि बांग्लादेश से जुड़े गिरोहों की भूमिका सामने आती रही है। इसके अलावा शहर और आसपास के क्षेत्रों में पारधी, कंजर, स्थानीय और डेरा डालकर रहने वाले गिरोह भी सक्रिय बताए जाते हैं। ये गिरोह पहले रैकी करते हैं और वारदात के बाद परिवार सहित जिला छोड़कर फरार हो जाते हैं, जिससे उनकी गिरफ्तारी चुनौतीपूर्ण हो जाती है।

जल्द खुलासा करने का दावा

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच निर्णायक मोड़ पर है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ लूटे गए जेवरात व नकदी की बरामदगी का प्रयास किया जाएगा। पनागर लूटकांड ने जहां पुलिस की सक्रियता की परीक्षा ली है, वहीं आम लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता भी बढ़ा दी है। अब सभी की निगाहें पुलिस की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

महिला फांसी पर झूली, दहेज लोभियों पर मामला दर्ज

जबलपुर। थाना गढ़ा चौकी मेडिकल कॉलेज से 5 फरवरी 2025 को सूचना मिली कि ग्राम पौड़ी, थाना शहपुरा निवासी 22 वर्षीय एकता

पटेल को 4 फरवरी को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और घटनास्थल थाना शहपुरा क्षेत्र में होने के कारण मर्ग डायरी अग्रिम जांच हेतु थाना शहपुरा स्थानांतरित की गई।

जांच के दौरान मृतिका के माता-पिता और भाई ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि एकता पटेल की शादी जनवरी 2022 में ग्राम पौड़ी निवासी रोहित पटेल से हुई थी। अगस्त 2024 में रोहित पटेल द्वारा ट्रैक्टर खरीदने के लिए 50 हजार रुपये दहेज के रूप में मांगे गए। इसके अलावा ससुराल पक्ष द्वारा लगातार सोने-चांदी के गहने, आलमारी और सूटकेस की मांग कर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

परिजनों के अनुसार 4 फरवरी 2025 की दोपहर करीब 2:30 बजे एकता का भाई सिद्धांत पटेल उसके घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा खोलने पर एकता घर के अंदर फांसी पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल ने उसे फांसी से उतारकर कार से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी माधुरी पटेल, पति रोहित पटेल, देवर आदर्श पटेल, जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल के खिलाफ धारा 80(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240